नई दिल्ली शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026
रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 220 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कैनेडियन ओवनः बेन शेल्टन ... | @ विचार क्या भारत अब वैश्विक टेक कंपनियों के लिए... | @ व्यापार सेंसेक्स 78,000 के पार बंद...

टीएचडीसी निर्माणाधीन टनल में भूस्खलन; तीन की मौत, कई मजदूर अंदर फंसे

सीएम ने राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाने के दिए निर्देश

एजेंसी ■ उत्तराखंड

उत्तराखंड के चमोली जिले में देर शाम बड़ा हादसा हो गया। अलकनंदा नदी पर निर्माणाधीन विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टीआरटी (टेल रेस टनल) में बृहस्पतिवार शाम सरिया वेल्डिंग के दौरान भारी भूस्खलन होने से कई मजदूर घायल हो गए। बताया जा रहा है कि तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

हादसा शाम करीब छह बजकर 10 मिनट पर हुआ। जिस स्थान पर मजदूर काम कर रहे थे, वहां से करीब 150 मीटर दूर हुए भूस्खलन के बाद पानी के साथ पत्थर और मलबा टनल के अंदर घुस गया, जिसकी चपेट में कई मजदूर आ गए। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सेना और अन्य संबंधित टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। रात करीब नौ बजे तक 13 मजदूरों को घायल अवस्था में टनल से बाहर निकालकर जिला अस्पताल गोपेश्वर पहुंचाया गया। कुछ मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला, जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और रेस्क्यू टीमों से स्थिति की जानकारी लेकर बचाव अभियान पूरी तत्परता

और समन्वय के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। टनल में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। टीआरटी यानी टेल रेस टनल जल विद्युत परियोजना की महत्वपूर्ण भूमिगत सुरंग होती है। टरबाइन से बिजली उत्पादन के बाद इस्तेमाल किए गए पानी को पावरहाउस से बाहर निकालकर मुख्य नदी में प्रवाहित करने का काम इसी सुरंग से किया जाता है। पीपलकोटी परियोजना में टीआरटी की लंबाई करीब ढाई किलोमीटर है।

पिछले साल इसी परियोजना में हुआ था लोको ट्रेन हादसा, 60 लोग हुए थे घायल

टीएचडीसी की इसी निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजना में पिछले साल 31 दिसंबर की देर रात सुरंग के अंदर दो लोको ट्रेनें आपस में टकरा गईं। हादसे में करीब 60 अधिकारी, कर्मचारी और मजदूर घायल हुए थे। हादसे के समय सुरंग में 100 से अधिक लोग काम कर रहे थे। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना के बाद सुरंग में लंबे समय तक निर्माण कार्य रोक दिया गया था।

सीएम ने राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली के पीपलकोटी स्थित टीएचडीसी टनल के भीतर मलबा व पानी आने की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल व राज्य आपदा प्रतिवादन बल की टीमों को तत्काल घटनास्थल पर भेज दिया गया है। जिला प्रशासन सहित सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों को समन्वय के साथ त्वरित राहत एवं बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वे स्वयं वरिष्ठ अधिकारियों से निरंतर संपर्क में हैं, स्थिति की पल-पल की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता टनल में फंसे प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालना है और इस दिशा में सभी आवश्यक संसाधन लगाए गए हैं।

80वां स्वतंत्रता दिवसः पहली बार गूंजेगा 'वंदे मातरम'

पीएम मोदी लाल किले में करेंगें ध्वजारोहण

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किले से 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। यह भव्य कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150 साल पुरानी विरासत को याद करने और 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने की यात्रा में 'युवा शक्ति' की ऊर्जा, आकांक्षाओं और अहम योगदान का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। लाल किले पर होने वाले इस समारोह में पहली बार 'वंदे मातरम' की प्रस्तुति दी जाएगी। लाल किले पर पहुंचने पर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। रक्षा सचिव, प्रधानमंत्री को जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), दिल्ली एरिया, लेफ्टिनेंट जनरल राजेश सेठी से मिलवाएंगे। इसके बाद जीओसी, दिल्ली एरिया प्रधानमंत्री को 'सैल्यूटिंग बेस' तक ले जाएंगे, जहां इंटर-सर्विसेज और दिल्ली पुलिस का संयुक्त गार्ड प्रधानमंत्री को 'जनरल सैल्यूट' देगा। इसके बाद, प्रधानमंत्री 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण करेंगे।

प्रधानमंत्री के लिए 'गार्ड ऑफ ऑनर' दल में सेना, नौसेना, वायु सेना और दिल्ली पुलिस से एक-एक अधिकारी और 24-24 जवान शामिल होंगे। इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए भारतीय सेना समन्वय सेवा की भूमिका निभा रही है। 'गार्ड ऑफ ऑनर' की कमान लेफ्टिनेंट कर्नल अर्जुन सिंह संभालेंगे। प्रधानमंत्री के गार्ड में सेना के दल की कमान मेजर आदित्य शर्मा, नौसेना के दल की कमान लेफ्टिनेंट कमांडर नीलम राणा और वायु सेना के दल की कमान स्क्वाड्रन लीडर विपिन कुमार संभालेंगे।

पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री बादल पर नांदेड में हमला

एजेंसी ■ नांदेड़/ चंडीगढ

गुरूवार की सुबह पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री शिरोमणि अकाली दल (बादल) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर एक निहंग ने हमला कर दिया जिससे बादल को चोट आई उन्हे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया। इस हमले में बादल का सुरक्षा कर्मी भी घायल हुआ है। पुलिस ने हमलावर को अपनी हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है। घटना ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब के बाहर हुई। उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल अपने परिवार के साथ महाराष्ट्र के नांदेड साहिब दर्शन करने यहां आये हुए थे।

पंजाब के उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर यह दूसरी बार निभाकर हमला हुआ है। इससे पहले उन पर इससे पहले 4 दिसंबर 2024 को अमृतसर स्थित श्री हरमंदिर साहिब के बाहर भी जानलेवा हमला किया गया । जिसमें वे बाल-बाल बच गये थे,उस समय वह अकाल तख्त साहिब की ओर से सुनाई गई धार्मिक सजा के तहत सेवादार की सेवा कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार सुखबीर सिंह बादल गुरुद्वारा साहिब के अंदर जाने के लिए अपनी गाड़ी से उतर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सुखबीर बादल के साथ तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल स्थिति संभाली और हमलावर को काबू कर लिया। इसके बाद सुखबीर बादल को उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। घटना के तत्काल बाद सुरक्षा कर्मचारियों ने हमलावर को पकड़ लिया।

हमले के पीछे क्या कारण था और आरोपी की पहचान क्या है, इसे लेकर पुलिस की जांच जारी है। पुलिस घटना के पूरे क्रम की जानकारी जुटा रही है।

लोकसभा 1 मिनट-राज्यसभा 1 घंटे चली, संसद सत्र खत्म

बंदर के खिलौने के साथ विपक्ष का प्रदर्शन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

.संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली।

लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन एमएमडीआर संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया।

इधर, विपक्षी सांसद संसद के बाहर बंदर का खिलोना लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोकसभा में 114 घंटे में से 96 घंटे काम नहीं हुआ मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हुईं। सदन की सामान्य बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक होती है। दोपहर 1 से 2 बजे तक लंच ब्रेक रहता है। यानी एक दिन में करीब 6 घंटे कार्यवाही का समय होता है।

इस हिसाब से 19 बैठकों में करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन यह करीब 17 घंटे 30 मिनट ही चली। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनट कम कार्यवाही हुई।

वहीं, 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चला था। इसमें लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुईं। लोकसभा में सिर्फ 37 घंटे काम हुआ था।

राज्यसभा में 114 घंटे में से 76 घंटे 34 मिनट काम नहीं हुआ

मानसून सत्र में राज्यसभा की बैठकें भी लोकसभा के बराबर रहीं और 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन राज्यसभा में लगभग 37 घंटे 24 मिनट काम हुआ। यानी करीब 76 घंटे 36 मिनट कम कार्यवाही हुई।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं।

सभी पायलटों के लिए ड्रग स्क्रीनिंग अनिवार्यः एयर इंडिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने सुरक्षा मानकों को और मजबूत करने के उद्देश्य से समूह के सभी पायलटों के लिए अनिवार्य ड्रग और प्रतिबंधित दवाओं की जांच शुरू करने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, यह फैसला हाल ही में फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट में गंभीर टर्बुलेंस और अचानक ऊंचाई में गिरावट की घटना के बाद लिया गया है।

मीडिया द्वारा देखे गए पायलटों को संबोधित पत्र में कहा गया है कि यह स्क्रीनिंग कार्यक्रम 13 अगस्त से लागू हो गया है और एयर इंडिया समूह के सभी पायलट इसके दायरे में आएंगे। कंपनी ने कहा है कि वर्षों से एयर इंडिया ने अपने पायलटों और कर्मचारियों की पेशेवर क्षमता, कौशल और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के दम पर अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में यात्रियों का भरोसा बनाए रखना कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

एयर इंडिया ने अपने संचार में कहा कि हाल के दिनों में कई पायलटों ने भी सुरक्षा और पेशेवर मानकों को लेकर अपनी चिंताओं और सुझावों को साझा किया है। कंपनी ने बताया कि वह पहले से ही नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा निर्धारित सभी नियमों का पालन करती है, जो यूरोप और अमेरिका जैसे प्रमुख विमानन बाजारों में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के अनुरूप हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार

सीजेआई के अपमान पर बार काउंसिल का एक्शन, नालसार 2026 का कोई भी ग्रेजुएट नहीं बनेगा वकील

संवाददाता ■ रायपुर

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने सभी राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया है कि वे नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के 2026 बैच के किसी भी लॉ ग्रेजुएट का वकील के तौर पर एनरोलमेंट (पंजीकरण) अगले आदेश तक रोक दें।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया की तरफ से यह कदम यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में चीफ जस्टिस की भागीदारी के खिलाफ कथित तौर पर चलाए गए एक संगठित अभियान के बाद उठाया गया है।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने यह आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि काउंसिल ने नालसार के दीक्षांत समारोह को लेकर चलाए गए संगठित अभियान के बारे में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रिपोर्टों और जानकारियों का संज्ञान लिया है।

बार काउंसिल ने यूनिवर्सिटी से तीन दिनों के भीतर तथ्यों पर आधारित एक प्रमाणित रिपोर्ट भी मांगी है और कहा है कि वाइस-चांसलर द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद 19 अगस्त को इस मामले पर विचार किया जाएगा।

बार काउंसिल ने नालसार से कहा है कि वह जल्द से जल्द उन लोगों की पहचान करे, जिन्होंने इस अभियान को शुरू किया। बार काउंसिल ने ऐसे नाम स्पष्ट तौर पर मांगें हैं, जिन्होंने इस अभियान का ड्राफ्ट तैयार करने, उसे फैलाने, उसका समन्वय करने या लोगों को एकजुट करने में भूमिका निभाई।

काउंसिल ने उन लोगों के बारे में भी जानकारी मांगी है जो बैठकें आयोजित करने, मीडिया से बातचीत करने, सोशल मीडिया या समन्वय के लिए इस्तेमाल किए गए संगठित समूहों को संभालने, या सीजेआई से जुड़े किसी भी कार्यक्रम या दीक्षांत समारोह के बहिष्कार, उसमें बाधा डालने, उसे बाधित करने या उसमें संगठित रूप से शामिल न होने का प्रस्ताव या आह्वान करने में शामिल थे।

बार काउंसिल ने इस बारे में भी जानकारी मांगी है कि क्या इस कैंपेन को शुरू करने, मंजूरी देने, कोऑर्डिनेट करने या फैलाने में किसी स्टूडेंट बॉडी, स्टूडेंट बार काउंसिल, स्टूडेंट्स यूनियन या किसी दूसरे मान्यता प्राप्त स्टूडेंट संगठन का हाथ था या नहीं। बार काउंसिल ने यूनिवर्सिटी से यह भी बताने को कहा है ।

कर्नाटक: 32 एनसीसी कैडेट्स ने 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया, लोगों को किया जागरूक

विश्व केसरी

बीदर। कर्नाटक बटालियन के 32 एनसीसी कैडेट्स ने 'हर घर तिरंगा' जागरूकता अभियान चलाया और लोगों से तिरंगा फहराने तथा देशव्यापी अभियान में हिस्सा लेने की अपील की।

एनसीसी कैडेट दिव्या ने आईएएनएस से बातचीत में अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमें एनसीसी कैडेट होने पर गर्व है। हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लेने पर हमें आनंद की अनुभूति हो रही है। हमें अपने राष्ट्र के बारे में लोगों को बताने में खुशी होती है। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की दिशा में हम पिछले तीन दिनों से लोगों को जागरूक करने में लगे हुए हैं। इसके अलावा, हम कई अन्य तरह की गतिविधियां भी कर रहे हैं। इसी सिलसिले में हम गादगी भी गए थे और लोगों को अभियान में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित भी किया था। हमने लोगों को जागरूक भी किया था।

एनसीसी कैडेट दिव्या ने कहा कि यह सभी लोगों का कर्तव्य बनता है कि वो आम लोगों को प्रेरित करें। एनसीसी कैडेट का हिस्सा होने की वजह से हम अलग-अलग तरह की रैलियों का आयोजन कर रहे हैं। अभियान को लेकर सफल बनाने के लिए हर तबके के लोग सामने आ रहे हैं। हम लोगों को बड़े पैमाने पर जागरूक कर रहे हैं। हमारा मुख्य मकसद लोगों को एकजुट करना है, ताकि हम लोग हर प्रकार की स्थिति का सामना करने के लिए खुद को तैयार रख सकें।

एक अन्य कैडेट अनुश्री ने भी हर घर तिरंगा अभियान की अहमियत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज हम सभी नेहरू स्टेडियम में आए हैं, ताकि हम लोग परेड में हिस्सा ले सकें। आगामी स्वतंत्रता दिवस को लेकर हम लोगों ने कई तरह के जागरूकता अभियान भी चलाए हैं। हम इसी सिलसिले में गार्गी भी गए थे, ताकि हम लोगों के बीच में जाकर जागरूकता अभियान भी चला सकें। हमने हर घर तिरंगा अभियान को जारी भी रखा है, ताकि भारत के सभी लोग जागरूक हो सकें। लोगों के मन में यह भावना प्रेरित हो सके कि उन्हें भारत के लिए कुछ ना कुछ करना है।

राष्ट्र हित में अपनी तरफ से कोई ना कोई योगदान करना है। यही भावना सभी लोगों के मन में विकसित होनी चाहिए और हमें पूरा विश्वास है कि हम इस भावना को जमीन पर उतार कर रहेंगे।

अदालत में झूठ प्रमाणित होने के बाद क्या अब केजरीवाल अपनी सरकार का इस्तीफा लेंगे: सुधांशु त्रिवेदी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर मीडिया को संबोधित किया और पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के निर्णय के बाद पंजाब सरकार पर न्यायालय में झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए अरविंद केजरीवाल से राज्य सरकार के इस्तीफे की मांग की।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने झारखंड और पंजाब के छात्रों के मुद्दों पर राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल तथा जंतर-मंतर के कथित छात्र हितैषियों की चुप्पी पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि छात्र हितों का स्वांग रचने वालों का छात्रों के वास्तविक कष्टों से कोई सरोकार नहीं है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के कल के निर्णय के बाद एक बहुत गंभीर प्रश्न उठकर खड़ा हो गया है कि पंजाब में संसद की दृष्टि से सर्वोच्च स्थान विधानसभा पर पंजाब की सरकार ने झूठ बोला और यह न्यायालय में प्रमाणित हो गया। अब हम अरविंद केजरीवाल से पूछना चाहते हैं, जो झारखंड से लेकर पंजाब तक के मामले पर मुंह में दही जमाकर बैठे हुए थे कि जब न्यायालय में आपकी सरकार का झूठ बोलना साबित हो गया है तो अब क्या आप अपनी सरकार का इस्तीफा लेंगे? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि दूसरी तरफ भारत की संसद, जो संवैधानिक दृष्टि से चर्चा और संवाद का सबसे बड़ा स्थल है, वहां निरंतर बवाल मचाकर रखा गया है। अर्थात, पंजाब विधानसभा में झूठ, भारत की संसद में बवाल और न्यायालय द्वारा उठते सवाल, ये तीनों साफ दर्शाते हैं कि छात्र हितों के सभी अलंबरदार, जो झारखंड और पंजाब पर मुंह में दही जमाकर बैठे हुए अरविंद केजरीवाल और कान में तेल डालकर बैठे हुए राहुल गांधी हैं, इन दोनों की तथाकथित नैतिकता ने संवैधानिकता के धरातल पर दम तोड़ दिया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि उसके साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी यह भी अपेक्षा करती है।

मानसून सत्र राहुल गांधी के अहंकार की वजह से बाधित हुआ : प्रह्लाद जोशी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया है कि उनकी वजह से सदन की कार्यवाही लगातार बाधित रही और पूरा सत्र ही प्रभावित हुआ। उन्होंने नेता विपक्ष को अहंकारी बताया और कहा कि वे सिर्फ अपने अनुसार, सदन को चलाना चाहते हैं। लेकिन, सदन किसी की मर्जी से नहीं, नियमों के अनुसार संचालित होता है।

मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान जो भी चर्चाएं होनी थीं और जो भी सार्थक काम हो सकता था, वह नहीं हो पाया। बिल पास हुए, लेकिन वह एक अलग बात है। पूरा सत्र सिर्फ एक व्यक्ति के अहंकार की वजह से बाधित हुआ। अगर आप इस तरह संसद के कामकाज में बाधा डालते हैं, तो यह अहंकार के अलावा और कुछ नहीं है। पहले वे मांग करते हैं, और जब सरकार उसे मान लेती है, तो वे पीछे हट जाते हैं। लगभग एक हफ्ते पहले, हम सब साथ बैठे थे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद में कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री जवाब देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री के जवाब देने के लिए तैयार होने के बाद भी, उन्होंने इसे नहीं माना।

जब केंद्रीय गृह मंत्री ने खुद कहा कि वह जवाब देने के लिए तैयार हैं, तो फिर से राहुल गांधी ने अपनी बात बदल दी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस्तीफा मांगने वाले राहुल गांधी झारखंड के मुद्दे पर इस्तीफा क्यों नहीं मांगते, वहां चुप्पी क्यों साध लेते हैं? राहुल गांधी सिर्फ चुनिंदा मुद्दों पर ध्यान देते हैं और अहंकारी हैं, वे चाहते हैं कि संसद ठीक उनकी मर्जी के मुताबिक चले और वह सरकार के संवैधानिक ढांचे की परवाह न करें। जनता से 95 बार नकारे जाने के बावजूद, कांग्रेस नेता अपनी बार-बार की नाकामियों से सीखने को तैयार नहीं दिखते। उनका व्यवहार निंदनीय है और संसदीय लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह है।

टीडीपी सांसद कृष्णा प्रसाद टेनेटी ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मैं खुश नहीं हूं, मानसून सेशन वाशआउट हो गया है। यह सच है कि हमने 15 या उससे ज्यादा बिल पास किए हैं, लेकिन ये बिल कैसे पास हुए? क्या उन पर कोई चर्चा हुई? क्या उन पर कोई बहस हुई? लोकतंत्र में सभी को मौका दिया जाता है कि वह चर्चा में भाग ले। लेकिन, विपक्ष तो भागने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाता है। इस 18वीं लोकसभा में बहुत सारे महिला सदस्य हैं, 281 पहली बार चुन कर संसद आए, वे अपने क्षेत्र के मुद्दों पर बोलना चाहते थे। लेकिन, विपक्ष की वजह से बोलने का मौका नहीं मिला।

आम लोगों के लिए भारत ऑप्टेल ने लॉन्च की स्वदेशी 'गरुड़' दूरबीन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रक्षा क्षेत्र की कंपनी, भारत ऑप्टेल लिमिटेड ने आम लोगों के लिए स्वदेशी 'गरुड़' उच्च-रिजॉल्यूशन दूरबीन लॉन्च की है। यानी भारतीय रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली यह तकनीक अब आम लोगों के हाथों में भी होगी। इसकी मदद से पक्षियों को करीब से निहारना, जंगल में वन्यजीवों पर नजर रखना या फिर समुद्र में दूर तक देखना सामान्य लोगों के लिए संभव हो सकेगा। रक्षा उत्पादन विभाग के अधीन भारत ऑप्टेल एक मिनी रत्न श्रेणी-1 की कंपनी है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, देहरादून स्थित आयुध निर्माणी ने इस दूरबीन को पूरी तरह स्वदेशी डिजाइन और निर्माण के साथ तैयार किया है। खास बात यह है कि 'गरुड़' जिस तकनीक पर आधारित है, उसका इस्तेमाल भारतीय सशस्त्र बल और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कठिन परिचालन परिस्थितियों में लंबे समय से करते रहे हैं। 'गरुड़' में 8 गुना आवर्धन क्षमता है। यानी दूर मौजूद वस्तुओं को काफी करीब और स्पष्ट देखने में मदद मिलेगी। इसका 7.6 डिग्री का व्यापक दृश्य क्षेत्र एक साथ बड़े इलाके को देखने की सुविधा देता है।

आंखों की अलग-अलग दृष्टि के अनुसार इसमें प्लस-माइनस 5 डायोप्टर समायोजन की सुविधा है। लंबे समय तक इस्तेमाल के दौरान आंखों को आराम देने के लिए मुलायम आईकप लगाए गए हैं, जबकि इसकी मजबूत और सुविधाजनक पकड़ इसे इस्तेमाल करना आसान बनाती है। 'गरुड़' को बाहरी गतिविधियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसकी संरचना मौसम के विभिन्न हालात में इस्तेमाल के अनुकूल है। करीब 610 ग्राम वजन वाली यह दूरबीन आकार में कॉम्पैक्ट होने के साथ आसानी से कहीं भी ले जाई जा सकती है।

पक्षियों को देखने के शौकीन, वन्यजीव प्रेमी और प्रकृति की खोज करने वाले लोग इसका इस्तेमाल कर सकेंगे।

इसके संभावित इस्तेमाल में पक्षी अवलोकन, वन्यजीव निरीक्षण, प्रकृति अध्ययन, यात्रा, खेल, वानिकी, समुद्री गतिविधियां और सुरक्षा संबंधी कार्य शामिल हैं। भारत ऑप्टेल के लिए यह लॉन्च इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके साथ कंपनी ने नागरिक बाजार में कदम रखा है। यानी जिस तरह की भरोसेमंद प्रकाशीय तकनीक अब तक मुख्य रूप से रक्षा और सुरक्षा बलों की जरूरतों को पूरा करती रही, वही तकनीक अब आम उपभोक्ताओं के लिए भी उपलब्ध होगी।

बता दें कि भारत ऑप्टेल के पास सटीक प्रकाशीय उपकरण बनाने का 1943 से अनुभव है। कंपनी ने इसी दशकों पुराने अनुभव को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर 'गरुड़' तैयार किया है। 'गरुड़' का शुभारंभ 13 अगस्त को नई दिल्ली के डीपीएसयू भवन में रक्षा उत्पादन विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. गरिमा भगत की मौजूदगी में हुआ।

राजस्थान कैबिनेट ने यूसीसी और वृक्ष संरक्षण विधेयक को दी मंजूरी

विश्व केसरी

जयपुर। राजस्थान कैबिनेट ने गुरुवार को आगामी पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी। अहम फैसलों में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) बिल और राजस्थान वृक्ष संरक्षण बिल को मंजूरी देना शामिल था।

दोनों बिल 20 अगस्त से शुरू होने वाले राजस्थान विधानसभा के सत्र में पेश किए जाएंगे। कैबिनेट ने राज्य सरकार के कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रमोशन के लिए जरूरी अनिवार्य सेवा अवधि में दो साल की छूट को भी मंजूरी दी।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि सरकार का मकसद 'एक राज्य, एक कानून' के सिद्धांत को लागू करना है। कैबिनेट ने प्रस्तावित यूसीसी बिल को मंजूरी दी, जिसका मकसद शादी, तलाक, विरासत, गुजारा-भत्ता और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े नियमों को एक ही कानूनी ढांचे के तहत लाना है।

हालांकि, आदिवासी समुदायों द्वारा माने जाने वाले रीति-रिवाजों और परंपराओं को इस प्रस्तावित कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

प्रस्तावित कानून के तहत, शादी का रजिस्ट्रेशन 60 दिनों के भीतर कराना अनिवार्य होगा। तलाक का रजिस्ट्रेशन भी जरूरी होगा। साथ ही, लिव-इन रिलेशनशिप शुरू होने और खत्म होने की जानकारी भी देनी होगी।

रजिस्ट्रेशन की जरूरतों को पूरा न करने पर 10,000 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है। कानून बनने के बाद, प्रस्तावित यूसीसी बहुविवाह, यानी एक ही समय में एक से ज्यादा लोगों से शादी करने पर रोक लगाएगा। साथ ही, यह कानून कुछ समुदायों में पहले से लागू पाबंदियों के बिना दोबारा शादी करने की सुविधा भी देगा।

विरासत से जुड़े प्रस्तावित नियमों का मकसद सभी धर्मों में बेटों और बेटियों के लिए संपत्ति का समान अधिकार तय करना है। बिल में पुश्तैनी संपत्ति पर पोते-पोतियों के अधिकारों से जुड़े बदलावों का भी प्रस्ताव है।

श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 10 मछुआरों को किया गिरफ्तार, नाव भी जब्त

विश्व केसरी

रामेश्वरम। तमिलनाडु के दस मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना ने कच्चाथीवू के पास गिरफ्तार कर लिया। रामेश्वरम और अन्य जिलों के रहने वाले इन मछुआरों पर समुद्री सीमा पार कर श्रीलंकाई इलाके में मछली पकड़ने का आरोप है।

तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग ने बताया कि, बुधवार सुबह जरूरी टोकन लेने के बाद 297 मैकेनाइज्ड ट्रॉलर (गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाली नाव) रामेश्वरम फिशिंग जेट्टी से समुद्र में उतरे थे। देर रात, थंगाचिमदम के राजन नगर के रहने वाले वेलिंगटन की एक मैकेनाइज्ड नाव को श्रीलंकाई नेवी की सर्विलांस टीम ने कच्चाथीवू के पास रोक लिया।

शुरुआती जांच के बाद, नाव और उसके 10 सदस्यों को कस्टडी में ले लिया।

मछुआरों में 45 साल के जनथन; 38 साल के एंटनी पिचाई; 43 साल के प्रभु; 55 साल के डॉन बॉस्को; 31 साल के अरोकिया डेविन; 51 साल के वेलुचामी; 52 साल के सुब्बैया; 25 साल के अरोकिया जेनिस्टन; और 30 साल के स्टीविन शामिल थे। दसवें मछुआरे की पहचान तुरंत पता नहीं चल पाई।

वे रामेश्वरम, पंबन, विरुधुनगर और थंगाचिमदम के रहने वाले हैं।

मत्स्य पालन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मछुआरों को पूछताछ के लिए तलाईमन्नार बंदरगाह ले जाया गया। उम्मीद है कि उन्हें गुरुवार को बाद में श्रीलंका की एक कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जब्त किए गए ट्रॉलर के बारे में और जानकारी का इंतजार है। इस गिरफ्तारी से रामनाथपुरम जिले में मछली पकड़ने वाला समुदाय गुस्से में है।

मछुआरों ने बताया कि यह घटना नौ मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के ठीक पांच दिन बाद हुई, जब उनके ट्रॉलर में कथित तौर पर नेदुनथीवु के पास कोई तकनीकी समस्या आ गई थी।

बीपीएससी के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र, सीएम सम्राट चौधरी बोले- लोक सेवा नौकरी नहीं, जनसेवा और जनकल्याण का मार्ग

विश्व केसरी

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को बापू सभागार में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में सफल 2,027 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नियुक्ति पत्र मिलना उनके जीवन का ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति पत्र का वितरण अपने आप में नया रिकॉर्ड है।

सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि लोक सेवा केवल सरकारी नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा और जनकल्याण का माध्यम है। नवनियुक्त पदाधिकारियों के कार्यों से समाज के किसी न किसी व्यक्ति की उन्नति का रास्ता खुलेगा। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी जितनी ईमानदारी, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ काम करेंगे, बिहार उतनी ही तेजी से विकास करेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और समृद्ध बिहार के निर्माण के लिए सरकार के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग और नागरिक का सामूहिक प्रयास जरूरी है। बिहार के विकास में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और नवनियुक्त पदाधिकारी इस विकास यात्रा के अहम सहभागी होंगे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से 2025 के बीच 12 लाख सरकारी नौकरियां और 50 लाख रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। वर्ष 2025 से 2030 तक एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर पैदा करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार का बजट बढ़कर 3.47 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

जम्मू-कश्मीर : डीजीपी ने पुलिस और सीएपीएफ के साथ हाइब्रिड बैठक की अध्यक्षता की

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने गुरुवार को पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ऑपरेशन की समीक्षा के लिए एक हाइब्रिड बैठक की अध्यक्षता की।

अधिकारियों ने बताया कि डीजीपी नलिन प्रभात ने बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का मकसद केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा हालात, कानून-व्यवस्था की स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा करना था।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के अलग-अलग रेंज, जिलों और विंग्स के सीनियर अधिकारी इस समीक्षा बैठक में वर्चुअली और व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए, साथ ही सीएपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें शामिल हुए।

बैठक में घुसपैठ रोकने के उपायों, इलाके पर नियंत्रण, खुफिया जानकारी साझा करने और आने वाले कार्यक्रमों से पहले शांति और जन-सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा हुई।

डीजीपी ने हाई अलर्ट बनाए रखने, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीएपीएफ के बीच बेहतर तालमेल और शांति भंग करने की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए सक्रिय पुलिसिंग पर जोर दिया।

हाइब्रिड ऑपरेशनल मीटिंग एक रेगुलर सिक्योरिटी सिंक-अप होती है, जिसमें टीम के कुछ सदस्य एक फिजिकल ऑफिस रूम में एक साथ बैठते हैं, जबकि बाकी सदस्य ऑनलाइन वीडियो टूल के जरिए जुड़ते हैं। इसमें रोजमर्रा के काम-काज, ऑपरेशनल अपडेट और टीम के कामों पर ध्यान दिया जाता है।

सूत्रों ने बताया कि चर्चा घुसपैठ रोकने के उपायों, इलाके पर नियंत्रण, खुफिया जानकारी साझा करने और आने वाले कार्यक्रमों से पहले शांति और जन-सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर केंद्रित थी।

इस बैठक से जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे सुरक्षा उपायों और ऑपरेशनल जरूरतों का आकलन करने का मौका भी मिला।

31 जुलाई को अनंतनाग शहर में यात्रा ड्यूटी पर तैनात पुलिस हेड कॉन्स्टेबल आशिक कुरैशी की आतंकवादियों द्वारा दिनदहाड़े हत्या के बाद पूरे केंद्रशासित प्रदेश में हाई सिक्योरिटी अलर्ट है। इस आतंकी घटना के बाद आतंकवादियों ने कुलगाम जिले के केलम गांव में दो बाहरी मजदूरों की हत्या कर दी। ईंट भट्ठे पर काम करने वाले इन दो बाहरी मजदूरों को बहुत करीब से गोली मारी गई थी।

दक्षिण कोरिया की परमाणु-संचालित पनडुब्बी बनाने की योजना, प्योंगयांग ने दिखाई 'आंख'

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया ने हाल ही में ऐलान किया कि उसकी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाने की योजना है। इस पर पहली बार उत्तर कोरिया ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय के प्रथम उपमंत्री जांग कुम-चोल ने कहा कि सोल का यह कदम परमाणु हथियार हासिल करने की दिशा में बढ़ता कदम है। उन्होंने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच पनडुब्बी सहयोग को कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिरता के लिए खतरा बताया।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि दक्षिण कोरियाई एकीकरण मंत्रालय ने कहा कि, यह उत्तर कोरिया की ओर से इस मुद्दे पर पहला आधिकारिक बयान है। प्योंगयांग की प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब वह जापान की परमाणु नीति और दक्षिण कोरिया-अमेरिका-जापान के बढ़ते सुरक्षा सहयोग की भी आलोचना कर रहा है। सोल और वाशिंगटन के इस सहयोग को उत्तर कोरिया अपनी सुरक्षा के लिए चुनौती के रूप में देख रहा है।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बुधवार को एक बयान जारी किया। बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने लिए ऐसी सैन्य क्षमता विकसित करने का दावा किया है जो मौजूदा और भविष्य के संभावित खतरों को निष्प्रभावी करने में सक्षम हो। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का मानना है कि इस बयान में रूस और चीन के सुरक्षा दृष्टिकोण के साथ प्योंगयांग की बढ़ती समानता भी दिखाई देती है।

वहीं, दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों का विकास बदलते सुरक्षा माहौल के जवाब में रक्षात्मक कदम है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता पार्क डू-सून ने कहा कि प्रस्तावित पनडुब्बियां परंपरागत हथियारों से लैस होंगी, परमाणु हथियारों से नहीं, और यह कार्यक्रम परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के अनुरूप है। सोल ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ पारदर्शी परामर्श जारी रखने की भी बात कही है।

दक्षिण कोरिया की परमाणु-संचालित पनडुब्बी योजना अब केवल रक्षा आधुनिकीकरण का मुद्दा नहीं रह गई है। उत्तर कोरिया इसे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बदलाव और संभावित परमाणुकरण की दिशा में कदम मान रहा है। एक सूत्र के मुताबिक इससे कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया-रूस-चीन के बीच बढ़ते रणनीतिक तनाव का एक और आयाम सामने आया है।

ईरान की क्षेत्रीय संघर्ष विराम अपील का हमास ने किया समर्थन

विश्व केसरी■

तेहरान। फिलिस्तीनी संगठन हमास ने ईरान के उस रुख का समर्थन किया है, जिसमें क्षेत्र में जारी सभी संघर्षों को खत्म करने और व्यापक संघर्ष विराम लागू करने की मांग की गई है।

हमास ने ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नवनियुक्त सचिव मोहसेन रेजाई की हालिया टिप्पणी का स्वागत किया। रेजाई ने मंगलवार को लेबनान और गाजा समेत पूरे क्षेत्र में 'व्यापक संघर्ष विराम' का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि जब तक इसके लिए जरूरी शर्तें पूरी नहीं होतीं, तब तक स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज बंद रहेगा। उनकी ये टिप्पणी आईआरआईबी ने प्रकाशित की थी।

हमास के अरब और इस्लामी संबंध कार्यालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि युद्धों को समाप्त करना 'क्षेत्र, उसके लोगों और उनके भविष्य के सर्वोत्तम हित में होगा।'

संगठन ने कहा कि युद्ध जारी रहने से केवल 'दुश्मनों' को फायदा हो रहा है। हमास के अनुसार, इन योजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र को विभाजित करना, अस्थिरता पैदा करना और उसके संसाधनों को खत्म करना है। ईरान की ओर से होर्मुज को युद्धविराम से जोड़ना क्षेत्रीय संकट में इस रणनीतिक जलमार्ग की अहमियत को भी रेखांकित करता है। रेजाई ने कहा है कि होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका को ईरान की मांगों पर सहमत होना होगा, जिनमें युद्ध समाप्त करना और क्षेत्रव्यापी युद्धविराम शामिल हैं।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब गाजा, लेबनान और ईरान से जुड़े संघर्षों के बीच मध्य पूर्व में तनाव लगातार बना हुआ है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची की टिप्पणी भी सुर्खियां बटोर रही है। उन्होंने अमेरिका पर तंज कसते हुए कहा है कि दोयम दर्जे की इंटेलिजेंस की वजह से वो वस्तुस्थिति का ठीक से पता नहीं लगा पाया।

प्रतापगढ़ पुलिस का एक्शन, अतीक के बेटे उमर अहमद के काफिले की दो लग्जरी कार प्रयागराज से जब्त

विश्व केसरी■

प्रतापगढ। माफिया अतीक अहमद के बेटे उमर अहमद के काफिले पर प्रतापगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हथिगवां पुलिस ने टोल प्लाजा पर दबंगई और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में काफिले में शामिल दो लग्जरी कारों को प्रयागराज से बरामद कर जब्त कर लिया है।

बरामद की गई गाड़ियों के नंबर यूपी 70 जीक्यू 4834 और यूपी 70 जीवी 2915 हैं। पुलिस अब इन गाड़ियों में सवार अन्य लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, उमर अहमद अपने भाई अबान के सुपुर्द-ए-खाक में शामिल होने के लिए लखनऊ से पुलिस कस्टडी में प्रयागराज जा रहा था। सरकारी गाड़ियों के काफिले के पीछे उमर के समर्थकों का एक निजी काफिला भी चल रहा था।

हथिगवां थाना क्षेत्र के अख्तयारी कोटिला टोल प्लाजा पर टोल न देने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि काफिले में शामिल गाड़ियों में बैठे लोगों ने टोल कर्मचारियों से गाली-गलौज की। इसके बाद टोल बैरियर तोड़ने और कर्मचारियों पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास भी किया गया।

टोल प्लाजा के मैनेजर की शिकायत पर हथिगवां थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने हत्या का प्रयास, गाली-गलौज और सरकारी काम में बाधा सहित अन्य संगीन धाराओं में मामला पंजीकृत किया है। इस संबंध में थाना हथिगवां पर मुकदमा अपराध संख्या 166/2026 दर्ज है।

घटना के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाई। जांच के दौरान पता चला कि विवाद में शामिल दो लग्जरी कारें प्रयागराज में हैं। हथिगवां पुलिस की टीम ने दोनों वाहनों को ट्रेस कर सीज कर लिया। इस संबंध में सीओ सिटी आशुतोष मिश्रा ने बताया, 'इस प्रकरण में दो वाहनों को पुलिस ने सीज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। अभी तक इस मामले में कोई पकड़ा नहीं गया है। पुलिस का कहना है कि काफिले में शामिल अन्य गाड़ियों और लोगों की पहचान सीसीटीवी फुटेज और टोल प्लाजा के रिकॉर्ड के आधार पर की जा रही है।

ईरान संघर्ष के दौरान दक्षिण कोरियाई इंचियोन रहा दुनिया का सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी का प्रवेश द्वार कहा जाने वाला इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट 2026 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या के मामले में दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बन गया है। इसकी एक बड़ी वजह मध्य पूर्व में जारी ईरान युद्ध के कारण हवाई यातायात का रूट बदलना है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, एयरपोर्ट ने जनवरी से जून 2026 के बीच 3.839 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभाला। इसके साथ ही इंचियोन ने लंबे समय से शीर्ष पर रहने वाले लंदन के हीथ्रो और सिंगापुर के चांगी को पीछे छोड़ दिया। हीथ्रो में 3.779 करोड़ और चांगी में 3.453 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का आवागमन हुआ।

2001 में शुरू हुए इंचियोन के इतिहास में यह पहली बार है जब उसने अंतरराष्ट्रीय यातायात की वैश्विक रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। 2002 में वह 10वें स्थान पर था, 2018 में पांचवें और 2024 और 2025 में तीसरे स्थान पर पहुंचा था। इंचियोन की इस छलांग में मध्य पूर्व का संकट महत्वपूर्ण कारक रहा। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण दुबई जैसे मध्य पूर्वी एयर हब की भूमिका कमजोर हुई और ट्रांजिट यात्रियों का एक हिस्सा पूर्वी एशिया के वैकल्पिक मार्गों की ओर मुड़ गया। इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट कॉरपोरेशन ने भी यातायात बढ़ने में इस बदलाव को एक कारण बताया है। इंचियोन का अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात सालाना आधार पर 6.3 प्रतिशत बढ़ा। चीन और जापान से आने वाले यात्रियों में वृद्धि ने भी इसमें योगदान दिया। पहली छमाही में एयरपोर्ट के कुल यात्रियों में विदेशी नागरिकों की हिस्सेदारी 39.3 प्रतिशत रही, जबकि 2026 की दूसरी तिमाही में यह रिकॉर्ड 44.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। इंचियोन फिलहाल 101 एयरलाइनों के जरिए 183 शहरों से जुड़ा है, जिनमें 158 अंतरराष्ट्रीय यात्री गंतव्य हैं। 2024 के अंत में पूरा हुआ चार चरणों वाला विस्तार इसकी वार्षिक क्षमता को बढ़ाकर 10.6 करोड़ यात्रियों तक ले गया है।

इस बीच हीथ्रो ने 2026 की पहली छमाही में कुल 4 करोड़ यात्रियों का रिकॉर्ड बनाया, लेकिन मध्य पूर्व के लिए उसकी क्षमता में 16.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए यातायात में 7.9 प्रतिशत वृद्धि हुई।

देशभक्ति का जोश : राजौरी में युवक ने 250 फुट ऊंजे मोबाइल टावर पर चढ़कर तिरंगा फहराया

विश्व केसरी■

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में देशभक्ति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति प्रेम का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला है। यहां एक युवक ने अपनी जान की परवाह किए बिना 250 फुट ऊंचे मोबाइल नेटवर्क टावर पर चढ़कर गर्व से तिरंगा फहराया। इस असाधारण कृत्य ने तुरंत स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया, और लोग इस नाटकीय दृश्य को देखने के लिए जमा हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे। शिखर पर पहुंचने के बाद, युवक ने तिरंगा फहराया और लहराया, फिर सावधानी से नीचे उतर आया।

उसका यह कृत्य आकर्षण का केंद्र बन गया, और स्थानीय लोगों ने उसकी देशभक्ति की भावना की सराहना की। हालांकि, पुलिस ने युवक को चेतावनी दी कि इतने ऊंचे टावर पर चढ़ना बेहद खतरनाक है और इससे उसकी जान भी जा सकती थी। सौभाग्य से, वह बिना किसी चोट के सुरक्षित वापस लौट आया।

यह घटना तब से इलाके में चर्चा का विषय बन गई है, जो तिरंगे से जुड़ी भावनाओं को दर्शाती है और साथ ही सुरक्षा के महत्व को भी उजागर करती है। वहीं, स्वतंत्रता दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर का मशहूर पर्यटन स्थल गुलमर्ग देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा है। यहां लगाया गया 110 फीट ऊंचा तिरंगा पर्यटकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। गुलमर्ग घूमने पहुंच रहे सैलानी तिरंगे के साथ तस्वीरें और वीडियो बना रहे हैं।

देश के अलग-अलग हिस्सों से कश्मीर घूमने पहुंचे पर्यटकों का कहना है कि गुलमर्ग की प्राकृतिक खूबसूरती के साथ इतने ऊंचे तिरंगे को देखना उनके लिए एक यादगार अनुभव है। त्रिपुरा से आए पर्यटक शोभन दास ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया कि वह पहली बार जम्मू-कश्मीर आए हैं। गुलमर्ग में 110 फीट ऊंचा तिरंगा देखकर उन्हें बेहद खुशी हो रही है।

केंद्र सरकार एसिड अटैक पीड़ितों की रेल यात्रा के लिए पॉलिसी बनाने पर तैयार, सुप्रीम कोर्ट ने छह सप्ताह का दिया समय

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एसिड अटैक पीड़ितों को रियायती यात्रा सुविधा देने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को इस मुद्दे पर ड्राफ्ट पॉलिसी जमा करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया है।

एक वकील ने कहा कि यह पॉलिसी एसिड अटैक से बचे उन लोगों को रेल यात्रा में छूट दिलाने में मदद करेगी, जिन्हें शहरों के अच्छे अस्पतालों में समय-समय पर जाना पड़ता है। केंद्र की ओर से पेश हुई एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि रेलवे बोर्ड 'मरीज कैटेगरी' के तहत एसिड अटैक पीड़ितों को यात्रा में छूट देने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गया है।

हालांकि, दवे ने कहा कि पॉलिसी अभी तैयार की जा रही है, जिसमें यह भी शामिल है कि छूट कैसे दी जाएगी और इसकी अवधि क्या होगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह छह सप्ताह के भीतर प्रस्तावित पॉलिसी का ड्राफ्ट रिकॉर्ड पर रखे।

याचिकाकर्ता ने बेंच (जिसमें जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल थे) को बताया कि 'मरीज कैटेगरी' के तहत मिलने वाली मौजूदा छूट की कुछ सीमाएं हैं। यह सुविधा आमतौर पर किसी खास स्टेशन से किसी खास डेस्टिनेशन तक की यात्रा से जुड़ी होती है। वहीं, एसिड अटैक से बचे लोगों को इलाज के लिए अलग-अलग शहरों में जाना पड़ सकता है। उन्होंने अलग-अलग अस्पतालों से बार-बार छूट के सर्टिफिकेट लेने की जरूरत को भी अतिरिक्त समस्या बताया, खासकर हमले के शुरुआती महीनों में जब इलाज बहुत जरूरी हो सकता है।

मणिपुर ने 135वां 'पैट्रियट्स डे' मनाया, 1891 के युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

विश्व केसरी■

इंफाल। मणिपुर ने गुरुवार को 135वां 'पैट्रियट्स डे' (देशभक्त दिवस) मनाया। यह दिन उन लोगों की याद में मनाया गया, जिन्होंने 1891 के एंग्लो-मणिपुर युद्ध के दौरान ब्रिटिश शासन का विरोध करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी।

मणिपुर के गवर्नर अजय कुमार भल्ला, मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह, डिप्टी सीएम नेमचा किपजेन और लोसी डिखो और गृह मंत्री कोंथौजम गोविंदस सिंह ने अलग-अलग संदेशों में मणिपुर के उन बहादुर बेटों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राज्य की संप्रभुता की रक्षा में अपनी जान दे दी। एक संदेश में, गवर्नर ने उन दिवंगत देशभक्तों के प्रति गहरा सम्मान और हार्दिक श्रद्धांजलि व्यक्त की, जिन्होंने 1891 के एंग्लो-मणिपुर युद्ध के दौरान मणिपुर की संप्रभुता की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री और कई राजनीतिक नेताओं, बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इंफाल के मोइरांगखोम में हीचम याइचम पाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां देशभक्त युवराज बीर टिकेंद्रजीत सिंह का फांसी के बाद अंतिम संस्कार किया गया था।

मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में उन शहीदों की बहादुरी और बलिदान को याद किया, जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ मणिपुर की संप्रभुता की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम गर्व के साथ उन बहादुर शहीदों को याद करते हैं, जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ मणिपुर की संप्रभुता की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका साहस और देशभक्ति हमारे देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रेरणा बनी रहेगी।'

मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने कहा, 'इस दिवस पर मैं 1891 के एंग्लो-मणिपुर युद्ध के बहादुर शहीदों, विशेष रूप से बीर टिकेंद्रजीत और थांगल जनरल को सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने मणिपुर के सम्मान और स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका साहस, देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति प्रेम पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। हमारे शहीदों और नायकों को सलाम।'

135वें देशभक्त दिवस को मनाने के लिए, राज्य सरकार और विभिन्न अन्य संगठनों द्वारा गुरुवार को पूरे राज्य में दिन भर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। विपक्षी कांग्रेस ने भी अलग से 135वां देशभक्त दिवस मनाया। कांग्रेस विधायक दल के नेता केइशम मेघचंद्र सिंह ने कांग्रेस भवन में 'पैट्रियट्स डे' (देशभक्त दिवस) मनाने के कार्यक्रम में पार्टी का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को 'पैट्रियट्स डे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन 'मणिपुर के शेर' कहे जाने वाले बीर टिकेंद्रजीत सिंह और थांगल जनरल की शहादत की याद में मनाया जाता है। 1891 के एंग्लो-मणिपुर युद्ध के बाद अंग्रेजों ने उन्हें फेइडाबुंग (अब इंफाल में बीर टिकेंद्रजीत पार्क) में फांसी दे दी थी।

मणिपुर में छह उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला बारूद जब्त

विश्व केसरी■

इम्फाल। मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स समेत अन्य केंद्रीय बलों ने पिछले 24 घंटे के अंदर मणिपुर में कई जॉइंट ऑपरेशन चलाकर अलग-अलग प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया।

इसी को लेकर पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स समेत अन्य केंद्रीय बलों के संयुक्त ऑपरेशन में काकचिंग, इंफाल वेस्ट और थोउबल जिलों से छह उग्रवादियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी प्रतिबंधित कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके राजनीतिक विंग रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट (आरपीएफ), कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) और यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) से जुड़े हैं। पुलिस अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार उग्रवादी कथित तौर पर कई गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें अपहरण, जबरन 'चंदा' वसूलना और प्रतिबंधित संगठनों में युवाओं की भर्ती करना शामिल है।

सुरक्षाकर्मियों ने गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से कई आपत्तिजनक दस्तावेज, चंदे की रसीदें, नकदी, मुहरें, प्रतिबंधित संगठनों के लेटरहेड और अन्य सामान बरामद किए। गिरफ्तार किए गए दो यूकेएनए उग्रवादियों के पास से मैगजीन के साथ एक ऐके सीरीज की राइफल, 7.62 एमएम के 12 राउंड कारतूस, मैगजीन के साथ एक 9 एमएम पिस्तौल, एक बाओफेंग रेडियो सेट और एक रॉयल एनफील्ड बाइक बरामद की गई।

विचार

विश्व केसरी

संपादकीय

स्वतंत्रता दिवसःकेवल उत्सव का दिन ही नहीं, आत्मपरीक्षण का पर्व भी बनना चाहिए

(डा.) मनमोहन प्रकाश

15 अगस्त वह दिव्य दिवस है जब शताब्दियों की दासता के पश्चात भारत ने पुनः अपने भाग्य का निर्धारण स्वयं करने का अधिकार प्राप्त किया। असंख्य ज्ञात-अज्ञात क्रांतिवीरों के बलिदान, माताओं के अश्रु, युवाओं के रक्त और तपस्वियों के त्याग से सिंचित यह दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, कृतज्ञता और आत्मचिंतन का पर्व है। किंतु आज, जब हम स्वतंत्रता के अस्सी वर्षों के समीप खड़े हैं, तब एक प्रश्न हमारे समक्ष गंभीरता से उपस्थित है—क्या स्वतंत्रता केवल प्राप्त कर लेने की वस्तु है, अथवा उसका संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है?

भारत वह भूमि है जिसने वेदों की ऋचाएँ सुनी हैं, उपनिषदों का चिंतन किया है, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा को आत्मसात किया है। यहाँ तक्षशिला और नालंदा ने ज्ञान का सूर्य बनकर विश्व को आलोकित किया है। यह वही राष्ट्र है जिसने गणराज्यों की परंपरा विकसित की, विज्ञान, गणित, चिकित्सा और दर्शन के क्षेत्र में मानवता को अमूल्य योगदान दिया। इसलिए 15अगस्त1947 को हम अपनी राजनीतिक स्वाधीनता की पुनर्प्राप्ति का दिन कहते हैं।

इतिहास बताता है कि राष्ट्र केवल बाहरी आक्रमणों से नहीं टूटते; वे तब दुर्बल होते हैं जब उनके भीतर आत्मविस्मृति का अंधकार फैलने लगता है। आज हमारे सामने भी यही चुनौती उपस्थित है। स्वतंत्रता प्राप्ति के दशकों बाद भी वैचारिक उपनिवेशवाद, सांस्कृतिक हीनभावना, ऐतिहासिक विस्मरण और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति उदासीनता अनेक रूपों में दिखाई दे रही है – कहीं भाषा के प्रति उपेक्षा है तो कहीं संस्कृति को पिछड़ेपन का पर्याय मानने की प्रवृत्ति। कहीं इतिहास को विकृत दृष्टि से देखने का आग्रह है तो कहीं राजनीतिक स्वार्थ राष्ट्रहित से ऊपर रखकर आतंकी शक्तियों और देश विरोधी ताकतों को सहारा दिया जा रहा है। 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसे नारे केवल राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति नहीं हैं; वे उस चेतना पर प्रहार हैं जिसने सहस्राब्दियों से इस राष्ट्र को एक सूत्र में बाँध रखा है। वे क्रांति वीरों की उस वाणी की अवहेलना है जो कहती है – 'इस देश को रखना मेरे बच्चों संभालके '।

विचारों में मतभेद लोकतंत्र की शक्ति होती है, पर राष्ट्र की अखंडता पर प्रश्नचिह्न लगाना स्वतंत्रता की मूल भावना के विपरीत है। दुर्भाग्य से कुछ राजनीतिक शक्तियाँ अल्पकालिक लाभ और वोट बैंक की खातिर समाज में विभाजन की रेखाएँ गहरी करती दिखाई देती हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र और संप्रदाय के नाम पर खड़े किए जा रहे कृत्रिम संघर्ष राष्ट्रीय एकात्मता के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

सूचना-विस्फोट के इस युग में युवाओं के सामने तथ्यों से अधिक भ्रम और शोर उपस्थित है। सोशल मीडिया की तात्कालिकता अनेक बार उन्हें इतिहास, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति संतुलित दृष्टि विकसित करने का अवसर नहीं देती। परिणाम हम देख रहे हैं कि अधिकांश युवा स्वतंत्रता को केवल अधिकारों के रूप में देखते हुए उसके साथ जुड़े कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों को विस्मृत कर रहे हैं। यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों की जागरूकता और निष्ठा में निहित होती है।

आज स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, वरन् आत्मपरीक्षण का पर्व भी होना चाहिए। बड़े से बड़े पदों पर बैठे से लेकर आम नागरिक को इस अवसर पर चिंतन और आत्मपरीक्षण करना चाहिए कि 'हम क्या थे, क्या हो गये और आगे क्या होना है?'; 'हमने देश के विकास के लिए क्या किया और हम क्या कर सकते थे जो नहीं कर सके? ।

इसीलिए हमारा आग्रह है कि 15 अगस्त को केवल स्वतंत्रता दिवस के रूप में नहीं, 'स्वतंत्रता संरक्षण एवं आत्म मंथन एवं परीक्षण दिवस' के रूप में भी स्मरण किया जाना चाहिए। मेरी दृष्टि में इससे चेतना का जागरण होगा,जो हमें अपनी भूमि, संस्कृति, संविधान, पर्यावरण, इतिहास और राष्ट्रीय एकता के प्रति उत्तरदायी बनाएगी। संरक्षण का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं है; यह अपनी भाषाओं की रक्षा, सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, सामाजिक समरसता की रक्षा और प्रकृति की रक्षा भी है, वहीं चिंतन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम देश की उन्नति और विकास में किस तरह योगदान दे सकते हैं। इसलिए आज स्वतंत्रता संरक्षण का अर्थ है – राष्ट्र की एकता के प्रति अटूट निष्ठा, संविधान के प्रति सम्मान, नागरिक कर्तव्यों का पालन, परस्पर सद्भाव का संवर्धन, भारतीय भाषाओं और ज्ञान-परंपराओं का संरक्षण, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता तथा ऐसी शिक्षा का विकास जो युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ सके। यदि स्वतंत्रता हमें अधिकारों का बोध कराती है, तो स्वतंत्रता संरक्षण हमें उन अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कर्तव्यों का स्मरण कराता है।तो आइए, इस 15 अगस्त पर एक राष्ट्रीय संकल्प लें कि हम स्वतंत्रता को केवल इतिहास की उपलब्धि नहीं, भविष्य की जिम्मेदारी मानेंगे। हमारा प्रयास ऐसी पीढ़ी का निर्माण होगा, जो राष्ट्र को केवल भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना के रूप में देखे। हम मतभेदों से ऊपर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखेंगे।

क्या भारत अब वैश्विक टेक कंपनियों के लिए 'नियम मानो या रास्ता छोड़ो' वाला संदेश दे रहा है?

कमलेश पांडे

भारत सरकार ने इंस्टाग्राम, वाट्सएप और फेसबुक का संचालन करने वाली कंपनी मेटा की मनमानी को अब नियंत्रित करने का निर्णय लिया है। इसी के दृष्टिगत उसे यह चेतावनी भी दी है कि उसे भारतीय कानूनों का पालन करना ही होगा। यही नहीं, सरकार ने मेटा से अपने एल्गोरिदम को लेकर भी जवाब तलब किया है।

इसका तात्पर्य है कि अब मेटा को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस सरकारी निर्देश का वास्तव में पालन हो, क्योंकि मेटा अथवा अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियां एलगोरिदम का मनमाना उपयोग करती हैं। एआइ के आगमन के बाद उनके लिए ऐसा करना और आसान हो गया है। इसलिए सवाल उठने लगे हैं कि क्या भारत अब वैश्विक टेक कंपनियों के लिए 'नियम मानो या रास्ता छोड़ो' वाला संदेश दे रहा है?

वस्तुतः वैश्विक इंटरनेट कंपनियां एक विशेष एजेंडे का प्रचार-प्रसार करती हैं। अब इंटरनेट मीडिया कंपनियां यह सुनिश्चित कर रही हैं कि लोग क्या देखें और क्या नहीं? मसलन, ऐसा करके वे लोगों के स्वस्थ चिंतन को प्रभावित कर रही हैं। चिंताजनक पहलू यह है कि यह सब काम प्रायः संकीर्ण अंतर्राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है ताकि भारतीय हित प्रभावित होता रहे और कम्पनियों के लिए लाभदायक स्थिति निर्मित होती रहे।

यह एक तथ्य है कि इंटरनेट कंपनियां कई देशों में चुनावों को प्रभावित करने का काम कर चुकी हैं। वे ऐसा भारत में भी कर चुकी हैं और इसका पता कैंब्रिज

एनालिटिका मामले से चलता है। वैसे तो इंटरनेट मीडिया कंपनियां अपने को- 'सोशल मीडिया' कहती हैं, लेकिन सच यह है कि वे असामाजिक और अराजक तत्वों को भी प्रोत्साहन प्रदान करती हैं। वे ध्रुवीकरण के साथ ही सामाजिक विभाजन की खाई भी चौड़ी कर रही हैं।

अलबत्ता, कई बार वे अपने गलत इरादों की पूर्ति करती हुई पाई गई हैं। पहले हर बार वे माफी मांगकर बच निकलती हैं। लेकिन इस बार भारत सरकार ने उनकी नकेल कसी है। लिहाजा सरकार को अब केवल माफी से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि यदि कोई इंटरनेट मीडिया कंपनी अनुचित कार्य करती पाई जाए तो उसे वैसे ही कठोर दंड का भागीदार बनाया जाना चाहिए जैसे अनेक पश्चिमी देश समय-समय पर बनाते हैं और उन पर भारी जुर्माना लगाते हैं। अभी हाल में अमेरिका ने मेटा पर भारी जुर्माना लगाया। इसके दृष्टिगत भारत सरकार ने भी, हाल में मेटा ने प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो को हटाने को लेकर जो माफी मांगी, उसे खारिज कर उचित ही किया। दरअसल, समस्या केवल यह नहीं कि मेटा ने किसी खास एजेंडे के तहत शरारतपूर्ण ढंग से प्रधानमंत्री के वीडियो को हटाया, बल्कि यह भी है कि उसने यह माना कि उसके प्लेटफार्म पर बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट के साथ-साथ डीपफेक वीडियो को बढ़ावा दिया गया। यह भी स्वीकारा कि उसने पैसे लेकर हानिकारक सामग्री को बढ़ावा दिया। मसलन, ये सब ऐसी हरकतें हैं, जिनके लिए मेटा अथवा अन्य इंटरनेट कंपनियों को जवाबदेह बनाना अनिवार्य है।

अब यह सही समय है कि भारत सरकार मेटा एवं अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियों को जवाबदेह बनाने के साथ ही इस पर भी विचार करे कि आखिर विदेशी इंटरनेट मीडिया कंपनियों पर निर्भर रहना कहां तक उचित है? चूंकि सोशल मीडिया दुनिया भर में लोगों को लती/बीमार भी बना रही हैं, इसलिए इनकी बढ़ती प्रवृत्ति पर पुनर्विचार की जरूरत तो है ही!

इसी के मद्देनजर भारत सरकार की ताजा चेतावनी को लिया जाना चाहिए, जिसका का तत्काल कारण Meta/Facebook द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो कुछ समय के लिए Facebook से हटाया जाना है। लिहाजा, सरकार ने Meta की यह सफाई कि वीडियो गलती से हट गया था, स्वीकार नहीं की और कहा कि मामला अभी 'सुलझा हुआ' नहीं है।

ऐसे में सीधा सवाल है कि आखिर सरकार ने Meta को क्यों चेताया? वस्तुतः इसके मुख्यतः चार कारण सामने आए हैं: पहला, PM मोदी के वीडियो को हटाना — जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री का युवाओं से जुड़ा वीडियो अस्थायी रूप से Facebook से हट गया। Meta ने इसे operational error बताया, लेकिन सरकार ने स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं माना। दूसरा, भारतीय कानून बनाम Meta की global policy — सरकार का स्पष्ट संदेश है कि भारत में काम करने वाली Meta को अपनी वैश्विक नीतियों से ऊपर भारतीय कानूनों और नियामकीय निर्देशों का पालन करना होगा।

तीसरा, Deepfake और AI-generated misinformation — सरकार ने Meta से algorithms और content-moderation व्यवस्था मजबूत करने, deepfake/propaganda को तेजी से पहचानने तथा अधिक प्रभावी takedown mechanism बनाने को कहा है। चौथा, Safe-harbour का दबाव — संसदीय IT समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने चेतावनी दी कि नियमों के अनुपालन में गंभीर चूक होने पर Meta को IT Act की धारा 79 के तहत मिलने वाली safe-harbour सुरक्षा पर सवाल उठ सकता है।

ऋ इन आधा दर्जन विवादों में सबसे गंभीर मामला कौन-सा है?

मेरे आकलन में 2021 WhatsApp Privacy Policy विवाद और उसके परिणामस्वरूप CCI की ?213.14 करोड़ की कार्रवाई सबसे महत्वपूर्ण नियामकीय मामला है। CCI ने पाया कि WhatsApp ने अपनी dominant position का इस्तेमाल करते हुए यूजर डेटा संग्रह/शेयरिंग के संबंध में प्रतिस्पर्धा कानून का उल्लंघन किया; बाद में मामला न्यायिक चुनौती तक गया। लेकिन 2026 का नया टकराव अलग प्रकृति का है।

अब सवाल सिर्फ privacy या competition का नहीं, बल्कि Meta के algorithm, content moderation, AI/deepfake,

राजनीतिक सामग्री और भारतीय संप्रभु नियमन का बनता जा रहा है। यही वजह है कि सरकार का संदेश मूलतः यह है: 'भारत में कारोबार करना है तो Meta को भारतीय कानून और भारतीय नियामकीय व्यवस्था के अनुसार चलना होगा।' यही वजह है कि भारत में केंद्र सरकार और अमेरिकी टेक कंपनी Meta के बीच टकराव अब केवल सोशल मीडिया कंटेंट या यूजर प्राइवेसी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इससे भी आगे बढ़ चुका है। खासकर 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्नडुष्द्ढद्दश्नश्चद्म वीडियो को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किए जाने के बाद पैदा हुआ ।

कांवडियों का कूडा और गंगा मैया

राकेश अचल

मैं हमेशा उन विषयों पर लिखने से बचता हूँ जिनसे छुईमुई जैसी भावनाओं को आहत कर देते हैं. मैने जैनजी पर लिखा, संसद पर लिखा लेकिन कांवडियों पर नहीं लिखा क्योंकि आज के कांवडिए भोले बाबा के भक्त कम लगते है. वे गुस्सैल है. नशेलची हैं, मनोरंजन प्रिय हैं. सरकार उनके लिए स्कूलों की छुट्टी करा देती है. मेहबूब मानकर उनके ऊपर हैलीकाप्टर से पुष्पवृष्टि कराती है.

मेरे मन में कांवडियों के लिए उतनी ही श्रद्धा है जितनी चींटी के मुँह पर लगा अन्नकण. मैं किसी की भी भावनाओं को आहत नहीं कर सकता इसलिए खुद को ही आहत कर लेता हूँ. मेरे आहत होने की वजह कांवडिए हैं या नहीं, ये आप तय करें लेकिन मैं इधर उधर से मिल रही खबरें पढ सुनकर हैरान हूँ, परेशान हूँ.

ताजा खबरें हैं कि इस साल कांवड़ियों के सैलाब ने पिछले 40 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 4 करोड़ 80 लाख से अधिक कांवड़िए हरिद्वार पहुंचे. शिवभक्तों की भारी भीड़ हरिद्वार के घाटों में 7000 हजार मीट्रिक टन कचरा छोड़ गई.

आपको यकीन करना पडेगा कि कांवड मेला अवधि के 13 दिनों में चार करोड़ 80 लाख 40 हजार कांवड़िए हरकी पैड़ी समेत विभिन्न घाटों से गंगा जल लेकर अपने गंतव्यों को रवाना हुए. कांवड़ यात्रा के पिछले 40 साल में पहली दफा इतनी बड़ी संख्या में शिवक्त गंगा जल लेने पहुंचे.जबकि पिछले साल 4.52 करोड़ शिवभक्त हरिद्वार से गंगा जल लेकर गए थे।

शिवभक्तों की भारी भीड़ के चलते विभिन्न घाटों में जमा हुआ.नगर निगम की टीम अभी तक 5500 मीट्रिक टन से अधिक कचरा साफ किया जा चुका है. कचडा उठाना पुण्य कार्य से ज्यादा नागरिक दायित्व भी है, लेकिन बेचारे

सरकारी कर्मचारी ये काम कर रहे हैं.भक्तों द्वारा फैलाई अव्यवस्था की सबसे हैरानी करने वाली तस्वीरें हर की पौड़ी समेत कई अन्य घाटों में बने स्नानागारों से आईं, जिनके अंदर से पेशाब से भरी कई बोतलें मिलीं हैं.

. कांवड़ के श्रावण मेले के दौरान हरिद्वार में लगातार बढ़ती शिवभक्तों की भीड़ ने पुलिस और प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनी रही. देश के विभिन्न राज्यों से शिवभक्त कांवड़ लेने हरिद्वार पहुंचे. शिवभक्तों ने गंगा स्नान के बाद हरकी पैड़ी से पवित्र गंगाजल उठाया.मंगलवार को शिवभक्तों ने अपने क्षेत्र के शिवालयों में जलाभिषेक किया.

कांवड़ मेले में शिवभक्तों की बढ़ती संख्या के साथ शहरी सड़कों और हाईवे पर आस्था का सैलाब नजर आया. आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में कांवड़ मेले के दौरान करीब चार करोड़ 52 लाख कांवड़िए हरिद्वार पहुंचे थे.लेकिन इस बार यह आंकड़ा बढ़कर चार करोड़ 80 लाख 40 हजार से हो गया है.

पिछले वर्ष की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की संख्या में करीब 28 लाख से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज हुई. क्योंकि सरकार कांवडियों पर फूल बरसाती है.कांवड़ मेले में हर साल शिवभक्तों की संख्या बढ़ रही है.बढ़ती आस्था के बीच पुलिस प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन, यातायात और कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए थे।

कांवड़ियों जी बड़ी भीड़ के बावजूद पुलिस और प्रशासन ने कांवड़ मेले का सफल आयोजन किया. एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि 13 दिनों में 4.80 करोड़ शिवभक्तों ने हरिद्वार से गंगा लेकर प्रस्थान किया.

. मुझे तो समझ में नहीं आता कि पुलिस इतनी गिनती कर कैसे लेती है.क्या हमारा धर्म इन भक्तो को सफाई से रहने की शिक्षा नहीं देता।

बोध कथा

जीवन में संपूर्ण जागृति हो बेहोशी नहीं

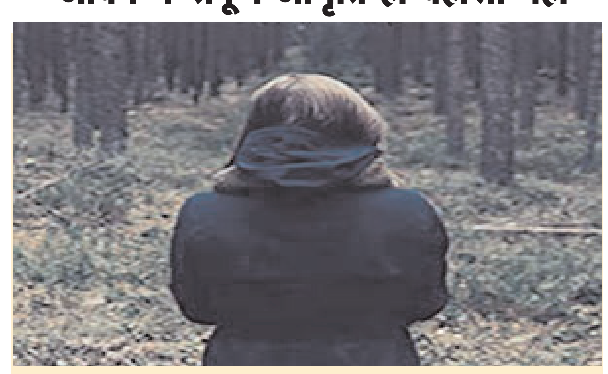

लगभग 200 वर्ष पूर्व जापान में एक ऐसा योगी रहता था नित कहता था जागो! नींद को त्यागो, जागो! वहां के सम्राट ने उस योगी की ख्याति सुनी और उसे राजमहल बुलाया, कहा कि हमारे राजकुमार आपके प्रशिक्षण में जीवन की कुछ बातें सीखे तो आप उसे यहीं रहकर सिखाओ। योगी कहता है कि यदि राजकुमार को कुछ सीखना होगा तो उसे मेरे पास आना होगा। मैं उसके पास नहीं आऊंगा। मैं उसे अपने ढंग से सिखाऊंगा। इसमें कितना भी समय लग सकता है ये निर्भर करता है उसकी प्रतिभा पर एक साल, दो साल या और अधिक। जो मैं कहूंगा उसे करना होगा और बीच में छोड़ कर नहीं आ सकता है। अगर ये शर्त मंजूर है तो ही मैं सिखाऊंगा। वो राजा मान जाता है और राजकुमार योगी के आश्रम में पहुंचता है। आश्रम बहुत छोटा है, छोटी सी कुटिया।

आते ही वो योगी उसे कहता है कि जो मैं तुमसे कहूंगा वो तुम्हें करना होगा और उसे कहा तुम्हें अपने आप को बचाना है मैं लकड़ी की नकली तलवार से तुम पर वार करुंगा और मैं कभी भी वार कर सकता हूं। तुम खाना खा रहे हो, झाड़ू लगा रहे हो या आश्रम की कोई भी सेवा कर रहे हो कुछ भी कर रहे हो किसी भी समय मैं तुम पर वार कर सकता हूं।

चुटकुले

1. टीचर: दुनिया में सबसे तेज क्या चलता है?

आरव: छुट्टी की घंटी। बजते ही पूरी class दौड़ने लगती है!

2. पापा: तुम्हारा कमरा इतना बिखरा क्यों है?

कबीर: बिखरा नहीं है। मेरी चीजें treasure hunt खेल रही हैं।

3. माँ: अलार्म बजा था, फिर भी उठे क्यों नहीं?

मीरा: मैंने सोचा वह अपना गाना सुनाने आया है।

4. डॉक्टर: कुछ दिन पूरा आराम करना होगा।

बच्चा: यह बात मेरे home-work को भी लिखकर दे दीजिए।

5. दोस्त: तुम्हारा school bag इतना भारी क्यों है?

आरव: किताबें बहुत हैं और marks बहुत हल्के।

6. माँ: पौधे से क्या बात कर रहे हो?

तारा: उसे जल्दी बढ़ने को कह रही हूँ। Project कल जमा करना है।

7. पापा: तुम fridge बार-बार क्यों खोल रहे हो?

बच्चा: देख रहा हूँ light हर बार जलती है या सिर्फ मुझे देखकर।

8. बहन: मेरी chocolate किसने खाई?

भाई: मुझे नहीं पता, लेकिन wrapper ने मेरा नाम लिया है।

9. माँ: कमरा साफ किया?

बच्चा: हाँ, सारी गंदगी bed के नीचे आराम कर रही है।

10. दोस्त: तुम्हारी घड़ी बंद क्यों है?

व्यंग्य केसरी

छतरी न खोल, उड़ जाएगी!

अशोक वाधवाणी

बरसात के हर मौसम में उसका मजा लेते हैं लोग। लेकिन इस बार मानसून की पता नहीं, कौनसी मजबूरियाँ थी या फिर वो मनुष्यों को सबक सिखाना चाहता था कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करोगे तो वो भी तुम्हें छोड़ेगी नहीं। काफ़ी प्रतीक्षा करने के बाद, कहीं तो पूरी ताकत के साथ बादल ऐसे गरजे कि बाढ़ की स्थिती पैदा हुई । मौसम का बिगड़ना इसी को कहते हैं। जिस तरह किसान व बारिश, एक दूसरे के पूरक हैं। ठीक वही छाते का मनुष्य के साथ गहरा-प्यारा, रिश्ता-नाता है। फेविकॉल के जोड़ की तरह अटूट, मज़बूत बंधन है। पहली बारिश में भीगने का अनुभव आनंददायक होता है, यही सोचकर कई उत्साही मनुष्य ऐसा दुस्साहस करते हैं। नतीजा, अगले दिन उन में से कुछ को डाक्टर और दवाईयों की शरण लेनी पड़ती है ।

कोई सिटी बस की प्रतीक्षा में, छाता थामे रोड पर खड़ा हो और सामने से बस आ जाए तो वो चौकन्ना होकर, आनन-फानन में छाता बंद करने लगता है। भीगने से ख़ुद को बचाने की असफल कोशिश भी करता है। कभी-कभार छाता बंद करते हुए वो दगा दे दे और सामने से बस आगे बढ़ रही हो तो मनुष्य ख़ुद को मजबूर, लाचार समझने लगता है।

अक्सर लोग इस मौसम में पैदल चलते समय या फिर बाइक पर पीछे बैठे हों तो छतरी मज़बूती से पकड़ते हैं कि कहीं पलट न जाए। तो भी, कुछ छतरियाँ मनुष्यों के लिए मुसीबत खड़ी करती हैं पलटकर। नेताओं की बात करें तो बरसात में , उनका सहकर्मी मजबूत छाता खोलकर अपनी सेवाएं देता है। बारिश के दौरान तेज अंधड़ आए तो उनका छाता पलट जाता है। जग हँसाई होती है। एक विद्वान लेखक ने कहा है कि ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो तो समझो की पहाड़ों के भूत आपसे मज़ाक कर रहे हैं। वैसे देखा जाए तो जिस तरह नेता चुनाव प्रचार के दौरान, किए गए वादों से पलटते हैं, छाता भी उसकी पुनरावृति करके उन्हें याद दिलाने का प्रयत्न करता है।

इस मौसम में किसी मॉल में खरीददारी करने या होटल में खाने-पीने के लिए जाना हो तो छाते के पानी की सारी बूंदे ज़मीन पर गिराकर ही किसी सुरक्षित जगह पर रखकर, अंदर प्रवेश करना पड़ता है। लड़कियों, महिलाओं के रंग-बिरंगी और अनगिनत डिज़ाइन वाले छाते होते हैं, जबकि पुरुषों के अधिकतर एक जैसे काले कलर के। इसलिए उनके मन में बार-बार ये विचार कौंधता है कि छाता कहीं ' मिक्स ' न हो जाए। एक और चिंता भी सताती है कि बाहर आने पर छाता सही-सलामत मिलेगा भी या नहीं? कई लोगों को छाता भूलने की भी बीमारी होती है। अक्सर कहीं न कहीं भूल आते हैं। नहीं मिला तो मजबूरन नया छाता ख़रीदना पड़ता है। घर पहुंचने पर जब श्रीमती जी सवाल करती हैं कि छाता कहां है? तब पता चलता है कि भारी भूल हो गई। जब वो चेतावनी देती हैं कि अपना छाता लेकर ही घर लौटना, तब वो बेचारा मारा-मारा एक से दूसरी जगह फिरता रहता है। छाता मिलने पर संतोष की सांस लेता है। मन ही मन में ख़ुश होता है कि अब श्रीमती जी को सॉरी नहीं बोलना पड़ेगा।

गांधी नगर , कोल्हापुर , महाराष्ट्र , संपर्क : 9421216288 , ई मेल ashok.wadhwanizl@gmail.com

इतिहास

14 अगस्त का इतिहास मुख्य रूप से 1947 में भारत के विभाजन और पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के रूप में दर्ज है। इसी दिन कराची में सत्ता हस्तांतरण हुआ, दिल्ली में संविधान सभा का ऐतिहासिक सत्र बैठा, और भारत की आज़ादी की मध्यरात्रि से ठीक पहले का घटनाक्रम पूरा हुआ।

1947 की मुख्य घटनाएँपाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवसः 14 अगस्त 1947 को पाकिस्तान एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र के रूप में दुनिया के मानचित्र पर आया।

नेहरू का ऐतिहासिक भाषणः 14 अगस्त की रात को ही भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में अपना प्रसिद्ध भाषण 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' (Tryst with Destiny) दिया।

कांकेर के प.विष्णुप्रसाद शर्मा ने आजादी के आंदोलन में निभाई भूमिका

विश्व केसरी

कांकेर नगरपालिका परिषद के पहले निर्वाचित अध्यक्ष और विधिपुरुष बने प. विष्णुप्रसाद शर्मा

कांकेर (डॉ.दिनेश मिश्रा)। आज देश को आजाद हुए पूरे 79 वर्ष हो चुके है,सारा देश आज 80 वा वर्षगांठ मना रहा है।देश की आजादी के बाद हमने हर क्षेत्र में बहुत तरक्की की है,आज भारत की अपनी वैश्विक पहचान है। सम्पूर्ण विश्व भारत को सम्मान की दृष्टि से देखता है,परंतु यह सब जिनके बदौलत हुआ है,आज उन नामी-अनामी स्वतंत्रता संग्राम सैनानी के त्याग,तपस्या,बलिदान को कैसे भुला जा सकता है। उनका स्मरण किये बिना हमारा आजादी का जश्न मनाना अधूरा है। अंग्रेजों के शासनकाल मे जब उनके जुर्म,अत्याचार और शोषण चरम में थे,तब सब शीर्षस्थ नेता,क्रांतिकारी अपने-अपने ढंग से अपनी मातृभूमि भारतमाता की आजादी के लिये प्रयास कर रहे थे,लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,विपिनचन्द्र पाल,लाला लाजपत राय,महात्मा गांधी,नेताजी सुभाषचंद्र बोस,भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी सारे राष्ट्र स्वतंत्रता का अलख अपने-अपने तरीके से जगा रहे थे,उसी काल मे बस्तर के कांकेर रियासत के प्रखर गांधीवादी,शिक्षाविद,पर्यावरणविद,साहित्यकार पंडित विष्णुप्रसाद शर्मा ने भी महात्मा गांधी के आंदोलन से प्रेरित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में अपना योगदान दिया। प.विष्णुप्रसाद शर्मा, छत्तीसगढ़ के गांधी के रूप में विख्यात पंडित सुंदरलाल शर्मा से भी बहुत प्रभावित थे,प.विष्णुप्रसाद शर्मा का जन्म कांकेर के राजपरिवार के राजपुरहित परिवार में 24 अक्टूबर सन 1923 में कांकेर के राजापारा में हुआ,आपके पिता कांकेर रियासत के राजपुरोहित और प्रकांड विद्वान पंडित रोमनाथ दुबे थे,आपकी माता श्रीमती रूखमणी देवी एक धार्मिक गृहणी थी। पंडित विष्णुप्रसाद की प्रारंभिक शिक्षा पुतरी शाला(वर्तमान कोमलदेव शासकीय अस्पताल के पास)में हुई,उस समय चौथी बोर्ड परीक्षा होती थी। उसके बाद आज जिसे नरहरदेव स्कूल के नाम से जानते है उस जमाने मे क्रॉफर्ड हाई स्कूल हुआ करता था। प्रख्यात साहित्यकार पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी उस जमाने मे क्रॉफर्ड स्कूल में शिक्षक हुआ करते थे और राजापारा में प.विष्णुप्रसाद शर्मा के पड़ोस में रहा करते थे। वंहा पढ़ने गये,09 अगस्त सन 1942 में गांधीजी के अंग्रेजो भारत छोड़ो आह्वान पर नवयुवक विष्णुप्रसाद कांकेर से रायपुर आंदोलन में भाग लेने चले गये,जंहा सभी आंदोलनकारियों के साथ उनको भी गिरफ्तार कर उनको भी रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद कर दिया गया। उस समय कांकेर रियासत के पॉलिटिकल एजेंट का बड़ा रुतबा हुआ करता था,उनको जैसे ही खबर मिली कि कांकेर का कोई युवक विष्णुप्रसाद भी आंदोलन में शामिल हुआ है और सेंट्रल जेल में बंद है। पॉलिटिकल एजेंट ने तुरंत कांकेर के राजा को खबर की,राजा ने पॉलिटिकल को आदेश दिया कि कांकेर के उस विष्णुप्रसाद नाम के गिरफ्तार युवक का नाम आंदोलनकारियों की सूची से हटवाकर जेल से बाहर निकालकर तत्काल कांकेर रवाना करो,पॉलिटिकल एजेंट ने अंग्रेज जेलर मिस्टर बिट्टा से रायपुर सेंट्रल जेल में मिलकर विष्णुप्रसाद शर्मा का नाम गिरफ्तार आंदोलनकारियों की सूची से नाम हटवा दिया और रात को ही जेल से बाहर लाकर रातोरात कांकेर भिजवा दिया। चूंकि कांकेर रियासत में अभी तक किसी ने किसी प्रकार के आंदोलन में भाग नही लिया था,गांधीवादी विचारधारा से किसी को कोई सरोकार नही था,उनको डर था कि कांकेर से किसी नवयुवक का आंदोलन में भाग लेने और जेल जाने की बात की लोगो को मालूम हुआ,तो पूरे बस्तर के नौजवानों में देशभक्ति का जज्बा जाग जायेगा इसलिये उस चिंगारी को वही बुझा देना चाहते थे। कांकेर वापस आने के बाद युवक विष्णुप्रसाद के सहपाठी और अंग्रेज शिक्षक उनका मजाक उड़ाने लगे,इससे दुखी होकर,पढ़ाई छोड़कर वो जगदलपुर अपने रिश्तेदार रघुवर दयाल दुबे जो उस समय द्वितीय वर्डवार के मेंबर हुआ करते थे,उनसे कहा कि दादा आप मुझे स्कूल में बैठने भर की अनुमति दिलवा दीजिये,मेरा एडमिशन मत कराइये,मैं अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहता हूँ,क्योकि कांकेर के क्रॉफर्ड स्कूल का कटु अनुभव युवक विष्णुप्रसाद के मन मे गहरा असर कर गया था। रघुवर दयाल दुबे ने विष्णुप्रसाद के मनमुताबिक 10 वी कक्षा के पढ़ाई की व्यवस्था करवा दी,जगदलपुर से दसवीं(मेट्रिक) की परीक्षा पास करके आगे की पढ़ाई करने वे रायपुर चले गये,रायपुर तो उस समय गाँधीजी के गांधीवादी विचार और उनके आंदोलनों से पूरी तरह प्रभावित था,सन 1944 में विष्णुप्रसाद शर्मा इंडियन नेशनल कांग्रेस के सदस्य बन गये,गाँधीजी के चरखा आंदोलन से जुड़कर आजीवन खादी पहनने की प्रतिज्ञा कर ली,जो उन्होंने जीवन पर्यन्त निभाया,चरखा चलाने से जो पारिश्रमिक मिलता उसके बजाये उन्होंने खादी के वस्त्र लिया करते थे,और अंग्रेजो के खिलाफ आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया करते थे,छत्तीसगढ़ कालेज से 1944 में एफ ए और 1948 में बीए की पढ़ाई के दौरान ही अगस्त 1947 में भारत को आजादी प्राप्त हो गई,बीए की परीक्षा पास करने की। छत्तीसगढ़ कालेज के प्रिंसिपल के जनास्वामी योगनंदम हुआ करते थे,उनका विष्णुप्रसाद पर विशेष पुत्रवत स्नेह था,उन्होंने उस परतंत्रता के दौर में छत्तीसगढ़ राज्य की परिकल्पना की और कॉलेज का नाम छत्तीसगढ़ कॉलेज रखा जो अपने आप मे उनकी छत्तीसगढ़ से उनका प्रेम और दूरदर्शिता को दर्शाता है। बाद सन 1950 में एलएलबी की परीक्षा उन्होंने कौशलेन्द्र राव विधि महाविधालय बिलासपुर से पास की,उस समय विधि महाविद्यालय आरम्भ ही हुआ था और विष्णुप्रसाद प्रथम बेंच के विद्यार्थी थे। युवक विष्णुप्रसाद अपनी शिक्षा पूरी कर वापस कांकेर आने के बाद राजापारा के प्राचीन जगन्नाथ मंदिर के प्रांगण एक टेबल-कुर्सी लगाकर भगवान जगन्नाथजी से आज्ञा लेकर,उनके चरणों मे बैठकर 1950 में वकालत की प्रैक्टिस आरम्भ की,उस जमाने मे गिने-चुने ही वकील हुआ करते थे जिनमें एक लहरी वकील,दूसरे बृन्दावनबिहारी लाल श्रीवास्तव आदि हुआ करते थे। उस समय नाममात्र की फीस लेकर,तो कई बार बिना फीस के भी विष्णुप्रसाद शर्मा गरीबों और जरूरतमंद भोले-भाले आदिवासियों का केस लड़ा करते थे। देश की आजादी के बाद प्रथम 1952 में चुनाव के समय विष्णुप्रसाद ने कांकेर नगरपालिका परिषद का चुनाव जीतकर कांकेर के प्रथम नगरपालिका अध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त किया। 1952 से 1957 के अध्यक्षीयकाल में कांकेर के सातों वार्ड में पीने के पानी के लिये कुआँ खुदवाया,गांधी उद्यान का निर्माण करवाकर उस समय के प्रख्यात साहित्यकार बलदेवप्रसाद मिश्रा के हाथों अनावरण करवाया,1952-53 में गाड़िया पहाड़ में शिवरात्रि के मेले की शुरुवात और पहाड़ पर स्थित शिव मंदिर का जीर्णोद्धार,गाड़िया पहाड़ पर चढ़ने के लिए सीडी निर्माण,सभी सातों वार्डो में प्रकाश व्यवस्था के लिए विधुत पोल की व्यवस्था करवाई। शिक्षा के क्षेत्र में महाराजा भानुप्रतापदेव के साथ मिलकर बस्तर शिक्षा समिति की स्थापना की,जिसके अध्यक्ष महाराजा भानुप्रतापदेव,जगदलपुर के केके झा और विष्णुप्रसाद शर्मा ने मिलकर 1962 में ग्राम्य भारती उपाधि महाविद्यालय और 1966 में ग्राम भारती उच्चतर माध्यमिक स्कूल की स्थापना हुई,1983 में ग्राम भारती उच्चतर माध्यमिक स्कूल का शासकीयकरण हुआ,और भारती स्कूल के नाम से जाना जाने लगा। ग्राम्य भारती उपाधि महाविद्यालय का शासकीयकरण 1 जनवरी सन 1975 को हुआ 23 फरवरी 1996 को मध्यप्रदेश शासन के आदेश पर भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हुआ,20 मार्च सन 2012 में छत्तीसगढ़ शासन ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित विष्णुप्रसाद शर्मा हायर सेकेंडरी स्कूल के नाम से किया है। सन 1980 से आपने सक्रियरूप से वकालत की प्रैक्टिस बंद कर दी थी,1977 के श्रीमती इंदिरा गांधी के जेल भरो आंदोलन के समय सभी आंदोलनकारियों को बस में बैठाकर जगदलपुर ले जाया जा रहा था,बस की खिड़की का कांच टूटा हुआ था,सो ठंड के मौसम में शीतलहर के कारण प.विष्णुप्रसाद के बाये कान की सुनने की शक्ति जाती रही,जगदलपुर जेल में पूरे15 दिनों तक बंद रहे। सन 1990 में कांकेर अधिवक्ता संघ का संविधान लिखा,उसके बाद कांकेर अधिवक्ता संघ ने उनको विधिपुरुष सम्मान से सम्मानित किया।

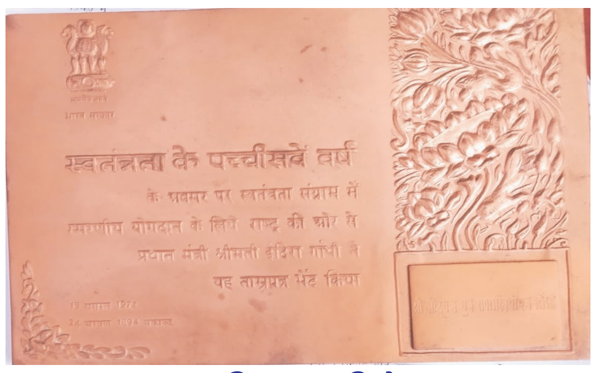

स्वंतत्रता दिवस पर विशेष रपट

राजनांदगांव में ईडी की दबिश, नाहटा और भंसाली से जुड़े ठिकानों पर जांच

विश्व केसरी

राजनांदगांव। राजनांदगांव में गुरुवार तड़के श्वष्ठ की टीम ने तीन ठिकानों पर जांच शुरू की। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गुरुवार तड़के राजनांदगांव में कई ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। जानकारी के मुताबिक भोपाल और रायपुर से पहुंची ईडी की अलग-अलग टीमों ने शहर से लगे तीन स्थानों पर कार्रवाई शुरू की।

इनमें सत्यम विहार कॉलोनी स्थित नाहटा ग्रुप से जुड़े प्रतिष्ठान और कामठी लाइन स्थित भंसाली किराए भंडार शामिल हैं। सुबह करीब 6 बजे पहुंची श्वष्ठ की टीम बताया जा रहा है कि ईडी के अधिकारी सुबह करीब 6 बजे राजनांदगांव पहुंचे और इसके बाद संबंधित परिसरों में जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर संबंधित ठिकानों के बाहर पुलिस बल भी तैनात रहा।

DMF मामले से जुड़ी बताई जा रही कार्रवाई सूत्रों के अनुसार, ईडी की यह कार्रवाई डीएमएफ से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में बताई जा रही है। हालांकि, अभी तक जांच एजेंसी की ओर से कार्रवाई के कारण या जांच के दायरे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

बता दें कि नाहटा और भंसाली से जुड़े इन ठिकानों पर अक्टूबर 2025 में भी ईडी की टीम कार्रवाई कर चुकी है। वर्तमान कार्रवाई को लेकर शहर में सुबह से ही चर्चा का माहौल है। फिलहाल तीनों स्थानों पर जांच जारी है। ईडी की ओर से आधिकारिक बयान जारी होने के बाद ही छापेमारी की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

दुरंतो एक्सप्रेस से 1.242 किलो विदेशी सोना बरामद, दो संदिग्ध हिरासत में

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर-नागपुर रेलमार्ग पर RPF और DRI की संयुक्त कार्रवाई में करीब 2 करोड़ रुपये का विदेशी सोना बरामद हुआ है। हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस के बी-12 कोच में सफर कर रहे दो संदिग्ध यात्रियों के पास से 1.242 किलोग्राम सोना मिला।

बरामद सोने की अनुमानित कीमत 1 करोड़ 96 लाख 34 हजार 307 रुपये बताई गई है। विदेशी सोना होने के कारण प्रारंभिक तौर पर मामला सोने की तस्करी से जुड़ा माना जा रहा है। अब DRI नागपुर की टीम पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

गुप्त सूचना पर ट्रेन में शुरू हुई जांच आरपीएफ क्राइम ब्रांच नागपुर के निरीक्षक को सूचना मिली थी कि ट्रेन नंबर 12262 हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में दो लोग विदेशी सोने की खेप लेकर सफर कर रहे हैं। सूचना के बाद RPF क्राइम ब्रांच नागपुर और रायपुर की टीम ने DRI नागपुर के अधिकारियों के साथ मिलकर संयुक्त अभियान शुरू किया। रायपुर से नागपुर के बीच ट्रेन में संदिग्ध यात्रियों और उनके सामान की जांच की गई। इसी दौरान टीम की नजर बी-12 कोच में बैठे दो संदिग्ध यात्रियों पर पड़ी। पूछताछ और सामान की तलाशी के दौरान उनके पास से विदेशी सोना बरामद हुआ।

सात सोने के बिस्किट और एक छड़ बरामद

तलाशी में कुल सात सोने के बिस्किट और एक सोने की छड़ मिली।

इनका कुल वजन 1.242 किलोग्राम बताया गया है।

गड्ढे में तब्दील सड़क, जगह-जगह लोहे की कीलें से हादसे का खतरा

कई बार खबर छपने के बाद भी नहीं बदली तस्वीर, जिम्मेदारों की अनदेखी से बढ़ रहा दुर्घटना का खतरा

विश्व केसरी

राजिम । जिले के महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित राजिम पुल की जर्जर हालत अब केवल परेशानी का कारण नहीं, बल्कि गंभीर हादसे का संकेत बनती जा रही है। पुल की सड़क जगह-जगह टूटकर गड्ढों में तब्दील हो चुकी है और स्थिति इतनी खराब है कि स्लैब के भीतर लगा लोहे का सरिया अब सड़क की सतह से बाहर निकल आया है। तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा यह सरिया राहगीरों और वाहन चालकों के लिए किसी खतरे से कम नहीं है। सबसे चिंता की बात यह है कि इस मार्ग से जिले के अधिकारी, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विधायक और सांसद सहित रोजाना बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। इसके बावजूद पुल की बदहाल स्थिति लंबे समय से जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल की जर्जर हालत को लेकर कई बार समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं और प्रशासन का ध्यान भी इस ओर आकर्षित किया गया है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नजर नहीं आया।

बारिश के मौसम में समस्या और गंभीर हो जाती है। टूटे हुए हिस्सों में पानी और कीचड़ भर जाने से गड्ढों की वास्तविक गहराई का अंदाजा वाहन चालकों को नहीं हो पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने तथा बड़े वाहनों के अनियंत्रित होने की आशंका बनी रहती है। वहीं सड़क के ऊपर निकला सरिया किसी वाहन के टायर में फंसने या राहगीर के लिए चोट का कारण बनने से इनकार नहीं किया जा सकता।

खबरें छपती रहीं, पुल बदहाल होता गया

स्थानीय स्तर पर इस पुल की बदहाली कोई नई समस्या नहीं है। समय-समय पर इसकी तस्वीरें और खबरें सामने आती रही हैं। हर बार लोगों को उम्मीद रहती है कि अब जिम्मेदार विभाग इसकी मरम्मत कराएगा, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके उलट सड़क का क्षतिग्रस्त हिस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है और अब निर्माण सामग्री के भीतर का सरिया तक बाहर दिखाई देने लगा है।

सवाल यह है कि क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदार विभाग जागेगा? जब जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी इसी मार्ग से गुजरते हैं, तब क्या उनकी नजर इस जर्जर हिस्से पर नहीं पड़ती? आखिर बार-बार सामने आने वाली समस्या के बावजूद स्थायी मरम्मत क्यों नहीं की जा रही है?तत्काल मरम्मत की जरूरत

लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग मौके का तत्काल निरीक्षण कर पुल की तकनीकी स्थिति का परीक्षण कराए।

चार नगर निगम चुनाव को लेकर तैयारियां तेज

बीरगांव नगरपालिक निगम महापौर पद को लेकर दावेदारों ने जमीनी तैयारी शुरू

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने लगी है। प्रदेश के चार नगर निगम बिरगांव भिलाई भिलाई चरोदा एवं रिसाली में दिसंबर 2026 में आम चुनाव प्रस्तावित हैं । इन चारों नगर निगम का वर्तमान कार्यकाल दिसंबर में समाप्त हो रहा है, राज्य निर्वाचन आयोग और नगरीय प्रशासन विभाग चुनावी तैयारी शुरू कर चुका है सरकारी स्तर पर समीक्षाएं चल रही हैं लेकिन दूसरी तरफ प्रत्याशी एवं दावेदार अपने-अपने मोर्चे पर तैयारियां शुरू कर चुके हैं और दबी जबान से चर्चा वाले नाम सामने आने लगे हैं । सबसे रोचक और उल्लेखनीय निगम चुनाव बिरगांव का होने वाला है यहां पर महापौर का पद महिला आरक्षित हो चुका है साफ है की जो प्रत्याशी दावा पेश करेंगे वह महिला प्रत्याशी होगी इसमें पूर्व महापौर अंबिका यदु ने दावेदारी के लिए तैयारी शुरू कर दी हैं विश्वास सूत्रों से जो जानकारियां मिल रही हैं उनके दावे के अनुसार वही बिरगांव नगर पालिक निगम की सशक्त दावेदार हैं ऐसा उनका कहना है सच भी हो सकता है क्योंकि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और सरकार का असर आवश्यक होता है पहला अनुभव को लेकर काफी जानकारी हैं इसलिए कहा जा सकता है की उनमें चुनाव जीतने की इच्छा शक्ति अधिक है लेकिन असल किरदार मतदाता निभाते हैं बीरगांव नगर पालिक निगम चुनाव में दूसरा महत्वपूर्ण नाम जो सर्वाधिक चर्चा में चल रहा है उसमें ममता भागीरथी यादव का है जो एक सक्रिय भाजपा सदस्य हैं मां बंजारी भाजपा मंडल बिरगांव से निरंतर नेतृत्व करते हुए आगे रही है मिलनसार अनुभव और दूरदर्शिता के कारण ममता को काफी लोग पसंद करते हैं इसका एक कारण उनके पति भागीरथी यादव का है जो पूर्व महापौर प्रतिनिधि पूर्व एल्डरमैन के साथ सांसद एवं विधायक मोतीलाल साहू के बेहद करीबी और विश्वसनीय लोगों में से हैं पार्टी स्तर पर भी उनकी छवि एक अनुभवी कार्यकर्ता की रही है विधायक और सांसद के पसंदीदा कार्यकर्ता में गिनती होती है ऐसे में ममता भागीरथी यादव को महापौर का सशक्त उम्मीदवार माना जाना चाहिए । हालांकि चुनाव के दौरान स्थितियां बदलती हैं और सुलझती है तब तक अपने आप को बनाए रखना भी एक महत्वपूर्ण एक अच्छे उम्मीदवार का फर्ज होता है तीसरे नंबर पर वर्तमान महापौर नंदलाल देवांगन की धर्मपत्नी लता देवांगन का नाम भी चर्चा में है वह नेतृत्व की धनी है और राजनीति में अच्छी पकड़ मानी जाती है हालांकि जनपद पंचायत में बेहतर अनुभव के साथ उनके अनुभव नकारा नहीं जा सकता हालांकि तैयारी के लेकर स्पष्ट अभिव्यक्ति नहीं दी है परंतु सूत्रों ने उनके मैदान में आने के संकेत दे दिए हैं इसके साथ में पार्षद डिगेश्वरी देवांगन को भी माना जा रहा है उनके पति एवज देवांगन सक्रिय नेता है भाजपा की सदस्यता भी है तथा पहले मैदान में महापौर के पद में चुनाव लड़ चुके हैं इसलिए अनुभव अच्छा है हर क्षेत्र में कदम रखने के लिए तैयार रहते हैं इसलिए डिगेश्वरी देवांगन को भी महापौर का एक दावेदार कहना उचित होगा

वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

‘हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा’ का दिया राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल तिवारी)। वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के गौरवपूर्ण अवसर पर पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम शिवलाल राठी शाला, बेमेतरा द्वारा राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों की भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। विद्यालय परिसर से प्रारंभ हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर ‘हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा ‘, ‘वंदे मातरम’ और ‘भारत माता की जय’ जैसे देशभक्ति के नारों के साथ नगर में भ्रमण किया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों ने नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता-अखंडता तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का संदेश दिया।

यात्रा के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालय के छात्र-छात्राएं अनुशासित एवं कतारबद्ध होकर तिरंगा लेकर आगे बढ़े। मार्ग में देशभक्ति से जुड़े नारों से वातावरण गूंज उठा। विद्यार्थियों ने लोगों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री रामकुमार डड़सेना ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। वंदे मातरम् के 150वें वर्ष का यह अवसर हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम को स्मरण करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ‘हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा’ केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करने का संकल्प है।

प्राचार्य श्री डड़सेना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवा पीढ़ी के हाथों में है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, जिम्मेदारी, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रप्रेम के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने और देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

तिरंगा यात्रा में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर एवं यात्रा मार्ग पर देशभक्ति का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को विकसित करना तथा समाज में ‘हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा’ का संदेश पहुंचाना रहा।

शिक्षिका मीनाक्षी तम्बोली ने विद्यालय के विद्यार्थीयों को कराया भोजन

बेमेतरा (अनिल तिवारी)। विकासखंड के संकुल केन्द्र जेवरा के शासकीय प्राथमिक शाला पथर्रा में पदस्थ सहायक शिक्षक मीनाक्षी तम्बोली ने अपने बेटे के जन्मदिन पर अपने विद्यालय में नेवता भोज का आयोजन किया।

इस सुअवसर पर प्रधान पाठिका लक्ष्मी देवी छेदैया ने तम्बोली परिवार का अभिनंदन किया, शिक्षिका ने अपने पुत्र के हाथों केक कटवा कर खुशियां बांटी तथा चाकलेट वितरित किया ।

नेवता भोजन में खीर पूरी, लड्डू, छोले, पापड, सलाद बांटकर स्कूली बच्चों को पौष्टिकता पूर्ण स्वादिष्ट भोजन का लाभ दिलाया। जन्मदिन कार्यक्रम पर ग्राम की पूर्व सरपंच, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और सदस्यगण ग्राम के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिक्षिका ने संकुल जेवरा परिवार को आमंत्रित किया। जिसमें संकुल

समन्वयक उद्धव साहू, पूर्व माध्यमिक शाला करही प्रधान पाठक सूरज लाल निषाद, प्राथमिक विद्यालय प्रधान पाठक कमलेश कुमार साहू सहित प्राथमिक विद्यालय बसनी से शिक्षिका किरण बंजारे, उत्तरा यदु एवं विद्यालय की शिक्षिकाएं सरिता मांडले, सुनीता कुर्रे व स्कूली बच्चों की पूरी संख्या में इस खुशी में शामिल हुए ।

भारतीय शेयर बाजार में सीमित दायरे में कारोबार; सेंसेक्स 78,000 के पार बंद

विश्व केसरी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार के कारोबारी सत्र में सीमित दायरे में कारोबार किया। दिन के अंत में सेंसेक्स 113.61 अंक या 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,079.96 और निफ्टी 40.10 अंक या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,395.85 पर बंद हुआ।

सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.55 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स थे। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी आईटी, निफ्टी कंजम्पशन, निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसई और निफ्टी ऑटो गेनर्स थे। निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी पीएसयू बैंक लूजर्स थे।

छोटे और मझोले शेयरों में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 97.15 अंक या 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 64,121.55 और निफ्टी 53.45 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,875 पर था।

सेंसेक्स पैक में इंडिगो, एनटीपीसी, बीईएल, एलएंडटी, एचयूएल, इटरनल, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एशिनय पेंट्स, ट्रेंट, एचसीएल टेक, आईटीसी, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा और एमएंडएम गेनर्स थे। आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट्स, इन्फोसिस,टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी और एक्सिस बैंक लूजर्स थे।

बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका और भारत, दोनों जगहों पर महंगाई के आंकड़े उम्मीद से कम रहे, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इससे यह उम्मीद भी मजबूत हुई कि फेड और आरबीआई निकट भविष्य में अपनी पॉलिसी को लेकर संयम बरत सकते हैं।

हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अभी भी एक बड़ी चिंता बनी हुई हैं, और मिडिल ईस्ट में भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण बाजार में जोखिम लेने का रुझान पूरी तरह से नहीं बन पा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि कंपनियों के नतीजों के मौजूदा दौर ने भारत में मांग की स्थिति और कंपनियों की मजबूती पर भरोसा बढ़ाया है, जिससे बाहरी चुनौतियों के असर को कम करने में मदद मिली है।

भारतीय कंपनियों की आय वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़ी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय कंपनियों की कुल आय में वित्त वर्ष 2027 की जून तिमाही में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि पिछली तिमाही में दर्ज 13 प्रतिशत की वृद्धि से काफी अधिक है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, इस तेज सुधार की प्रमुख वजह कमोडिटी और बुलियन की ऊंची कीमतें, पिछले वर्ष जीएसटी दरों में कटौती से मिली मांग की निरंतर मजबूती, विशेष रूप से ऑटोमोबाइल क्षेत्र में, और पश्चिम एशिया में तनाव और अल नीनो के प्रभाव को लेकर चिंताओं के बावजूद उपभोक्ता खर्च का मजबूत बने रहना रहा।

हालांकि, आय में मजबूत वृद्धि के बावजूद मुनाफे पर दबाव रहा। तिमाही के दौरान कुल ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन (ओपीएम) में सालाना आधार पर 200 बेसिस प्वाइंट से अधिक की गिरावट आई, जबकि शुद्ध मुनाफे की वृद्धि लगभग स्थिर रही।

कमजोर प्रदर्शन की मुख्य वजह तेल रिफाइनिंग क्षेत्र रहा, जहां कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और एलपीजी एवं पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में हुए नुकसान ने कमाई पर असर डाला।

हालांकि, तेल और गैस क्षेत्र को अलग कर देखें तो तस्वीर काफी मजबूत रही। ऑपरेटिंग मार्जिन करीब 19 प्रतिशत पर स्थिर रहा, जबकि शुद्ध मुनाफे में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

आईसीआरए ने कहा कि तिमाही के दौरान खपत से जुड़े क्षेत्र विकास के प्रमुख चालक बनकर उभरे। ऑटोमोबाइल ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) ने आय में सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, परिधान और किराना रिटेल, ज्वेलरी रिटेल तथा क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट चेन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

भारत के भुगतान क्षेत्र में 2021 से अब तक 5.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के भुगतान क्षेत्र में 2021 से अब तक 371 घोषित इक्विटी फंडिंग राउंड के जरिए करीब 5.8 अरब डॉलर का निवेश आया है। यह देश के डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम पर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैकसन की 'द इंडिया पेमेंट्स लैंडस्केप: हाउ यूपीआई मेड इंडिया सेल्फ-रिलायंट इन पेमेंट्स' शीर्षक वाली रिपोर्ट में बताया गया है कि सार्वजनिक डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे ने एक मजबूत निजी क्षेत्र के इकोसिस्टम को विकसित करने में मदद की है। इसमें उपभोक्ता भुगतान ऐप, कारोबारी भुगतान प्लेटफॉर्म और फिनटेक इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने वाली कंपनियां शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता-केंद्रित भुगतान प्लेटफॉर्म को निवेश का सबसे बड़ा हिस्सा मिला। इन्हें कुल फंडिंग का करीब 53 प्रतिशत यानी लगभग 3.1 अरब डॉलर प्राप्त हुए।

कारोबारी भुगतान कंपनियों को करीब 38 प्रतिशत फंडिंग मिली, जबकि भुगतान इंफ्रास्ट्रक्चर और एपीआई आधारित सेवाओं से जुड़ी कंपनियों को शेष 9 प्रतिशत यानी लगभग 526 मिलियन डॉलर मिले।

रिपोर्ट में कहा गया, 'भुगतान कंपनियों ने जनवरी 2021 से अब तक 371 घोषित इक्विटी राउंड में 5.8 अरब डॉलर जुटाए हैं। इस दौरान आठ आईपीओ और 25 अधिग्रहण हुए हैं। हालांकि, कुछ अच्छी तरह से फंडिंग प्राप्त कंपनियों के इर्द-गिर्द क्षेत्र में एकीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि तकनीकी निवेश में तेजी के दौर के बीच 2021 में फंडिंग गतिविधियां अपने चरम पर पहुंच गई थीं। इसके बाद 2022 से 2024 के बीच व्यापक फंडिंग मंदी के कारण निवेश की रफ्तार धीमी हो गई।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस क्षेत्र में परिपक्वता बढ़ रही है और कंपनियां अब निकासी के अवसर पैदा करने और पूंजी को दोबारा निवेश करने लगी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 से भारत के भुगतान उद्योग में आठ प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और 25 अधिग्रहण हुए हैं। रिपोर्ट में यूपीआई के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विस्तार का भी जिक्र किया गया है। सीमा-पार यूपीआई लेनदेन वित्त वर्ष 2024 में करीब 37,000 से 20 गुना से अधिक बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 7.5 लाख से अधिक हो गए। वहीं, अब यह भुगतान नेटवर्क एक दर्जन से अधिक देशों में संचालित हो रहा है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात अप्रैल-जुलाई में 9.17 अरब डॉलर के पार पहुंचा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मांग से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारत के रत्न एवं आभूषण क्षेत्र ने चालू वित्त वर्ष के शुरुआती चार महीनों में मजबूती दिखाई है। जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान भारत का कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात 2.44 प्रतिशत बढ़कर 9.17 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिसमें विशेष रूप से वैल्यू-एडेड उत्पादों जैसे जड़े हुए सोने और चांदी के आभूषणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भारतीय मुद्रा रुपए के संदर्भ में देखें तो, इस अवधि के दौरान निर्यात 13.58 प्रतिशत बढ़कर 87,078.01 करोड़ रुपए हो गया, जो यह दर्शाती है कि वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय आभूषण उद्योग निर्यात बाजारों में अपनी पकड़ बनाए हुए है।

सबसे बेहतर प्रदर्शन जड़े हुए सोने और चांदी के आभूषणों ने किया। अप्रैल-जुलाई अवधि में जड़े हुए सोने के आभूषणों का निर्यात 21.09 प्रतिशत बढ़कर 2.24 अरब डॉलर पहुंच गया। वहीं चांदी के आभूषणों का निर्यात शानदार 72.19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 508.18 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

अन्य श्रेणियों में भी सकारात्मक प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें प्लैटिनम ज्वेलरी का निर्यात 17.20 प्रतिशत बढ़कर 77.82 मिलियन डॉलर हो गया, जबकि पॉलिश्ड लैब-ग्रोन डायमंड्स का निर्यात 7.47 प्रतिशत बढ़कर 408.50 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया। इसके अलावा, साधारण और जड़ाऊ दोनों श्रेणियों को मिलाकर कुल सोने के आभूषणों का निर्यात 5.87 प्रतिशत बढ़कर 4.03 अरब डॉलर हो गया।

जीजेईपीसी के अनुसार, इस वृद्धि को अमेरिका, सिंगापुर, हांगकांग और ब्रिटेन जैसे प्रमुख बाजारों से मजबूत मांग का समर्थन मिला, जहां भारतीय आभूषणों और वैल्यू-एडेड उत्पादों की मांग बढ़ने से निर्यातकों को अच्छा-खासा लाभ मिला।

हालांकि सभी श्रेणियों में समान प्रदर्शन नहीं रहा। कट एंड पॉलिश्ड डायमंड्स का निर्यात 8 प्रतिशत घटकर 3.60 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह, साधारण सोने के आभूषणों का निर्यात भी 8.46 प्रतिशत घटकर 1.80 अरब डॉलर पर आ गया।

भारत के ऑटो सेक्टर की बिक्री जुलाई में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची, यात्री वाहनों में 34.3 प्रतिशत का उछाल: सियाम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री पूरी रफ्तार से भाग रही है और जुलाई में बिक्री अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर रही है। इसमें यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से गुरुवार को दी गई।

सियाम के आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 34.3 प्रतिशत बढ़कर 4,57,810 यूनिट्स हो गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 3,40,772 यूनिट्स थी।

दूसरी तरफ, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 22.6 प्रतिशत बढ़कर 19,23,483 यूनिट्स हो गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 15,69,120 यूनिट्स थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 33.4 प्रतिशत बढ़कर 92,560 यूनिट्स हो गई है, जो कि जुलाई 2025 में 69,403 यूनिट्स थी।

प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, सियाम के डायरेक्टर जनरल राजेश मेनन ने कहा कि इंडस्ट्री ने जुलाई में अब तक की सबसे अच्छी बिक्री दर्ज की है, जिसमें सभी सेगमेंट में व्यापक स्तर पर वृद्धि देखी गई।

मेनन ने कहा, 'भारत की ऑटो इंडस्ट्री ने जुलाई में अब तक की सबसे अच्छी बिक्री की है, जिसमें यात्री वाहन, तिपहिया और दोपहिया वाहन सेगमेंट में जबरदस्त डबल-डिजिट ग्रोथ हुई है। यात्री वाहनों की बिक्री 34.3 प्रतिशत बढ़कर 4.58 लाख यूनिट्स, तिपहिया वाहनों की बिक्री 33.4 प्रतिशत बढ़कर 0.93 लाख यूनिट्स और दोपहिया वाहनों की बिक्री 22.6 प्रतिशत बढ़कर 19.23 लाख यूनिट्स हो गई।'

उन्होंने आगे कहा कि कई महीनों से जारी यह सकारात्मक गति फेस्टिव सीजन में भी बनी हुई है, और उम्मीद है कि मजबूत कंज्यूमर सेंटीमेंट से मांग को सपोर्ट मिलेगा।

इसके अलावा, दोपहिया सेगमेंट में स्कूटर की बिक्री 23.7 प्रतिशत बढ़कर 7,98,190 यूनिट हो गई, जबकि मोटरसाइकिल की बिक्री 20.7 प्रतिशत बढ़कर 10,74,796 यूनिट हो गई।

इसी तरह, मोपेड की बिक्री 48.6 प्रतिशत बढ़कर 50,497 यूनिट हो गई।

एयर इंडिया फुकेत-दिल्ली मामले में अंतरिम रिपोर्ट एक महीने से पहले आने की उम्मीद, सरकार ने दिए जांच तेज करने के आदेश

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एयर इंडिया फुकेत-दिल्ली उड़ान (एआई 2379) टर्बुलेंस मामले में एएआईबी की अंतरिम रिपोर्ट एक महीने से पहले आने की उम्मीद है। यह जानकारी सूत्रों की ओर से गुरुवार को दी गई।

थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आते समय 36,000 फुट की ऊंचाई पर उड़ रहा एयर इंडिया का विमान एआई 2379 अचानक से 300 फीट नीचे आ गया था, जिससे करीब 24 लोग घायल हो गए थे।

सूत्रों ने बताया कि सरकार ने एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) को इस मामले में जांच तेज करने के निर्देश भी दिए हैं। एयर इंडिया के अहमदाबाद में दुर्घटना का शिकार हुए विमान एआई 171 के मुकाबले, इस मामले में सारे सबूत मौजूद हैं। एफडीआर और सीवीआर को सुरक्षित कर लिया गया है। मेडिकल जांच के रिकॉर्ड और बयान इकट्ठा किए जाएंगे। इससे जांच तेजी से आगे बढ़ेगी।

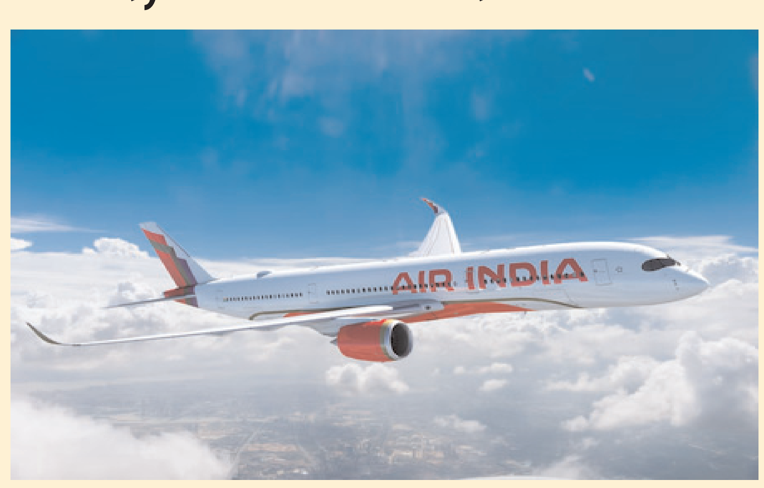

इसके अलावा, एविएशन नियामक और नागर विमानन मंत्रालय ने एयर इंडिया को फटकार लगाई है।

एयर इंडिया से कहा गया है कि वह अपने काम करने के तरीके को ठीक करे। फ्लाइट क्रू के डोपिंग की समस्या से निपटने के लिए कड़े नियम बनाने की जरूरत है।

सूत्रों के मुताबिक, एफडीआर और सीवीआर डेटा के एनालिसिस में तेजी लाई जाएगी। कड़े कानून बनाने और कड़ी सजा का प्रावधान करने के लिए एएआईबी की जांच और रिपोर्ट की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, सूत्रों ने पुष्टि की है कि फुकेत से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान के मुख्य पायलट का दूसरा डोप टेस्ट भी पॉजिटिव आया है।

दिल्ली में फ्लाइट के बाद हुई स्क्रीनिंग में पायलट का नशीले पदार्थों के लिए किया गया टेस्ट पॉजिटिव पाया गया। कुछ समय बाद एक और टेस्ट किया गया।

एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस सहित शामिल हुए 4 नए शेयर, 3 बाहर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक सूचकांक प्रदाता एमएससीआई (मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल) ने अपनी अगस्त 2026 की आवधिक समीक्षा के तहत अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस समेत चार कंपनियों को एमएससीआई इंडिया इंडेक्स में शामिल किया है, जबकि तीन कंपनियों को इंडेक्स से बाहर कर दिया गया है। ये बदलाव 31 अगस्त 2026 के कारोबार समाप्त होने के बाद प्रभावी होंगे।

एमएससीआई के अनुसार, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के अलावा जिन अन्य कंपनियों को इंडेक्स में शामिल किया गया है, वे पूंजी बाजार (कैपिटल मार्केट) और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं। हालांकि इंडेक्स से बाहर की गई कंपनियों के नाम इस घोषणा में नहीं बताए गए।

एमएससीआई की यह समीक्षा बाजार पूंजीकरण, लिक्विडिटी और फ्री-फ्लोट जैसे प्रमुख मानकों के आधार पर की जाती है। इसी आधार पर तय किया जाता है कि कौन-सी कंपनियां इंडेक्स का हिस्सा बनी रहेंगी और किन्हें इसमें शामिल या बाहर किया जाएगा।

इस समीक्षा के साथ एमएससीआई इंडिया डोमेस्टिक स्मॉल कैप इंडेक्स में भी बड़ा फेरबदल किया गया है। इस इंडेक्स में 12 नए शेयर जोड़े गए हैं, जबकि 19 शेयरों को हटाया गया है। इस प्रकार कुल मिलाकर इंडेक्स में सात कंपनियों की शुद्ध कमी हुई है।

एमएससीआई इंडेक्स को दुनिया भर के बड़े संस्थागत निवेशक और पैसिव फंड बेंचमार्क के रूप में इस्तेमाल करते हैं। यही वजह है कि इंडेक्स में शामिल होने या बाहर होने वाली कंपनियों के शेयरों में अक्सर निवेशकों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। इंडेक्स में बदलाव के बाद कई वैश्विक फंड अपने पोर्टफोलियो को नए भार के अनुसार पुनर्संतुलित करते हैं।

क्या पार्टनर का हाथ सहलाने से बढ़ता है प्यार? जानिए क्या कहती है ताजा रिसर्च

रिश्ते में प्यार और अपनापन बनाए रखने के लिए हमेशा महंगे गिफ्ट, डेट या बड़े-बड़े सरप्राइज की जरूरत नहीं होती. कई बार पार्टनर का हाथ पकड़ना, गले लगाना या प्यार से उसकी बांह पर हाथ फेरना भी काफी असरदार हो सकता है. अब एक नई रिसर्च में पार्टनर के ऐसे ही हल्के स्पर्श को लेकर दिलचस्प बात सामने आई है. शोध के मुताबिक, अगर पार्टनर की बांह के अंदरूनी हिस्से पर बहुत धीरे और एक खास गति से हाथ फेरा जाए, तो इससे खराब मूड को बेहतर करने में मदद मिल सकती है. खास बात यह है कि इसका असर उन लोगों में भी देखा गया, जो अपने रिश्ते से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे.

आखिर किस तरह का स्पर्श रहा असरदार?

रिसर्च में पार्टनर की बांह के अंदरूनी हिस्से पर कलाई से कोहनी की तरफ करीब 5 सेंटीमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से हल्का स्पर्श किया गया. यानी न तेज मसाज और न ही ज्यादा दबाव. बस बहुत धीरे और प्यार से त्वचा पर हाथ फेरने जैसा स्पर्श.

शोधकर्ताओं ने इस स्पीड की तुलना वसंत में पेड़ से गिरने वाली चेरी ब्लॉसम की पंखुड़ी की गति से की. प्रयोग में यह स्पर्श पानी के रंग वाली मुलायम पेंटब्रश से किया गया था, ताकि हर व्यक्ति को लगभग एक जैसी गति और हल्केपन का अनुभव कराया जा सके.

यह अध्ययन हंगरी की करोलि गैस्पार यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया. इसमें 110 पुरुष और महिलाएं शामिल थे. शोध की शुरुआत में सभी प्रतिभागियों से उनके रिश्ते और रिलेशनशिप सैटिस्फैक्शन के बारे में जानकारी ली गई.

इसके बाद उनकी दाहिनी बांह के अंदरूनी हिस्से पर कलाई से कोहनी की ओर करीब 10 सेंटीमीटर की एक लाइन बनाई गई. प्रतिभागियों के सीने पर इलेक्ट्रोड भी लगाए गए, ताकि उनके हार्ट रिदम में होने वाले बदलावों को रिकॉर्ड किया जा सके.

फिर उन्हें ऐसी तस्वीरें दिखाई गईं, जिनसे नकारात्मक भावनाएं पैदा हों और उनका मूड थोड़ा खराब हो जाए. इसके बाद प्रतिभागियों को अलग-अलग समूहों में बांटा गया.

रक्षाबंधन पर लगेगा चंद्र ग्रहण, सुबह 9:48 बजे खत्म होगी श्रावण पूर्णिमा तिथि, तो कैसे बांधी जाएगी राखी? दूर करें असमंजस

इस साल रक्षाबंधन के ?अवसर पर चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है, वहीं जब वो खत्म होगा, तब तक श्रावण पूर्णिमा की तिथि खत्म हो जाएगी. ऐसे में सवाल यह है कि चंद्र ग्रहण में रक्षाबंधन कैसे मनाया जाएगा? इस असमंजस को दूर करने के लिए आपको पंचांग की मदद लेनी चाहिए. जिससे पूरी डिटेल आसानी से समझ आएगी और आप सही से राखी का त्योहार मना पाएंगे.

रक्षाबंधन कब है?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, रक्षाबंधन श्रावण पूर्णिमा को मनाते हैं. इस बार श्रावण पूर्णिमा 27 अगस्त दिन गुरुवार को 9:08 एएम पर शुरू होगी और 28 अगस्त शुक्रवार को 9:48 एएम तक विद्यमान रहेगी. उदयातिथि में रक्षाबंधन मनाते हैं तो रक्षाबंधन 28 अगस्त को है.

चंद्र ग्रहण कब लगेगा?

रक्षाबंधन यानि 28 अगस्त को चंद्र ग्रहण सुबह में ही लगेगा. चंद्र ग्रहण 6:55 एएम से शुरू होगा और उसका समापन दोपहर में 12:30 बजे होगा. उस दिन श्रावण पूर्णिमा तिथि सुबह में 9:48 बजे तक ही चंद्र ग्रहण के समय में कोई भी शुभ काम नहीं करते हैं. लेकिन अब आपको यह देखना चाहिए कि चंद्र ग्रहण का सूतक काल कब से लगेगा? यदि सूतक काल होगा तो समस्या हो जाएगी क्योंकि चंद्र ग्रहण का सूतक काल 9 घंटा पहले ही शुरू हो जाता है.

यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा. जब ग्रहण दृश्य नहीं होता है तो उसका सूतक काल मान्य नहीं होगा. सूतक काल न लगने से आप शुभ काम कर सकते हैं. ऐसे में बेफिक्र होकर रक्षाबंधन का त्योहार चंद्र ग्रहण के दिन मनाएं. उसका कोई दोष नहीं लगेगा, कोई हानि नहीं होगी.

रक्षाबंधन का मुहूर्त 2026

इस साल रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त सुबह में 5:57 बजे से लेकर सुबह 9:48 बजे तक रहेगा. भाइयों को राखी बांधने के लिए बहनों को करीब 4 घंटे का शुभ समय प्राप्त होगा. हालांकि श्रावण पूर्णिमा? तिथि पूरे दिन रहती है, ऐसे में आप उस दिन राहुकाल को छोड़कर पूरे दिन रक्षाबंधन का त्योहार मना सकते हैं.

कहां दिखेगा चंद्र ग्रहण?

यह चंद्र ग्रहण यूरोप, उत्तर एवं दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और पश्चिमी एशियाई देशों में देखा जा सकेगा. भारत में उस स?मय दिन रहेगा तो वो चंद्र ग्रहण दृश्य नहीं होगा

पानी में मिलाएं ये 2 चीजें और लें भाप, पोर्स की गंदगी साफ करे, डेड स्किन हटाएगा ये जादुई तरीका

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने और त्वचा की समस्याओं से निजात पाने का एक बेहद आसान और असरदार तरीका है भाप लेना. रांची की ब्यूटी एक्सपर्ट कविता के अनुसार भाप लेना त्वचा के लिए एक जबरदस्त उपाय है. जिनके चेहरे पर बार-बार पिंपल्स आते हैं या काले दाग-धब्बे हैं, उन्हें हफ्ते में कम से कम दो बार भाप जरूर लेनी चाहिए.

यह भाप आपकी त्वचा के रोमछिद्रों (पोर्स) के अंदर तक गहराई से सफाई करती है. इससे चेहरे की प्राकृतिक चमक वापस लौट आती है.

अक्सर त्वचा के पोर्स में गंदे बैक्टीरिया जमा हो जाने के कारण चेहरे पर पिंपल्स की समस्या होती है. नीम का तेल पोर्स के एकदम अंदर जाकर इन हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करता है. वहीं, विटामिन ई कैप्सूल स्किन को टोन करता है और पुराने दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है. इसके नियमित इस्तेमाल से डेड स्किन सेल्स (मृत कोशिकाएं) भी पूरी तरह हट जाती हैं.

भाप लेते वक्त कुछ खास सावधानियां बरतनी बेहद जरूरी हैं. हफ्ते में केवल एक या दो बार ही भाप लें. बहुत ज्यादा भाप लेने से पोर्स बार-बार खुलेंगे, जिससे चेहरा ढीला पड़ सकता है. इसके अलावा भाप लेते समय बर्तन और चेहरे के बीच सही दूरी बनाए रखें ताकि गर्म भाप से आपकी त्वचा जले नहीं.

झारखंड का सफेद सोना, सिर्फ बरसात में जंगलों में उगती है ये सब्जी, जरूर ट्राई करें रुगड़ा मशरूम की रेसिपी

झारखंड की पहचान केवल खनिज संपदा और घने जंगलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां के पारंपरिक फूड्स काफी दिलचस्प हैं. इन्हीं में शामिल है रुगड़ा मशरूम. स्थानीय लोग इसे प्यार से 'पुट्टू' भी कहते हैं. बरसात का मौसम आते ही जंगलों में साल के पेड़ के नीचे उगने वाला यह दुर्लभ मशरूम बाजारों में दिखाई देने लगता है. इसकी मांग इतनी ज्यादा होती है कि कई लोग इसे झारखंड का 'सफेद सोना' तक कहते हैं.

खास बात यह है कि रुगड़ा केवल स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि पोषण के लिहाज से भी काफी फायदेमंद माना जाता है. आदिवासी समुदाय लंबे समय से इसे अपने पारंपरिक भोजन का हिस्सा बनाता आ रहा है. हालांकि इसकी उपलब्धता सीमित होती है और यह ज्यादा दिनों तक सुरक्षित नहीं रह पाता, इसलिए इसके बारे में पूरे देश में कम ही लोग जानते हैं. लेकिन अगर आप लोकल फूड्स लवर हैं, और मानसून में कुछ नया और देसी स्वाद चखना चाहते हैं, तो रुगड़ा मशरूम की स्वादिष्ट करी जरूर ट्राई कर सकते हैं.

बारिश में गद्दा हो गया गीला? धूप का इंतजार किए बिना ऐसे सुखाएं, नमी और बदबू भी होगी दूर

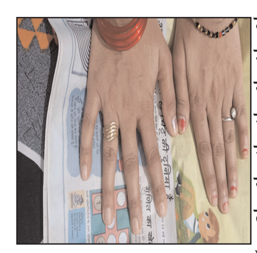

बारिश के मौसम में गद्दे को सुखाना किसी चुनौती से कम नहीं होता. अगर बेड पर पानी गिर जाए या गद्दा किसी वजह से गीला हो जाए तो उसे धूप में रखना मुश्किल हो जाता है. गीला गद्दा लंबे समय तक पड़ा रहे तो उसमें नमी, बदबू और फफूंदी की समस्या होजाती है. बारिश के मौसम में गद्दे को सुखाना किसी चुनौती से कम नहीं होता. अगर बेड पर पानी गिर जाए या गद्दा किसी वजह से गीला हो जाए तो उसे धूप में रखना मुश्किल हो जाता है. गीला गद्दा लंबे समय तक पड़ा रहे तो उसमें नमी, बदबू और फफूंदी की समस्या हो सकती है. ऐसे में कुछ आसान घरेलू तरीकों से आप गद्दे को बिना धूप के भी सुखा सकते हैं. गद्दे पर पानी गिरते ही सबसे पहले सूखा तौलिया या टॉवल रखें और हाथ से हल्का दबाएं. इससे गद्दे में मौजूद काफी पानी बाहर निकल जाएगा।.इस प्रक्रिया को तब तक दोहराएं, जब तक तौलिया पानी सोखता रहे. जितनी जल्दी पानी सोखेंगे, गद्दा उतनी ही जल्दी सूखेगा.

अगर गद्दा ज्यादा गीला हो गया है तो गीली जगह पर न्यूज पेपर की मोटी परत बिछा दें और ऊपर से हल्का दबाव डालें. पेपर पानी को सोखने में मदद करेगा. पेपर गीला होने पर उसे बदलते रहें. जरूरत हो तो कुछ समय बाद दोबारा पेपर की परत लगाएं.

नेहरू की अचकन से गांधी की खादी तक, आजादी के आंदोलन से निकले ये फैशन ट्रेंड आज भी हैं सुपरहीट

जब भी देश की आजादी की बात होती है, तो हमारे जेहन में कुर्बानियां, आंदोलन और जलसे याद आते हैं. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम का हमारी अलमारी से भी गहरानाता रहा है? उस दौर में जो कपड़े सिर्फ एक राजनीतिक संदेश या जरूरत का हिस्सा थे, वे आज के दौर में देश के सबसे बड़े फैशन स्टेटमेंट बन चुके हैं. इस स्वतंत्रता दिवस पर आइए जानते हैं उन एवरग्रीन फैशन ट्रेंड्स के बारे में, जो आजादी के आंदोलन से निकले और आज भी हमारे स्टाइल का अहम हिस्सा बने हुए हैं.

गांधी जी ने खादी को सिर्फ एक कपड़ा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ एक हथियार बनाया था. उस समय चरखे पर काता गया यह साधारण सा कपड़ा आज 'लक्जरी फैशन' का हिस्सा बन चुका है. इको-फ्रेंडली और समर-फ्रेंडली होने की वजह से आज के यूथ में खादी के कुर्ते, शर्ट्स और जैकेट्स का जबरदस्त क्रेज है. बड़े-बड़े फैशन डिजाइनर्स खादी को इंटरनेशनल रैंप पर शोकेस कर रहे हैं.

जवाहरलाल नेहरू की 'अचकन' और

'नेहरू जैकेट'

देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का ड्रेसिंग सेंस हमेशा चर्चा में रहा. उनकी सिग्नेचर 'अचकन' (लॉन्ग कोट) और 'नेहरू जैकेट' आज भी भारतीय पुरुषों के एथनिक वेयर का सबसे पसंदीदा हिस्सा हैं. किसी भी शादी-ब्याह, त्योहार या फॉर्मल इवेंट में नेहरू जैकेट (जिसे अब मोदी जैकेट भी कहा जाता है) पहनना सबसे सेफ और क्लासी ऑप्शन माना जाता है. इसे कुर्ते-पायजामे से लेकर वेस्टर्न शर्ट और जींस के साथ भी पेयर किया जा सकता है.

गांधी टोपी': सादगी से लेकर यूथ का

स्टाइल स्टेटमेंट

सफेद सूती कपड़े से बनी गांधी टोपी आजादी के दौर में एकजुटता का प्रतीक थी. स्वतंत्रता सेनानियों की पहचान बनी यह टोपी आज के समय में फ्यूजन फैशन और पॉलिटिकल इवेंट्स में खूब पसंद की जाती है. गणेश उत्सव हो, आजादी का जश्न हो या कोई रैली, गांधी टोपी आज भी सादगी और देशभक्ति का तड़का लगाने के काम आती है.

स्वदेशी साड़ियां: कॉटन और खादी का

एवरग्रीन ग्रेस

आजादी के आंदोलन में महिलाओं ने कंधे से कंधा मिलाकर भाग लिया था. उस दौर में सरोजिनी नायडू और अरुणा आसफ अली जैसी महान महिलाओं ने साधारण सूती और हाथ से बनी साड़ियों को पहचान दी. विदेशी कपड़ों के बहिष्कार के बाद भारतीय हथकरघा साड़ियों का दबदबा बढ़ा. आज वही सूती, चंदेरी और खादी साड़ियां वर्किंग विमिन की पहली पसंद हैं. यह न केवल एलिगेंट दिखती हैं, बल्कि बेहद आरामदायक भी होती हैं.

कोल्हापुरी चप्पल और जूती: देसी वाइब का जादू

स्वदेशी आंदोलन के दौरान भारतीय कारीगरों के बनाए सामानों को बढ़ावा दिया गया, जिसमें चमड़े और सूती धागों से बनी पारंपरिक कोल्हापुरी चप्पलें और जूत्तियां शामिल थीं. आज यह फुटवेयर ट्रेंड हर लड़की और लड़के की अलमारी में मिल जाएगा. एथनिक सूट हो या जींस-टॉप, कोल्हापुरी चप्पल हर आउटफिट को एक परफेक्ट 'देसी लुक' देती है.

फैशन जो सिर्फ ट्रेंड नहीं, देश की पहचान भी

आजादी के आंदोलन से निकले ये स्टाइल आज सिर्फ पुराने जमाने की यादें नहीं हैं, बल्कि आधुनिक भारत के कूल और सस्टेनेबल फैशन का हिस्सा हैं. तो इस 15 अगस्त, आप भी इनमें से अपना पसंदीदा एथनिक लुक चुनिए और इस आजादी के जश्न को थोड़े देसी टैलेंट और स्टाइल के साथ सेलिब्रेट कीजिए!

लॉकअप में नाम चलने पर कुशाल टंडन का फनी रिएक्शन, एकता कपूर से मांगा चेक

मुंबई। टीवी अभिनेता कुशाल टंडन रियलिटी शो 'लॉकअप: सच या सजा' के दौरान श्रेया कालरा और शिवांगी जोशी द्वारा उनका नाम लिए जाने के कारण चर्चा में आ गए थे। अभिनेता ने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में इस मामले पर चुप्पी तोड़ी।

कुशाल ने इस मामले पर चर्चा करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि उनके बारे में शो 'लॉकअप: सच या सजा' में इतनी चर्चा हुई है कि उन्होंने टीवी क्वीन एकता कपूर को बिल भेजने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा, 'मैंने एकता कपूर को जीएसटी के साथ बिल भेज दिया है, क्योंकि मल्टीवर्स में मेरी बातें घर के अंदर, बाहर और बाकी दूसरे शोज में भी हो रही थीं तो मैंने लॉक अप को बिल भेजा है। मैं उनकी कंपनी से जुड़ा हूं तो वो मुझे बहुत जल्द चेक दे देंगे।'

शो 'लॉकअप 2' में कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने दावा किया था कि जब कुशाल और शिवांगी रिलेशनशिप में थे, तब कुशाल ने उन्हें डीएम (डायरेक्ट मैसेज) किया था, जिसके बाद शिवांगी के साथ उनका विवाद और ब्रेकअप हुआ था।

दरअसल, शो के दौरान श्रेया कालरा ने शिल्पा शिंदे से बातचीत में बताया कि कुशाल के साथ एक प्रोमो शूट के बाद कुशाल ने उन्हें मैसेज किए थे। बाद में जब शिवांगी को यह बात पता चली, तो कुशाल ने शिवांगी के सामने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि श्रेया ने मैसेज की शुरुआत की थी।

सच सामने लाने के लिए श्रेया ने शिवांगी को अपनी पुरानी चैट के स्क्रीनशॉट दिखाए, जिससे साफ हुआ कि कुशाल ने उन्हें अप्रोच किया था। चैट देखने के बाद शिवांगी सेट पर काफी भावुक हो गईं और रोने लगी थीं।

जेनेलिया देशमुख ने की 'ऑपरेशन सफेद सागर' की तारीफ, कहा-काफी समय के बाद इतनी अच्छी कहानी देखी

विश्व केसरी ■

मुंबई । कुछ कहानियां इतिहास के उन पन्नों से अवगत करवाने के लिए प्रदर्शित की जाती हैं, जो पुराने दस्तावेजों में दबी होती हैं। हालिया रिलीज ऐतिहासिक वॉर ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' कुछ ऐसी ही कहानी पेश करती है। गुरुवार को अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने जमकर सराहना की।

सीरीज को मनोरंजन जगत से काफी सपोर्ट देखने को मिल रहा है। अभिनेता अजय देवगन, गजराज राव के बाद अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख भी सीरीज की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक पाई।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने सभी को सीरीज की जमकर तारीफ करने के साथ-साथ देखने की अपील की। जेनेलिया ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने काफी समय बाद शानदार प्रोजेक्ट देखा है। अपने पोस्ट में उन्होंने सिद्धार्थ और जिम्मी शेरगिल की सराहना करने के साथ सभी कलाकारों और क्रू को बधाई दी।

अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने लिखा, 'जब कोई माता-पिता अपने बच्चों के कोई फिल्म देखने के लिए कहता है, तो बस इतना समझिए कि वो फिल्म दिल से बनी है और बहुत खास है। सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर ने मुझे बिल्कुल यही एहसास करवाया है। काफी समय के बाद इतनी अच्छी और दिल छू लेने वाली कहानी देखी। सिद्धार्थ, तुम पर मुझे गर्व है, जिम्मी शेरगिल को भी ढेर सारी शुभकामानएं, प्यार और बधाई।

इसके साथ ही अभिनेत्री ने फिल्म के मुख्य कलाकारों को टैग किया, साथ ही, सभी के बेहतरीन काम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'सीरीज के सभी कलाकारों और पूरी कास्ट और क्रू, आप सभी कमाल के थे।

'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) द्वारा चलाए गए ऐतिहासिक उच्च-तुंगता हवाई मिशन की सच्ची और अनकही कहानी पर आधारित है। इस सीरीज की खासियत यह है कि यह युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि पायलटों के व्यक्तिगत जीवन, उनकी ट्रेनिंग, परिवारों की चिंता और सैनिकों के मानवीय जज्बे को भी गहराई से दर्शाती है।

ओनी सेन द्वारा निर्देशित सीरीज में जिमी शेरगिल, सिद्धार्थ, दीया मिर्जा, अभय वर्मा, आदिल हुसैन और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम रोल में नजर आ रहे हैं। 6 एपिसोड वाली सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

पांच दशक तक राज करने वाले दिलीप कुमार को अमिताभ ने बताया हिंदी सिनेमा का पिलर

मुंबई । भारतीय सिनेमा के 'अभिनय सम्राट' और 'ट्रेजेडी किंग' के रूप में प्रसिद्ध दिलीप कुमार ने हिंदी फिल्मों में पांच दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। आम दर्शक से लेकर मनोरंजन जगत में भी उनकी अदाकारी का हर कोई कायल रहता है। इसी कड़ी में मेगास्टार अमिताभ बच्चनलेजेंड दिलीप कुमार की तारीफ करने से पीछे नहीं हटे। अभिनेता ने क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18' के लेटेस्ट एपिसोड के दौरान दिलीप कुमार के बेमिसाल योगदान पर रोशनी डाली। शो के लेटेस्ट एपिसोड में अभिनेता अमिताभ बच्चन कंटेस्टेंट मंजीत सिंह से दिलीप कुमार के बेमिसाल योगदान के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'जब भी हिंदी सिनेमा का इतिहास लिखा जाएगा, तो हमेशा यही लिखा जाएगा 'दिलीप कुमार जी से पहले' और 'दिलीप कुमार जी के बाद'।' कंटेस्टेंट मंजीत ने भी इस मौके का फायदा उठाकर अमिताभ बच्चन की तारीफ करते हुए कहा, 'सर, दिलीप कुमार जी के बाद अमिताभ बच्चन हैं। इस बात पर ऑडियंस ने खूब तालियां बजाईं लेकिन अमिताभ ने फिर से हिंदी सिनेमा के इतिहास में दिलीप कुमार की बेमिसाल जगह पर जोर दिया और कहा, 'अरे नहीं-नहीं सर, बिफोर दिलीप कुमार जी और आफ्टर दिलीप कुमार जी। अभिनेता ने आगे बातचीत में दिलीप कुमार को हिंदी सिनेमा का एक ऐसा पिलर भी बताया जिसकी जगह कोई नहीं ले सकता।

उन्होंने कहा, 'वह हिंदी सिनेमा का स्तंभ हैं और वे एक ऐसा स्तंभ हैं, जिसे कोई पीछे नहीं कर सकता है।' 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18' सोमवार से शुक्रवार, रात 9:00 बजे, सिर्फ़ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लीव पर आता है।

इंदिरा कृष्णा ने शेयर किया को-स्टार्स के साथ बॉन्ड, कहा- मृदुल और रोहिन बेहतरीन कलाकार

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री इंदिरा कृष्णा इन दिनों टीवी सीरियल 'गंगा माई की बेटियां' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए यंग को-स्टार्स मृदुल रंजन और रोहिन जोशी के साथ अपना बॉन्ड शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे अपनी पूरी टीम के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए युवा कलाकारों के लगन, सीखने की इच्छा और विनम्र स्वभाव की जमकर सराहना की। साथ ही, शो के दो युवा एक्टर्स मृदुल और रोहिन को नए एक्टर्स के तौर पर इंट्रोड्यूस किया और बताया कि कैसे दोनों हमेशा सीखने, सुनने और अपने काम को करने के नए तरीके एक्सप्लोर करने के लिए तैयार रहते हैं।

उन्होंने लिखा, 'जश्न मनाने की कोई न कोई वजह तो होती ही है और यह मौके पर जिन लोगों के साथ आप काम करते हैं, उन्हें करीब से जानने से बेहतर मौका होता है। आज मैं ऐसे ही दो बेहतरीन और उभरते हुए कलाकारों मृदुल और रोहिन से आप सभी को मिलवाना चाहती हूं। दोनों हमेशा कुछ नया सीखने, दूसरों की बात सुनने और नए तरीके से सोचने के लिए तैयार रहते हैं। मेरा मानना है कि अलग-अलग पीढ़ियों का साथ आना एक बहुत अच्छा मेल है, जो अभी भी बन रहा है।'

अभिनेत्री ने बताया युवा एक्टर्स रोहिन की खूबियां गिनाते हुए लिखा, 'मैंने रोहिन के साथ बहुत कम सीन किए हैं, लेकिन वह शांत और थोड़ा अंतर्मुखी होने के साथ-साथ बहुत शरारती भी है। उसके पास हमेशा मुझसे शेयर करने के लिए कुछ न कुछ होता है। मुझे उसका मेहनत करने का जज्बा बहुत पसंद है। वह अपने किरदार मुरली को असल जिंदगी में जैसा है, वैसा दिखाने के लिए बहुत मेहनत करता है।'

अभिनेत्री ने बताया कि युवा कलाकार मृदुल के साथ उनके ज्यादातर सीन हैं। उन्होंने लिखा, 'मृदुल शेखर का किरदार निभा रहे हैं। वह जम्मू से ताल्लुक रखता है और अक्सर हमारी बातों में वहीं को लेकर होती हैं। वह एक अच्छा कलाकार है, जल्दी चीजें समझ लेता है और साथ ही बहुत विनम्र और सादगी भरा इंसान है।

'108 बेस हॉस्पिटल: उरी' के जरिए पहली बार वर्दी पहनने का मौका मिला : गश्मीर महाजनी

विश्व केसरी ■

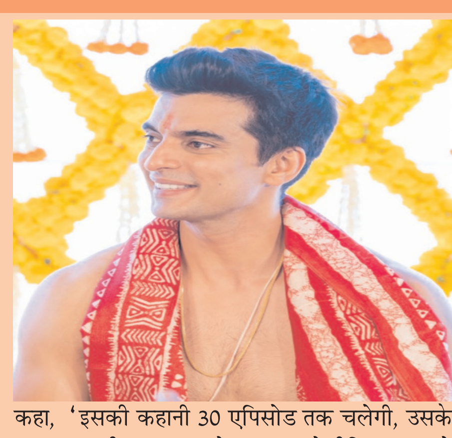

मुंबई। टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता गश्मीर महाजनी जल्द ही टीवी शो '108 बेस हॉस्पिटल: उरी' में नजर आएंगे। अभिनेता ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि इस शो के जरिए हमें पता चलेगा कि आर्मी वालों का काम उनकी पर्सनल लाइफ पर क्या असर डालता है और वे इससे कैसे डील करते हैं।

अभिनेता ने बताया, 'मेरा मानना है कि इस तरह के शो टीवी पर पहली बार प्रसारित हो रहे हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि यह एक आर्मी-बेस्ड शो है, जिसके जरिए मुझे पहली बार आर्मी ऑफिसर का रोल निभाने का मौका मिला। जिस लेवल पर शो बनाया गया है उसे देखकर मुझे लगा कि भले ही ये टेलीविजन के लिए बन रहा है लेकिन ये टेलीविजन की एक तरह से जीत है। इस शो के जरिए आर्मी के जवानों की पर्सनल लाइफ भी दिखाई जाएगी।

उन्होंने आगे शो की हल्की सी झलक देते हुए कहा, 'इसकी कहानी 30 एपिसोड तक चलेगी, उसके बाद एक सीजन खत्म हो जाएगा। टेलीविजन पर ये बिल्कुल नया फॉर्मेट है। ये बहुत बड़े लेवल पर बनाया जा रहा है। अगर आप शो के टीजर और ट्रेलर देखेंगे तो लगेगा जैसे कोई फिल्म है। तो टेलीविजन पर आपको उसी लेवल का एंटरटेनमेंट देखने को मिलेगा। ये हर शनिवार और रविवार को आएगा।'

अभिनेता ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि यह एक आर्मी शो हैं, तो उन्होंने शो के फौरन हां कर दिया था। उन्होंनें कहा, 'आर्मी हमेशा मेरे दिल के करीब रही है और हमेशा से मेरी दिली इच्छा थी कि मैं एक दिन आर्मी अधिकारी का रोल अदा करूं। जब मुझे यह रोल मिला, तो मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और अपने कैरेक्टर को समझा। मुझे लगा कि रोल में बहुत इंडिविजुअलिटी और अपनी पहचान है। हमने यह शो अपने दिल से बनाया है। इसमें शामिल हर एक्टर और डायरेक्टर बहुत ईमानदार हैं।'

शो में अभिनेता गश्मीर महाजनी डॉक्टर मेजर अनिरुद्ध जायसवाल का मुख्य किरदार निभा रहे हैं। शो में उनके पेशेवर कॉम्बैट जीवन के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत रिश्तों और पारिवारिक उथल-पुथल भी देखने को मिलेगा।

श्रीनगर पहुंचते ही संदीपा धर ने किया शंकराचार्य मंदिर का रुख, 250 सीढ़ियां चढ़कर किए दर्शन

विश्व केसरी ■

मुंबई। एक्ट्रेस संदीपा धर इन दिनों कश्मीर की वादियों से लगातार खूबसूरत तस्वीरें अपने फैंस के साथ साझा कर रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत आध्यात्मिक अनुभव से की। श्रीनगर पहुंचते ही वह सबसे पहले शंकराचार्य मंदिर पहुंचीं। पहाड़ी की चोटी पर बने इस मंदिर तक पहुंचने के लिए उन्हें करीब 250 सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं। रास्ता आसान नहीं था, लेकिन ऊपर पहुंचने के बाद उन्हें जो अनुभव मिला, उसने पूरी थकान भुला दी।

संदीपा ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस यात्रा की झलकियां शेयर करते हुए कहा, ''श्रीनगर में आने के बाद सबसे पहली इच्छा इसी मंदिर में जाने की थी। शंकराचार्य पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए मुझे लगातार सीढ़ियां चढ़नी थीं। ऊंचाई पर चढ़ते हुए पहाड़ की हवा और खड़ी चढ़ाई ने मुश्किलों को बढ़ा दिया। बीच रास्ते में मेरे पैर कांपने तक लगे थे, लेकिन मैंने चढ़ाई जारी रखी।''

उन्होंने कहा, ''आखिरकार जब मैं मंदिर की चोटी तक पहुंचीं तो ऐसा लगा, जैसे मेरी मेहनत सफल हो गई हो। वहां मैंने पवित्र शिवलिंग के दर्शन किए और कुछ समय प्रार्थना की। मंदिर का शांत माहौल और आसपास का आध्यात्मिक वातावरण काफी खास था।''

संदीपा ने उस जगह पर खड़े होने का अनुभव भी साझा किया, जहां मान्यता है कि आदि शंकराचार्य ने सदियों पहले ध्यान किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने महसूस किया कि इस जगह में एक अलग तरह की ऊर्जा है, जिसे शब्दों में बताना आसान नहीं है।

पहली बार शंकराचार्य मंदिर पहुंचीं संदीपा ने अपने दर्शन को बेहद सौभाग्यशाली बताया और अपनी पोस्ट में '? नम: शिवाय' लिखा।

शंकराचार्य मंदिर धार्मिक महत्व के साथ-साथ अपनी लोकेशन के लिए भी खास है। यह मंदिर कश्मीर घाटी से करीब 1,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। चोटी पर पहुंचने के बाद यहां से श्रीनगर शहर और डल झील का शानदार नजारा दिखाई देता है।

इस मंदिर का इतिहास भी काफी पुराना माना जाता है। इसे कश्मीर के प्राचीन मंदिरों में शामिल किया जाता है और इसकी शुरुआत करीब 200 ईसा पूर्व के आसपास मानी जाती है। मंदिर का नाम आदि शंकराचार्य से जुड़ा है और मान्यता है कि उन्होंने यहां ध्यान किया था। हालांकि, इतिहास को लेकर अलग-अलग मत भी मौजूद हैं। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इस स्थान का इस्तेमाल शुरुआती दौर में बौद्ध उपासना के लिए किया जाता था और बाद में यह हिंदू धार्मिक स्थल के रूप में विकसित हुआ।

अगर संदीपा के काम की बात करें तो वह जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आने वाली हैं।

अमेरिकी खुफिया जानकारी को अराघची ने बताया फर्जी, बोले-पहले गलती की तो शुरू हुआ युद्ध

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक बार फिर अमेरिका प्रशासन पर निशाना साधते हुए अर्मेरिका की खुफिया जानकारी पर सवाल खड़े किए। मौजूदा हालातों के लिए अराघची ने अर्मेरिका की खुफिया जानकारी की गलतियों को जिम्मेदार ठहराया।

अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लि?खा, ''अमेरिका लंबे समय से खुफिया जानकारी से जुड़ी गलतियों के कारण गलत आकलन करता रहा है। इसका एक उदाहरण ईरान के खिलाफ युद्ध है। अब होर्मुज स्ट्रेट को लेकर उससे भी बड़ी गलत गणना की जा रही है। फर्जी खबरों से भी ज्यादा खतरनाक चीज फर्जी खुफिया जानकारी होती है। सावधान रहें। अल्लाह महान है, और धरती की किसी भी ताकत से बड़ा है। हमें अल्लाह पर भरोसा है।''

कहा जा सकता है कि अराघची ने यह बात होर्मुज स्ट्रेट में अमेरि?का के नि?यंत्रण वाले दावे को लेकर कही है। अमेरि?का लगातार होर्मुज स्ट्रेट में में अपने दावे की बात कर रहा है, जबकि ईरान हर बार उसके इस दावे को नकार देता है। बुधवार को भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका के 'पूरा नियंत्रण' का दावा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वॉशिंगटन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी पकड़ बनाए रखना चाहता है।

ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका का पूरा कंट्रोल है। मुझे लगता है कि हम इसे बनाए रखेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नौसैनिक घेराबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान इसे चुनौती देने के लिए कुछ नहीं कर सकता।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुताबिक, 'हर कोई हमारी नौसैनिक घेराबंदी को 'स्टील की दीवार' कह रहा है और ईरान इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। इससे पहले भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को और बड़े स्तर तक बढ़ाने की संभावना अभी भी मौजूद है। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला हुआ है, लेकिन उनका दावा था कि इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर अमेरिकी नौसेना का नियंत्रण है।

उन्होंने कहा क‍ि इस समय होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण रखने वाला एकमात्र पक्ष अमेरिकी नौसेना है। हमारी नाकाबंदी पूरी तरह प्रभावी रही है। यह एक मजबूत स्टील की दीवार की तरह है। हम उन्हीं लोगों को अंदर आने देते हैं जिन्हें हम आने देना चाहते हैं, और वही लोग अंदर आते हैं और बाहर जाते हैं।

केन्या में भारतीय उच्चायुक्त ने बताया, 'इस देश के लिए क्यों महत्वपूर्ण है भारत?'

विश्व केसरी

नैरोबी। केन्या में भारत के उच्चायुक्त आदर्श स्वाइका ने केन्या स्कूल ऑफ गवर्नमेंट (केएसजी) में ' वाई इंडिया मैटर्स फॉर केन्या ' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और काउंटी सरकारों के 120 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। केएसजी के पुस्तकालय में उन्होंने इंडिया कॉर्नर का भी उद्घाटन किया और भारतीय इतिहास, अर्थव्यवस्था एवं तकनीक के विकास को रेखांकित करतीं किताबें भेंट की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके व्याख्यान की प्रमुख बातों पर प्रकाश डाला गया। उच्चायुक्त ने भारत और केन्या के बीच ऐतिहासिक संबंधों और दोनों देशों की समान विकास आकांक्षाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'दोनों देशों ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष का साझा इतिहास देखा है और आज दोनों ही समावेशी एवं सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'

स्वाइका ने कहा कि केन्या के साथ भारत का विकास सहयोग केन्या की प्राथमिकताओं और स्थानीय क्षमताओं के निर्माण पर आधारित है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत और 'मेक इन इंडिया' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाओं और आधुनिक समाधानों के जरिए अपनी विकास यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को भी रेखांकित किया और बताया कि कैसे डिजिटल तकनीक ने भारत को विकास के पारंपरिक मॉडलों को पीछे छोड़कर तेजी से आगे बढ़ने में मदद की है। उन्होंने कहा, भारत के किफायती और आधुनिक तकनीकी समाधान केन्या के लिए भी उपयोगी साबित हो सकते हैं।

उच्चायुक्त ने युवाओं के कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र युवाओं की क्षमताओं का विकास और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करना है।

संक्षिप्त खबर

जाम्बिया में चुनावः दिवंगत राष्ट्रपति लुंगु अब भी लोकप्रिय, कट्टर विरोधी परेशान

विश्व केसरी

लुसाका। जाम्बिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए गुरुवार को वोटिंग जारी है। इस बीच मौजूदा राष्ट्रपति हाकाइंडे हिचिलेमा को अपने दिवंगत राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और पूर्व राष्ट्रपति एडगर लुंगु की विरासत का सामना करना पड़ रहा है। लुंगु का 2025 में निधन हो गया था, लेकिन उनकी राजनीतिक छाप अब भी चुनावी माहौल में स्पष्ट दिखाई दे रही है। हिचिलेमा और लुंगु के बीच लंबे समय से राजनीतिक टकराव रहा है। लुंगु के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार और पार्थिव शरीर को लेकर भी विवाद खड़ा हुआ था। लुंगु का परिवार चाहता था कि अंतिम संस्कार सरकार के नियंत्रण से बाहर हो। विपक्षी नेता ब्रायन मुंडुबिले, जो टोंसे अलायंस और लुंगु के समर्थकों के साथ हैं, ने सत्ता में आने पर लुंगु के अवशेषों को वापस लाकर उन्हें सम्मानजनक तरीके से दफनाने का वादा किया है। स्थानीय मीडिया हाउस न्यूज डिगर्स ने बताया कि हिचिलेमा दूसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए मैदान में हैं। उनके समर्थक सरकार की आर्थिक उपलब्धियों को प्रमुख मुद्दा बना रहे हैं। सरकार का दावा है कि उसने महंगाई को घटाकर करीब 6.5 प्रतिशत किया, मुफ्त शिक्षा को आगे बढ़ाया और विदेशी निवेश आकर्षित करने में सफलता हासिल की है। हालांकि, आम मतदाताओं के लिए रोजमर्रा की आर्थिक मुश्किलें अब भी बड़ी चिंता का विषय हैं। खाद्य असुरक्षा, आय में धीमी वृद्धि और जीवन-यापन की ऊंची लागत ने सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच असंतोष पैदा किया है।

ऑस्ट्रेलिया के सभी राज्यों में पहुंचा बर्ड फ्लू, तस्मानिया में प्रवासी पक्षी में मिला अत्यधिक संक्रामक एच5एन1

विश्व केसरी

मेलबन। ऑस्ट्रेलिया के द्वीपीय राज्य तस्मानिया में गुरुवार को एच5एन1 बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) का पहला पुष्ट मामला दर्ज किया गया। इसके साथ ही यह खतरनाक वायरस अब ऑस्ट्रेलिया के सभी राज्यों में पाया जा चुका है। तस्मानिया के प्राथमिक उद्योग और जल मंत्री गेविन पियर्स ने पत्रकारों को बताया कि राज्य के उत्तर-पश्चिमी तट पर मृत पाए गए एक प्रवासी ब्राउन स्कुआ पक्षी की जांच में अत्यधिक संक्रामक एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि इस पक्षी को 'पार्क्स एंड वाइल्डलाइफ सर्विस' के कर्मचारियों ने खोजा था, जो तटीय इलाकों में लगातार निगरानी कर रहे थे। इसके साथ ही तस्मानिया, एच5एन1 के मामले की पुष्टि करने वाला ऑस्ट्रेलिया का छठा और अंतिम राज्य बन गया है। इस वायरस का पहला मामला जून में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (डब?ल?यूए) में सामने आया था। पियर्स ने कहा कि राज्य की एजेंसियां उद्योग जगत, वन्यजीव विशेषज्ञों और जैव सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ मिलकर निगरानी, तैयारी और प्रतिक्रिया व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं तस्मानिया के लोगों को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि हम एच5 बर्ड फ्लू से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और जैसे-जैसे नई जानकारी मिलेगी, हम लगातार अपडेट देते रहेंगे।

दक्षिण कोरिया : घट रही राष्ट्रपति ली जे म्युंग की लोकप्रियता, पद संभालने के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंची

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की लोकप्रियता उनके पद संभालने के बाद से सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक सर्वे में सामने आई। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार से बुधवार तक किए गए 'नेशनल बैरोमीटर सर्वे' में ली की अप्रूवल रेटिंग 49 प्रतिशत रही। यह दो हफ्ते पहले हुए सर्वे की तुलना में चार प्रतिशत अंक कम है।

यह पहली बार है जब इस द्वि-साप्ताहिक सर्वे में उनकी लोकप्रियता 50 प्रतिशत से नीचे गई है। वहीं, उनके कामकाज को लेकर असंतोष 6 प्रतिशत अंक बढ़कर 43 प्रतिशत हो गया।

सरकार की रियल एस्टेट नीतियों को लेकर 56 प्रतिशत लोगों ने कहा कि मौजूदा सरकार अच्छा काम नहीं कर रही है, जबकि 34 प्रतिशत लोगों ने इसके काम को सकारात्मक बताया। सर्वे में यह भी सामने आया कि सरकार की ओर से हाल ही में पेश की गई प्रॉपर्टी टैक्स संशोधन योजना का 46 प्रतिशत लोगों ने समर्थन किया, जबकि 41 प्रतिशत लोग इसके खिलाफ थे।

जब लोगों से इस योजना के असर के बारे में पूछा गया, तो 55 प्रतिशत का मानना था कि इससे 'जिओन्से' और मासिक किराए की कीमतें बढ़ जाएंगी। 27 प्रतिशत लोगों को लगा कि इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, जबकि 8 प्रतिशत ने किराए में कमी आने की उम्मीद जताई। 'जिओन्से' दक्षिण कोरिया की एक खास किराया व्यवस्था है, जिसमें किरायेदार शुरुआत में बड़ी रकम जमा करते हैं, जो लीज खत्म होने पर पूरी वापस कर दी जाती है। इसी सर्वे में सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) का समर्थन 40 प्रतिशत पर स्थिर रहा, जबकि मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) का समर्थन दो प्रतिशत अंक बढ़कर 23 प्रतिशत हो गया।

डेमोक्रेटिक पार्टी को 20 वर्ष या उससे कम उम्र के युवाओं को छोड़कर सभी आयु वर्गों में पीपल पावर पार्टी से अधिक समर्थन मिला। इसी तरह, दक्षिण-पूर्वी शहर डेगू और नॉर्थ ग्योंगसांग प्रांत को छोड़कर सभी क्षेत्रों में भी डीपी को अधिक समर्थन मिला। मंगलवार को राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने दोहराया कि राज्य का सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके जीवन की रक्षा करना है।

उन्होंने यह बात देश के पहले ऐसे अस्पताल के उद्घाटन समारोह में कही, जो विशेष रूप से फायरफाइटर्स और अन्य आपातकालीन सेवा कर्मियों के इलाज के लिए बनाया गया है। ली ने कहा कि राज्य का पहला कर्तव्य अपने लोगों के जीवन और सुरक्षा की रक्षा करना है।

जल्द ब्रिक्स के न्यू डेवलपमेंट बैंक में शामिल होंगे हमः ईरान

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान ब्रिक्स के सेंट्रल बैंक गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती ने कहा है कि ईरान जल्द ही ब्रिक्स देशों के बनाए न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) में शामिल होगा। सरकारी मीडिया ने बुधवार को हेम्मती के हवाले से यह जानकारी दी। यह बयान भारत में हो रही ब्रिक्स वित्त बैठक से पहले दिया गया था। जयपुर में 12-13 अगस्त तक ब्रिक्स वित्त मंत्री और सेंट्रल बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) का आयोजन किया गया। हालांकि, रॉयटर्स के अनुसार, न्यू डेवलपमेंट बैंक के कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस विभाग ने ईरान के जल्द बैंक में शामिल होने की जानकारी की पुष्टि नहीं की है।

न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना 2015 में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने की थी। बैंक का उद्देश्य बुनियादी ढांचे और सतत विकास से जुड़ी परियोजनाओं के लिए वित्त उपलब्ध कराना है। समय के साथ बैंक ने अपनी सदस्यता का विस्तार किया है और संयुक्त अरब अमीरात तथा मिस्र समेत कई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं भी इसमें शामिल हुई हैं।

ईरान वर्ष 2024 में ब्रिक्स समूह में शामिल हुआ था। न्यू डेवलपमेंट बैंक में उसकी संभावित सदस्यता से ईरान को बहुपक्षीय विकास वित्त के अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध हो सकते हैं और ब्रिक्स के साथ उसकी आर्थिक भागीदारी और मजबूत हो सकती है। ईरान पर अमेरिकी और इंटरनेशनल पाबंदियां लगी हुई हैं। अमेरिका- इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए कोशिशें तो बहुत हुईं लेकिन अल्पविराम के बाद तल्खी बरकरार है।

कोलंबिया भूकंपः राहत और बचाव कार्य में लगातार मदद कर रहा यूएन, डब्ल्यूएचओ भेज रहा दवाएं

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। कोलंबिया में सोमवार को आए भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 265 हो गई है। इस आपदा में 3,494 लोग घायल हुए हैं और 496 लोग अभी लापता हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) और उसके साझेदार सरकार के नेतृत्व में चल रहे राहत और बचाव कार्यों में लगातार सहयोग कर रहे हैं। यह जानकारी ओसीएचए ने दी।

ओसीएचए ने कहा कि भूकंप के कारण बड़ी संख्या में घरों और सार्वजनिक ढांचे को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इलाकों में मानवीय जरूरतों का आकलन अभी जारी है। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में संचार सेवाओं, परिवहन और सरकारी सुविधाओं में आई बाधाओं के कारण राहत कार्यों में कठिनाई हो रही है। ओसीएचए ने कहा कि फिलहाल सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी आश्रय, खाद्य सहायता, सुरक्षित पेयजल और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी संगठन राहत के लिए संसाधन भी जुटा रहे हैं। ओसीएचए ने बताया कि वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) भोजन भेज रहा है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) देश में मौजूद अपने गोदामों से चिकित्सा सामग्री प्रभावित क्षेत्रों में भेज रहा है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने बुधवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र के केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष (सीईआरएफ) से धन उपलब्ध कराने की तैयारी चल रही है।

बांग्लादेश भागने की फिराक में था पाकिस्तानी जासूस वहाब आलम, पूछताछ में बड़े खुलासे

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले में स्थित हाबरा से गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक वहाब आलम कुछ समय के लिए बांग्लादेश भागने की फिराक में था। वह बांग्लादेश में कुछ समय बिताकर नई पहचान और नए काम के साथ वापस पश्चिम बंगाल लौटना चाहता था।

स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की पूछताछ में वहाब आलम ने कई अहम खुलासे किए हैं। सूत्रों के अनुसार उसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने भेजा था। उसका काम देश के पूर्वी हिस्से में भारतीय सेना, नौसेना और रेलवे की जानकारी जुटाना था।

पूछताछ में वहाब आलम ने बताया कि पाकिस्तान में बैठे उसके आकाओं ने उसे सलाह दी थी कि वह कुछ समय के लिए बांग्लादेश चला जाए। एसटीएफ ने आलम के नेटबुक की जांच के दौरान बांग्लादेश में मौजूद एक आईएसआई एजेंट पवेल की जानकारी भी हासिल की है। वहाब आलम को बांग्लादेश भागने के बाद इसी पवेल से मिलना था। सूत्रों ने बताया कि पवेल अभी बांग्लादेश के जेसोर में सक्रिय है।

उसे वहाब आलम आलम के लिए बांग्लादेश में कुछ समय के लिए सुरक्षित ठिकाना तय करना था। इसके बाद उसे पश्चिम बंगाल में मिलने वाले नए काम की जानकारी देनी थी और फिर कुछ समय बाद उसे वापस राज्य में भेजना था।

वहाब आलम ने माना कि इस साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले हुए एसआईआर के बाद उसका नाम मतदाता सूची से हट गया था। इसके बाद वह और पाकिस्तान में बैठे उसके आका सतर्क हो गए थे।

उसके आकाओं ने उसे सलाह दी कि वह टॉपसिया को छोड़ दे, जहां वह पहले मतदाता के रूप में दर्ज था।

बलूच लड़ाकों ने बलूचिस्तान और सिंध में मौजूद पाकिस्तानी सेना के अहम ठिकानों पर किया हमला

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूच लड़ाकों ने दावा किया है कि उन्होंने पाकिस्तानी सेना और उनके अहम ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। ये हमले सिंध और बलूचिस्तान में किए गए जिसमें चार पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए। स्थानीय मीडिया ने हथियारबंद समूह के हवाले से इसकी जानकारी दी।

मीडिया को दिए एक बयान में, यूनाइटेड बलूच आर्मी (यूबीए) प्रवक्ता मजार बलूच ने कहा कि ग्रुप के लड़ाकों ने सोमवार को बलूचिस्तान के बोलान इलाके में दरज बीट पर एक पाकिस्तानी मिलिट्री चेकपोस्ट पर रिमोट-संचालित विस्फोटक का इस्तेमाल कर हमला किया। हमले में चार सैन्य कर्मी मारे गए, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मजार बलूच के मुताबिक, यूबीए लड़ाके दरज बीट और पंजरा ब्रिज चेकपोस्ट के बीच सेना की गतिविधि पर करीब से नजर रख रहे थे, और इलाके में काफिलों और जवानों के आने जाने की जानकारी इकट्ठा कर रहे थे। वहीं, द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी) प्रवक्ता दोस्तैन बलूच ने कहा कि उनके लड़ाकों ने मंगलवार रात बलूचिस्तान के नसीराबाद जिले में चत्तर के पास दो 220केवी के बिजली टावरों पर धमाका किया था। टावरों पर विस्फोटक लगाए गए थे ।

250 दिनों से समुद्र में यूएसएस अब्राहम लिंकन, अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने पूछे सवाल

विश्व केसरी

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिकी नौसेना की लंबी तैनाती को लेकर घरेलू स्तर पर सवाल पूछे जाने लगे हैं। सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ से यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) में तैनात नौसैनिकों की खराब परिस्थितियों, आपूर्ति की कमी, प्लंबिंग समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को लेकर रक्षा अधिकारियों से जवाब मांगा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तीन पन्नों की चिट्ठी साझा करते हुए पूछा कि विभाग बताए कि सैनिक को लेकर फिक्र जाहिर की। विमानवाहक पोत 250 दिनों से अधिक समय से समुद्र में है।

ब्लूमेंथल ने कहा, 'पोत पर आपूर्ति की कमी, प्लंबिंग संबंधी समस्याओं और सैनिकों के बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य की रिपोर्ट गंभीर चिंता का विषय है। यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को जनवरी के अंत में अमेरिकी नौसैनिक जमावड़े के दौरान दक्षिण चीन सागर में चल रहे अभ्यास से हटाकर मध्य पूर्व की ओर भेजा गया था।

उन्होंने यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड (सीवीएन-78) का भी जिक्र किया। बताया कि कैसे उस पोत ने मुश्किलों के बीच समुद्र में 326 दिन बिताए थे। नियमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पोत की समुद्र में तैनाती छह महीने से ज्यादा नहीं रहती है और ये वियतनाम युद्ध के बाद सबसे लंबी तैनाती रही है।

इसके साथ ही उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि इस तरह की तैनाती का असर सैनिकों की शारीरिक और मानसिक सेहत पर पड़ सकता है। उन्हें थकान हो सकती है। सीनेटर ने तैनाती, तैयारी और सेहत को लेकर कुल 6 सवाल पूछे हैं। जिसमें युद्ध पोत कितनी अवधि तक रुकेगा, नौसैनिकों के लिए क्या इंतजामात हैं, आगामी ऑपरेशन्स को लेकर नेवी की क्या तैयारी है ।

तमिलनाडु में निवेश आकर्षित करने की बड़ी तैयारी, चेन्नई इन्वेस्टर्स समिट में 67,452 करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर होने की संभावना

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार गुरुवार को चेन्नई में 'वेत्री तमिलनाडु इन्वेस्टर्स समिट' का आयोजन करने जा रही है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अगुवाई में आयोजित यह सम्मेलन राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश आकर्षित करने की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है। सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले 100 दिनों के भीतर 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश लाने का लक्ष्य रखा है।

गिंडी में आयोजित होने वाले इस समिट में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, देश-विदेश के उद्योगपति, निवेशक और कई प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान तमिलनाडु सरकार 97 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने जा रही है। इन प्रस्तावित परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में 67,452 करोड़ रुपए के निवेश आने की उम्मीद है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में 1,06,998 रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है। यह निवेशक सम्मेलन ऐसे समय आयोजित हो रहा है जब टीवीके सरकार सत्ता संभालने के बाद अपने 96 दिन पूरे करने जा रही है। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने 10 मई को तमिलनाडु के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, जब उनकी पार्टी ने 17वीं विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। सत्ता में आने के बाद सरकार ने प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है।

सरकार ने पिछले तीन महीनों के दौरान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ लगातार संपर्क बढ़ाया है और तमिलनाडु को विनिर्माण, प्रौद्योगिकी तथा सेवा क्षेत्र के निवेश के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। इसी रणनीति का परिणाम है कि सरकार अपने पहले 100 दिनों के भीतर कुल 104 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद कर रही है। इन सभी प्रस्तावित समझौतों को मिलाकर राज्य में 1,02,514 करोड़ रुपए के निवेश और लगभग 1,21,788 नौकरियों के सृजन का अनुमान लगाया गया है।

इनमें से अधिकांश निवेश प्रतिबद्धताएं गुरुवार को होने वाले निवेशक सम्मेलन में घोषित होने की संभावना है। राज्य सरकार के अधिकारियों का मानना है कि ये परियोजनाएं तमिलनाडु के औद्योगिक आधार को और मजबूत करेंगी तथा कुशल कामगारों, स्नातकों और रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेंगी। निवेश प्रस्तावों में विनिर्माण, तकनीक, सेवाएं और अन्य उभरते क्षेत्रों को शामिल किए जाने की संभावना है।

सरकार इस अवसर पर यह भी स्पष्ट कर सकती है कि निवेश समझौतों को केवल कागजी स्तर पर सीमित न रखकर उन्हें जमीन पर तेजी से लागू करने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का किया रुख, आय से अधिक संपत्ति जांच के हाईकोर्ट आदेश को दी चुनौती

विश्व केसरी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसमें सीबीआई और ईडी को उन आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया गया था कि उनके पास आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति है।

राहुल गांधी की याचिका पर 17 अगस्त को चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली बेंच सुनवाई करेगी। कांग्रेस सांसद ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जो कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की शिकायत के संबंध में जारी किया गया था। शिशिर ने गांधी पर आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाया था।

मई में जारी अपने आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर संबंधित एजेंसियों को शिकायत मिली है, तो उसमें लगाए गए आरोपों की कानून के अनुसार जांच की जानी चाहिए।

कोर्ट ने यह भी कहा था कि सीबीआई और ईडी कानूनी ढांचे के तहत उचित कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं। 20 जुलाई को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सीबीआई द्वारा दायर हलफनामे पर असंतोष जताया और कहा कि इसमें कोर्ट के पहले के निर्देशों का ठीक से पालन नहीं किया गया था।

हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उठाए गए कदमों पर भी ध्यान दिया और कहा कि अगर सत्यापन या जांच के दौरान कोई कार्रवाई योग्य जानकारी मिलती है, तो एजेंसी कानून के अनुसार आगे बढ़ सकती है। सीबीआई और ईडी के अलावा इलाहाबाद हाईकोर्ट की बेंच ने डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस के निदेशक को भी याचिकाकर्ता के

संक्षिप्त खबर

एनडीपीएस केस में फंसाने का डर दिखाकर वसूली करने वाले दो लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक शख्स को एनडीपीएस केस में फर्जी तरीके से फंसाने की कोशिश कर रहे दो आरोपियों को अनंतनाग जिले में गिरफ्तार किया है। सफदरजंग पुलिस स्टेशन में आजाद अहमद शाह ने शिकायत दर्ज कराई। नातिन नंबल मटन का निवासी है। उसनेआरोप लगाया कि आरोपी ने उससे 24 हजार रुपये मांगे और उसे धमकी देते हुए कहा कि अगर वो यह रकम देने में विफल रहा, तो उसे एनडीपीएस से जुड़े झूठे केस में फंसा दिया जाएगा। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच की और पाया कि शिकायतकर्ता किसी भी तरह के मामलों में शामिल नहीं था। शिकायत के बाद सफदरजंग पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान मुजफ्फर अहमद मीर निवासी वीर नवबुग बिजबेहड़ा तथा जान मोहम्मद वागे निवासी पेठी नंबल, मट्टन के रूप में हुई है। पुलिस के बयान के मुताबिक, पुलिस की इस कार्रवाई को त्वरित कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। अपनी इस कार्रवाई से अनंतनाग पुलिस ने यह साफ जाहिर कर दिया है कि वो अपने नागरिकों के हितों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। अगर कोई उनके नागरिकों को डराने धमकाने और पैसों की वसूली करने की

केंद्रीय जनसांख्यिकीय पैनल ने दौरे में विभिन्न समूहों से किया परामर्श

विश्व केसरी

श्रीनगर। संसदीय समिति ने गुरुवार को जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर अपनी तीन दिवसीय यात्रा पूरी कर ली। इस दौरे को विभिन्न समूहों से परामर्श करने के बाद समाप्त किया गया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर गठित संसदीय समिति ने अपना तीन दिवसीय जम्मू दौरा समाप्त कर लिया। इस दौरे के दौरान समिति ने सरकार और पुलिस अधिकारियों से व्यापक स्तर पर परामर्श किया। वहीं, इस बैठक के अलावा विभिन्न सामुदायिक समूह, संगठन, प्रतिनिधिमंडल से जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर जानकारी जुटाई गई। रिटायर जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नवलेकर ने जम्मू-कश्मीर से जुड़ा अपना कार्यक्रम समाप्त कर लिया। वो मौजूदा समय में उच्चस्तरीय समिति की अध्यक्षता कर रहे हैं। जस्टिस नवलेकर ने रायसी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी में जाकर पूजा की, जबकि बाकी के सदस्य नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। परामर्श के आखिरी चरण में पनून कश्मीर ने 500 पृष्ठों की जनसांख्यिकीय परिवर्तन से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट समिति के सामने पेश की। इस प्रतिनिधिमंडल में 'पनून कश्मीर' के संयोजक अग्निशेखर, चेयरमैन टीटो गंजू और 'जोनाराजा इंस्टीट्यूट ऑफ जेनोसाइड एंड एट्रोसिटीज स्टडीज' के प्रतिनिधि शामिल थे। इस अध्ययन में ऐतिहासिक कार्यकाल में जनसांख्यिकीय विकास के विषय को शामिल किया गया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 'बैग में बम' कहकर यात्री ने किया मजाक, रोकी गई दिल्ली जाने वाली फ्लाइट; यात्री हिरासत में

विश्व केसरी

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टी2) पर एक यात्री के गैर-जिम्मेदाराना मजाक से उस समय हड़कंप मच गया, जब उसने सुरक्षा जांच के दौरान अपने बैग में बम होने की बात कह दी। इस बयान के बाद दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट को टेक ऑफ से ठीक पहले रोकना पड़ा और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए यात्री को विमान से उतारकर हिरासत में ले लिया।

जानकारी के अनुसार, इंडिगो की मुंबई से दिल्ली जाने वाली उड़ान प्रस्थान के लिए तैयार थी। बोर्डिंग गेट पर एयरलाइन के असिस्टेंट सिक्योरिटी मैनेजर ओमप्रकाश राजभर और सुरक्षा अधिकारी रवींद्र रोकडे यात्रियों के हैंड बैग की नियमित जांच कर रहे थे। इसी दौरान जब अधिकारियों ने सामान्य सुरक्षा प्रक्रिया के तहत यात्री से पूछा कि उसके बैग में माचिस, लाइटर, कैंची या कोई अन्य प्रतिबंधित चीज तो नहीं है, तब 55 वर्षीय यात्री अनुज जयराम सुवर्णा ने कथित तौर पर बेफिक्री से कह दिया कि उसके 'बैग में बम' है। यात्री के मुंह से 'बम' शब्द सुनते ही एयरलाइन कर्मचारियों और सुरक्षा एजेंसियों में सतर्कता बढ़ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एयरलाइन अधिकारियों ने तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारियों और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीआईएसएफ ने तत्काल कार्रवाई करते हुए यात्री को विमान से उतार लिया और उसे हिरासत में ले लिया।

सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत पूरे विमान को खाली कराया गया और सभी यात्रियों को नीचे उतार दिया गया। इसके बाद सीआईएसएफ और बम निरोधक दस्ते ने विमान, कार्गो होल्ड और यात्रियों के सामान की विस्तृत जांच शुरू की।

पलवल में तिरंगे के सम्मान में उमड़ा जनसैलाब, गौरव गौतम के नेतृत्व में रचा गया देशभक्ति का ऐतिहासिक अध्याय

विश्व केसरी

पलवल। देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और तिरंगे के सम्मान का अद्भुत संगम गुरुवार को पलवल की धरती पर देखने को मिला। हरियाणा सरकार के खेल एवं युवा सशक्तिकरण मंत्री गौरव गौतम के नेतृत्व में आयोजित ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा ने पलवल के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। 5 किलोमीटर लंबे और 10 फीट चौड़े विशाल तिरंगे के साथ निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। शहर की सड़कों पर जहां नजर गई, वहां हाथों में तिरंगा, दिल में देशभक्ति और जुबां पर भारत माता की जय के जयघोष सुनाई दिए।

यात्रा की शुरुआत सुबह पलवल पुलिस लाइन से हुई। जैसे ही विशाल तिरंगा यात्रा आगे बढ़ी, पूरे शहर का माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। यात्रा के मार्ग में करीब 20 स्थानों पर स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, युवाओं और विभिन्न वर्गों के लोगों ने पुष्पवर्षा एवं भव्य स्वागत कर यात्रा का अभिनंदन किया। कई स्थानों पर भारत माता के जयकारों और राष्ट्रभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा।

इस ऐतिहासिक यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी देखने को मिली। छोटे-छोटे स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, मातृशक्ति से लेकर युवाओं तक और शिक्षकों से लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं तक ने पूरे उत्साह के साथ तिरंगे का सम्मान किया। लोगों ने अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर यात्रा का स्वागत किया और देश की एकता, अखंडता तथा राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। सुबह पलवल पुलिस लाइन से तिरंगा यात्रा का विधिवत शुभारंभ हुआ। निर्धारित समय पर विशाल तिरंगे के साथ यात्रा आगे बढ़ी तो हजारों लोग इस कारवां का हिस्सा बनते चले गए।

योगी सरकार ने 7 अधिकारियों के किए तबादले, एसडीएम लखनऊ बनाई गईं निधि पांडेय

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गुरुवार को प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। शासन ने 7 अधिकारियों के तबादले किए हैं। ज्योति राय को अपर जिलाधिकारी (वि/रा), बलरामपुर से अपर आयुक्त, आजमगढ़ मंडल के तौर पर नई तैनाती दी गई है। संदीप केला को नगर मजिस्ट्रेट, बांदा से अपर जिलाधिकारी (वि/रा), बलरामपुर की जिम्मेदारी दी गई है।

दिनेश चंद्र को उपजिलाधिकारी, बुलंदशहर से नगर मजिस्ट्रेट बांदा बनाया गया है। दिव्या ओझा को उपजिलाधिकारी, चंदौली से अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), बरेली की जिम्मेदारी दी गई है। विनय कुमार सिंह को नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज से नगर मजिस्ट्रेट गोरखपुर बनाया गया है। इसी तरह से उत्कर्ष श्रीवास्तव की भी तैनाती बदली गई है।

उत्कर्ष श्रीवास्तव को नगर मजिस्ट्रेट, गोरखपुर से नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निधि पांडेय को कंपट्रोलर, जन भवन से उपजिलाधिकारी, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। बीते महीने जुलाई में योगी सरकार ने 182 अधिकारियों के तबादले किए थे। सरकार ने कई जिलों से एसडीएम की तैनाती बदल दी थी। 13 जुलाई को किए गए तबादले में प्रशांत कुमार को एसडीएम उन्नाव से एसडीएम बहराइच के पद पर तैनाती दी गई थी। कुमार संजय को जालौन, ध्रुव शुक्ला को गाजीपुर, अभय कुमार सिंह को विशेष कार्याधिकारी राजस्व परिषद, यूपी, मनोज प्रकाश को एसडीएम जालौन, अरविंद कुमार सिंह को एसडीएम मैनपुरी, पुष्पेंद्र पटेल को एसडीएम अंबेडकरनगर, योगेश कुमार गौड़ को एसडीएम सहारनपुर बनाया गया था।

श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 10 मछुआरों को किया गिरफ्तार, नाव भी जब्त

विश्व केसरी

रामेश्वरम। तमिलनाडु के दस मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना ने कच्चाथीवू के पास गिरफ्तार कर लिया। रामेश्वरम और अन्य जिलों के रहने वाले इन मछुआरों पर समुद्री सीमा पार कर श्रीलंकाई इलाके में मछली पकड़ने का आरोप है।

तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग ने बताया कि, बुधवार सुबह जरूरी टोकन लेने के बाद 297 मैकेनाइज्ड ट्रॉलर (गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाली नाव) रामेश्वरम फिशिंग जेट्टी से समुद्र में उतरे थे। देर रात, थंगाचिमदम के राजन नगर के रहने वाले वेलिंगटन की एक मैकेनाइज्ड नाव को श्रीलंकाई नेवी की सर्विलांस टीम ने कच्चाथीवू के पास रोक लिया। शुरुआती जांच के बाद, नाव और उसके 10 सदस्यों को कस्टडी में ले लिया।

मछुआरों में 45 साल के जनथन; 38 साल के एंटनी पिचाई; 43 साल के प्रभु; 55 साल के डॉन बॉस्को; 31 साल के अरोकिया डेविन; 51 साल के वेलुचामी; 52 साल के सुब्बैया; 25 साल के अरोकिया जेनिस्टन; और 30 साल के स्टीविन शामिल थे। दसवें मछुआरे की पहचान तुरंत पता नहीं चल पाई। वे रामेश्वरम, पंबन, विरुधुनगर और थंगाचिमदम के रहने वाले हैं।

मत्स्य पालन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मछुआरों को पूछताछ के लिए तलाईमन्नार बंदरगाह ले जाया गया। उम्मीद है कि उन्हें गुरुवार को बाद में श्रीलंका की एक कोर्ट में पेश किया जाएगा। जब्त किए गए ट्रॉलर के बारे में और जानकारी का इंतजार है। इस गिरफ्तारी से रामनाथपुरम जिले में मछली पकड़ने वाला समुदाय गुस्से में है। मछुआरों ने बताया कि यह घटना नौ मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के ठीक पांच दिन बाद हुई, जब उनके ट्रॉलर में कथित तौर पर नेदुनथीवु के पास कोई तकनीकी समस्या आ गई थी।

उस गिरफ्तारी के विरोध में, रामेश्वरम के मछुआरे एक दिन के लिए समुद्र से दूर रहे। मछुआरों के प्रतिनिधियों ने कहा कि बार-बार गिरफ्तारी और नावों को जब्त किए जाने से उनकी रोजी-रोटी पर बहुत बुरा असर पड़ा है, जिससे उनके परिवार पैसे और भावनात्मक रूप से टूट गए हैं।

जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने शोपियां के कलेक्टर के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट के 'कारण बताओ नोटिस' को रद्द किया

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने शोपियां के कलेक्टर के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जारी 'कारण बताओ नोटिस' को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारी ने अपने अधिकारों का उल्लंघन किया था। न्यायमूर्ति राहुल भारती ने 7 अगस्त को यह आदेश सुनाया। वे शोपियां के कलेक्टर के पद पर तैनात आईएएस अधिकारी शिशिर गुप्ता द्वारा उफाइरा गुलजार और अन्य के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे।

शोपियां के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने कलेक्टर को यह नोटिस जारी किया था क्योंकि भरण-पोषण (मेंटेनेंस) की वसूली से जुड़े निर्देशों का पालन नहीं किया गया था। यह मामला प्रतिवादी की पत्नी और बेटी द्वारा 'दंड प्रक्रिया संहिता, 1973' की धारा 125 के तहत शुरू की गई भरण-पोषण की कार्यवाही से जुड़ा था।

यह कार्यवाही 20 अप्रैल 2023 को शुरू हुई थी और न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 4 दिसंबर 2025 को इसका निपटारा करते हुए 18,000 रुपये का मासिक भरण-पोषण देने का आदेश दिया था।

स्वतंत्रता दिवस समारोहः कड़ी सुरक्षा के बीच लाल किला पर हुई फुल ड्रेस रिहर्सल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता की तैयारियों को लेकर गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लाल किला के पास फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। इस रिहर्सल का आयोजन गुरुवार की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की मजबूती सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त के बीच किया गया।

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के मौके पर लाल किले की प्रचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बड़ी संख्या में भीड़ जुटने की संभावना है। साथ ही, कई तरह के प्रतिबंध लगाने जाए जा सकते हैं।

शाहदरा के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में दिल्ली के सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से बताया। उनके मुताबिक, आज रिहर्सल का आयोजन किया गया है। ऐसे मौकों पर शाहरदा काफी संवेदनशील इलाकों में गिना जाता है। सीमा की दृष्टि से देखे, तो हमारे जिले से कुल सात सीमा चिन्हित होते हैं, जिसमें गाजियाबाद और उत्तर प्रदेश प्रमुख रूप से शामिल है। लिहाजा इन इलाकों में ट्रैफिक रात 10 बजे से पूरी तरह बंद रहेगी।

उनके मुताबिक, वैसे तो पूरे जिले में पहले से ही चौकियां हैं। लेकिन, हमने अपने जिले में कुछ अस्थायी चौकियां भी बनाई हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है कि हर प्रकार की आपाताकालीन स्थिति में रेसपॉन्स व्हिकल, पेट्रोल व्हिकल अपने-अपने इलाकों में हर प्रकार की आपातकालीन स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लाल किला परिसर के पीछे, यमुना नदी का खादर वाला इलाका सुरक्षा व्यवस्था काफी दुरूस्त कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हम इन इलाकों में 15 अगस्त तक पेट्रोलिंग करते रहेंगे। ट्रैफिक पुलिस जोन-2 अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (एसीपी) दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रात 10 बजे तक प्रतिबंध जारी रहेगा।

उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि इन इलाकों में व्यवसायिक वाहनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। हमने उत्तर प्रदेश और हरियाण से जुड़े अधिकारियों से भी संपर्क स्थापित किया और उनसे कहा कि वो इन इलाकों में किसी भी प्रकार के व्यवसायिक वाहनों को आने से रोके, ताकि भीड़ पर अंकुश लगाया जा सके।

अमेरिकी सीनेटरों ने 'स्पेस फोर्स' की तैयारी मजबूत करने को पेश किया बिल, गार्डियंस की ट्रेनिंग बढ़ेगी

विश्व केसरी ■

वॉशिंगटन। अमेरिका के दो सीनेटरों ने दोनों पार्टियों के समर्थन वाला एक बिल पेश किया, जिसका उद्देश्य 'स्पेस फोर्स' की तैयारियों को मजबूत करना है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब चीन अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी सैन्य और व्यावसायिक क्षमताओं का तेजी से विस्तार कर रहा है।

अलबामा की रिपब्लिकन सीनेटर केटी ब्रिट और नेवादा की डेमोक्रेटिक सीनेटर कैथरीन कॉर्टेज मास्टो ने बुधवार को 'स्पेस सुपीरियोरिटी रेडीनेस एक्ट 2026' पेश किया।

इस विधेयक के तहत 'स्पेस फोर्स' के सदस्यों, जिन्हें गार्डियंस कहा जाता है, के लिए वॉरगेमिंग, मॉडलिंग, सिमुलेशन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में अमेरिकी अंतरिक्ष ऑपरेटर अंतरिक्ष में बढ़त कायम रख सकें और उसे बनाए रख सकें।अमेरिकी सैन्य बल काफी हद तक अंतरिक्ष आधारित प्रणालियों पर निर्भर हैं। ये प्रणालियां मिसाइल चेतावनी, नेविगेशन, संचार, खुफिया जानकारी, निगरानी, टोही और लक्ष्य निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण कामों में मदद करती हैं। यदि ये सेवाएं बाधित होती हैं, तो किसी संघर्ष की शुरुआत में अमेरिकी सैन्य अभियानों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

सीनेटर केटी ब्रिट ने कहा, 'यह अच्छी तरह दर्ज है कि चीन अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रभुत्व हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और वह वाणिज्यिक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश करके अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

कहा, 'स्पेस सुपीरियोरिटी रेडीनेस एक्ट 2026 यह दिखाता है कि युद्ध संचालन के क्षेत्र के रूप में अंतरिक्ष कितना महत्वपूर्ण हो चुका है।

ब्रिट के अनुसार, चीन के साथ किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में अमेरिका को अंतरिक्ष पर नियंत्रण बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए। साथ ही उसके पास उभरते खतरों का सामना करने के लिए आवश्यक संसाधन और क्षमताएं भी होनी चाहिए।

इस प्रस्तावित कानून के तहत ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अनिवार्य किए जाएंगे जो अंतरिक्ष अभियानों में अमेरिका की बढ़त बनाए रखने के लिए जरूरी रणनीतियों, तकनीकों और प्रक्रियाओं पर केंद्रित होंगे।

विधेयक में यह भी प्रावधान है कि प्रशासन कांग्रेस को चीन की वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षमताओं और उनके संभावित सैन्य उपयोगों पर एक सार्वजनिक रिपोर्ट सौंपे। कानून बनने के 180 दिनों के भीतर यह रिपोर्ट पेश करनी होगी।

दोनों सीनेटरों ने अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग की उन चेतावनियों का हवाला दिया, जिनमें कहा गया है कि बीजिंग तेजी से अपनी अंतरिक्ष और काउंटरस्पेस क्षमताओं का विकास कर रहा है।

सीनेटर कैथरीन कॉर्टेज ने कहा, 'अंतरिक्ष एक अत्याधुनिक क्षेत्र है जिसे हमें गंभीरता से लेना होगा। कम्युनिस्ट चीन अंतरिक्ष में अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा रहा है और अमेरिका पीछे रहने का जोखिम नहीं उठा सकता।'

हाल ही में दोनों सीनेटरों ने ग्रीनलैंड स्थित पिटुफिक स्पेस बेस का दौरा किया था, जो मिसाइल चेतावनी, मिसाइल रक्षा और अंतरिक्ष निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कॉर्टेज मास्टो ने कहा, 'सीनेटर ब्रिट और मैंने हाल ही में पिटुफिक स्पेस बेस में अमेरिकी स्पेस फोर्स के शानदार काम को करीब से देखा। मुझे विश्वास है कि यदि गार्डियंस को आवश्यक उपकरण, प्रशिक्षण और संसाधन मिलते रहे, तो वे किसी भी खतरे का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे।

ब्रिट ने अमेरिकी स्पेस कमांड के मुख्यालय को हंट्सविल, अलाबामा स्थानांतरित करने के प्रयासों का भी समर्थन किया है। उन्होंने मार्शल स्पेस फ्लाइट सेंटर और स्पेस लॉन्च सिस्टम का भी समर्थन किया है, जिसने हाल ही में आर्टेमिस-II मिशन को शक्ति प्रदान की थी।

अमेरिकी स्पेस फोर्स की स्थापना दिसंबर 2019 में अमेरिकी सशस्त्र बलों की छठी शाखा के रूप में की गई थी। यह वायु सेना विभाग के अंतर्गत काम करती है और अंतरिक्ष में सैन्य अभियानों के लिए बलों को संगठित करने, प्रशिक्षित करने और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभाती है।

2026 में 50 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ने की राह पर भारत, घरेलू सप्लाई चेन को मजबूती देने वाली नीतियों से बढ़ी रफ्तार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत वर्ष 2026 में सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि का नया रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर है। वुड मैकेंजी की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में 34 गीगावाट डायरेक्ट करंट (जीडब्ल्यूडीसी) सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए पूरे वर्ष में भारत 50 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ सकता है, जो देश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक विस्तार होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इस वर्ष अपने सौर ऊर्जा स्थापना इतिहास में किसी भी अन्य वर्ष की तुलना में सबसे अधिक क्षमता स्थापित करने जा रहा है। हालांकि, इस तेज वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियां घरेलू सप्लाई चेन पर दबाव भी पैदा कर रही हैं, जिसके चलते निकट अवधि में सौर परियोजनाओं की लागत बढ़ने की संभावना है।

विशेषज्ञों के अनुसार, डेवलपर्स ने मॉडल और निर्माताओं की स्वीकृत सूची-II (एएलएमएम-II) की जून 2026 समयसीमा से पहले परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने का प्रयास किया। इसी वजह से वर्ष की पहली छमाही में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के निर्माण और कमीशनिंग में उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली।

वुड मैकेंजी के रिसर्च एनालिस्ट सुरीत सिंह ने कहा कि एएलएमएम-II भारत में पूरी तरह एकीकृत घरेलू सौर सप्लाई चेन विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता की तुलना में देश में सौर सेल निर्माण क्षमता अभी पर्याप्त गति से नहीं बढ़ पाई है। उनके अनुसार, निकट अवधि में लागत बढ़ना लगभग तय है और डेवलपर्स को कीमतों के स्थिर होने तक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरना पड़ सकता है।

इस वर्ष सौर ऊर्जा क्षेत्र में तेजी का एक अन्य कारण अंतरराज्यीय ट्रांसमिशन शुल्क में मिलने वाली छूट का धीरे-धीरे कम होना भी रहा। जुलाई 2026 से कमीशन होने वाली परियोजनाओं के लिए यह छूट 75 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत कर दी गई है, जबकि जुलाई 2028 के बाद इसे पूरी तरह समाप्त करने की योजना है। इसी वजह से कई डेवलपर्स ने समयसीमा से पहले परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी दिखाई।

हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में यह रफ्तार कुछ धीमी पड़ सकती है, जिसकी मुख्य वजह घरेलू सौर सेल उत्पादन क्षमता की कमी और मॉड्यूल कीमतों में बढ़ोतरी है, जो नई परियोजनाओं के विकास पर दबाव डाल सकती है।

फिर भी, कुछ राहत भरे संकेत भी हैं। सरकार ने नेट मीटरिंग और ओपन एक्सेस परियोजनाओं को 31 दिसंबर 2026 तक एएलएमएम-II नियमों से छूट दी है। इससे आने वाले महीनों में अतिरिक्त क्षमता जुड़ने की संभावना बनी हुई है।

इसके अलावा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने जुलाई 2026 में उन परियोजनाओं के लिए भी राहत दी, जो लगभग पूर्ण होने की अवस्था में थीं। मंत्रालय ने 23 जुलाई 2026 तक आवेदन करने वाली परियोजनाओं को एएलएमएम-II की अनिवार्यता से छूट प्रदान करने पर सहमति जताई।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एएलएमएम-II के लागू होने से चीन से सीधे सौर सेल आयात में कमी आई है। हालांकि आयात पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, बल्कि इसका स्रोत बदल गया है। शुरुआती 2026 में इंडोनेशिया से सौर सेल आयात लगभग तीन गुना बढ़ गया, जिससे स्पष्ट है कि कंपनियां वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रही हैं।

वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों में भारत ने 5 गीगावाट वेफर्स और 20 गीगावाट सौर सेल आयात किए। घरेलू सौर सेल उत्पादन को समर्थन देने के लिए वेफर आयात में सालाना आधार पर 86 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

वुड मैकेंजी के एक अन्य रिसर्च एनालिस्ट मैथ्यू थॉमस के अनुसार, जैसे-जैसे देश में अतिरिक्त सौर सेल निर्माण क्षमता स्थापित होगी, कीमतों में धीरे-धीरे स्थिरता आएगी। उनका मानना है कि 2029 तक बाजार अधिक संतुलित स्थिति में पहुंच सकता है, लेकिन इसके लिए नीतिगत स्थिरता और निर्माताओं द्वारा समय पर क्षमता विस्तार बेहद जरूरी होगा।

केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं। अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार , एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के इस्तेमाल और कई एंजाइम संबंधी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक

हिस्सा मानना बेहतर है।

अगर खाली पेट केला खाना सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन जैसी समस्या महसूस होती है, वे ब्रेड, ओट्स या दही के साथ ले सकते हैं। केला-दूध का शेक या स्मूदी बहुत आम है। केला कार्बोहाइड्रेट देता है, जबकि दूध प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व उपलब्ध कराता है। अगर किसी व्यक्ति को दूध और केला दोनों आसानी से पचते हैं तो यह कॉम्बिनेशन सामान्य डाइट का हिस्सा हो सकता है। समस्या तब आती है जब किसी को लैक्टोज से दिक्कत होती है। ऐसे में गैस या पेट फूलने की शिकायत हो सकती है लेकिन इसका इस स्थिति को सिर्फ केले से जोड़ना सही नहीं होगा। रात में केला खाने से कोई न लेकिन अगर रात में खाने के बाद पेट भारी लगता है, तो इसे दिन में लेना बेहतर रहेगा। डायबिटीज और किडनी के मरीजों को थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। डायबिटीज में केले में मौजूद शर्करा ब्लड शुगर बढ़ा सकती है, इसलिए मात्रा का ध्यान रखें। किडनी की बीमारी में शरीर से अतिरिक्त पोटैशियम बाहर निकालना मुश्किल हो जाता है। इसलिए ऐसे मरीजों को डॉक्टर या डाइटीशियन से पूछकर ही केला खाना चाहिए।

टाटा ट्रस्ट्स ने शुरू की अगले टाटा संस चेयरमैन की तलाश, एन. चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी के चयन के लिए बनेगी समिति

विश्व केसरी ■

मुंबई। टाटा समूह में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। टाटा संस के मौजूदा चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन द्वारा फरवरी 2027 में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद पुनर्नियुक्ति नहीं लेने का फैसला किए जाने के एक दिन बाद टाटा ट्रस्ट्स ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

टाटा संस के प्रमुख शेयरधारक सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) ने गुरुवार को कहा कि ट्रस्ट के न्यासियों (ट्रस्टीज) ने एक प्रस्ताव पारित कर चयन समिति गठित करने का निर्णय लिया है। यह समिति टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के अनुरूप अगले चेयरमैन के नाम की सिफारिश करेगी। ट्रस्ट ने अपने बयान में कहा कि नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए चयन समिति का गठन जल्द से जल्द किया जाएगा, जिसका उद्देश्य टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में बिना किसी व्यवधान के नेतृत्व हस्तांतरण सुनिश्चित करना है।

सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने चंद्रशेखरन के निर्णय का सम्मान करते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की। ट्रस्ट ने कहा कि वह टाटा संस को एक 'सुगम, समयबद्ध और व्यवस्थित नेतृत्व परिवर्तन' सुनिश्चित करने में पूरा सहयोग देगा, ताकि समूह के दीर्घकालिक हितों और मूल्यों की रक्षा की जा सके।

यह घटनाक्रम उस घोषणा के बाद सामने आया है जिसमें एन. चंद्रशेखरन ने टाटा संस बोर्ड को सूचित किया था कि वह अगले कार्यकाल के लिए अपना नाम आगे नहीं बढ़ाएंगे। इससे पिछले कई महीनों से चल रही उत्तराधिकार संबंधी अनिश्चितताओं पर काफी हद तक स्पष्टता आ गई है।

करीब 40 वर्षों से टाटा समूह से जुड़े चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा था कि वह अपने मौजूदा कार्यकाल की समाप्ति के बाद पद छोड़ देंगे। यह फैसला ऐसे समय आया जब उन्हें सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट दोनों की ओर से अगले पांच वर्षों के लिए कार्यकाल बढ़ाने का समर्थन मिला हुआ था।

चंद्रशेखरन के अनुसार, दोनों ट्रस्टों ने सर्वसम्मति से उनके कार्यकाल को आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इस प्रस्ताव को बाद में टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेम्यूनरेशन कमेटी और कंपनी के बोर्ड का भी समर्थन प्राप्त हुआ था।

हालांकि, 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के समक्ष रखे गए प्रस्ताव को सर्वसम्मति नहीं मिल सकी, क्योंकि एक निदेशक ने इसका समर्थन करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद से नेतृत्व को लेकर चर्चा और अटकलें चल रही थीं। चंद्रशेखरन ने कहा था कि टाटा संस इस समय कई महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजनाओं पर काम कर रही है और ऐसे में निवेशकों तथा अन्य हितधारकों के लिए फरवरी 2027 के बाद के नेतृत्व को लेकर स्पष्टता होना जरूरी है। गौरतलब है कि एन. चंद्रशेखरन ने जनवरी 2017 में टाटा संस के चेयरमैन का पद संभाला था। इससे पहले वह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में कार्य कर चुके थे। उन्होंने 1987 में टीसीएस में एक प्रशिक्षु (इंटर्न) के रूप में अपना करियर शुरू किया था और धीरे-धीरे शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे।

घुटनों, कूल्हों और रीढ़ को मजबूत बनाता है भद्रासन, बरतें ये सावधानियां

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्राचीन काल से योग हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। योग के अनेकों आसनों में भद्रासन काफी महत्व रखता है। यह आसन देखने में जितना आसान लगता है, उतना ही शरीर के लिए फायदेमंद होता है।

संस्कृत में 'भद्र' का अर्थ होता है 'कल्याणकारी' या 'शुभ'। इसलिए इसे कल्याणकारी आसन भी कहा जाता है। यह आसन न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शांति के लिए भी बहुत लाभकारी माना जाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन घुटनों, कूल्हों और रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। यह मासिक धर्म की ऐंठन को कम करने, गुर्दे, और प्रोस्टेट के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी प्रभावी है। महिलाओं के लिए भद्रासन विशेष रूप से फायदेमंद है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह आसन कूल्हों और जांघों की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे प्रसव आसान होता है। यह मासिक धर्म की तकलीफों को कम करने और तनाव को दूर करने में भी मदद करता है।

ये आसन जांघों, घुटनों, टखनों और पेल्विस यानी कूल्हे के पास की मांसपेशियों को अच्छे से खींचता है, मजबूत बनाता है और लंबा करता है। रीढ़ की हड्डी सीधी करता है। इस आसन में आप अपने बैठने वाली हड्डियों को जमीन पर टिकाते हैं। इससे रीढ़ की हड्डी अपने आप लंबी और सीधी हो जाती है। इस आसन को करने से एकाग्रता बढ़ती है और दिमाग तेज होता है। सिरदर्द, कमर दर्द, आंखों की कमजोरी, अनिद्रा और हिचकी जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है।आयुष मंत्रालय के अनुसार इसको करने से पाचन तंत्र बेहतर होता है और कब्ज जैसी शारीरिक समस्या भी कम होती है। साथ ही भोजन अच्छे से पचता है और दिमाग तेज रहता है। सिरदर्द, कमर दर्द, अनिद्रा जैसी समस्याओं से निजात मिलती है। भद्रासन महिलाओं से लेकर हर उम्र के लोग कर सकते हैं, लेकिन योग विशेषज्ञ कुछ सावधानियां भी बरतने की सलाह देते हैं। वहीं, घुटने या कूल्हों में गंभीर दर्द हो तो डॉक्टर की सलाह लें।

छह महीने के बाद बच्चे की डाइट में शामिल करें ये तीन चीजें, ब्रेन डेवलपमेंट में मिलेगी मदद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बच्चे की सेहत और विकास को लेकर हर माता-पिता काफी चिंता में रहते हैं। जब बच्चा छह महीने का होता है और उसे धीरे-धीरे ठोस आहार देना शुरू किया जाता है, तब माता-पिता के लिए यह समझना बेहद जरूरी होता है कि उसकी प्लेट में किन-किन चीजों को जगह दी जाए। इस उम्र में सिर्फ पेट भरना ही काफी नहीं होता बल्कि ऐसा पौष्टिक खाना देना जरूरी होता है, जो बच्चे की शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाए।

बच्चे का मानसिक विकास उसके खान-पान, नींद, खेल, बातचीत, आसपास के माहौल और देखभाल समेत कई चीजों पर निर्भर करता है। लेकिन अगर कुछ पोषक खाद्य पदार्थ उसकी डाइट में शामिल कर दें, तो विकास बेहतर तरीके से होता है। अखरोट से तैयार प्यूरी या पाउडर- अखरोट को बच्चों के लिए पोषक आहार माना जाता है। इसमें हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं और यह प्लांट-बेस्ड ओमेगा-3 फैटी एसिड का भी स्रोत है। ओमेगा-3 फैट शरीर और दिमाग के सामान्य विकास के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में शामिल है। इसके अलावा अखरोट में एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड भी पाए जाते हैं। छह महीने के बाद बच्चे को अखरोट सीधे टुकड़ों के रूप में देने के बजाय बहुत बारीक पिसे हुए रूप में देना सही रहता है। अखरोट को हल्का भूनकर उसका पाउडर तैयार करें। इसे बच्चे के लिए बनाए गए दलिया, दही या किसी फल की प्यूरी में थोड़ी मात्रा में मिलाए। बता दें कि साबुत या बड़े टुकड़ों में मेवे छोटे बच्चों के लिए चोकिंग का खतरा पैदा कर सकते हैं। इसलिए उनकी बनावट बच्चे की उम्र और निगलने की क्षमता के अनुसार ही रखें। पहली बार कोई नया खाद्य पदार्थ देते समय एलर्जी के संभावित लक्षणों पर भी नजर रखना जरूरी है।

अंडा भी पौष्टिक विकल्प- अंडा भी बच्चे की डाइट में शामिल किया जा सकने वाला पोषक खाना है। इसमें प्रोटीन के साथ कई जरूरी विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। खासतौर पर अंडे की जर्दी में कोलीन मौजूद होता है। कोलीन शरीर में कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के सामान्य विकास के लिए भी जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। छह महीने के बाद बच्चे को अंडा देना शुरू किया जा सकता है, लेकिन इसे हमेशा अच्छी तरह पकाकर और बच्चे की उम्र के मुताबिक नरम बनाकर देना चाहिए। उबले हुए अंडे को अच्छी तरह मैश करे और फिर एवोकाडो या कोई नरम चीज के साथ मिलाकर बच्चे को दें। राजगीरा में भी कई जरूरी पोषक तत्व- राजगीरा भी छोटे बच्चों के लिए तैयार किए जाने वाले भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है। इसमें प्रोटीन, आयरन और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आयरन बच्चे की सामान्य वृद्धि और शरीर में जरूरी प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जबकि प्रोटीन शरीर के ऊतकों और विकास में भूमिका निभाता है। बच्चे के लिए राजगीरा तैयार करते समय इसे अच्छी तरह पकाना जरूरी है, ताकि वह पूरी तरह नरम हो जाए और बच्चे के लिए निगलना आसान रहे।

पब्लिक स्कूल की प्री-के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अहम, 20 साल के अध्ययन में खुलासा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अमेरिका में हुई एक लंबी और बड़े स्तर की रिसर्च ने बच्चों की शुरुआती पढ़ाई को लेकर एक अहम बात सामने रखी है। रिसर्च के मुताबिक, जो बच्चे पब्लिक स्कूल की प्री-के यानी प्री-स्कूल शिक्षा लेते हैं, वे आगे चलकर पढ़ाई में उन बच्चों से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, जिन्होंने शुरुआती सालों में फैमिली-बेस्ड चाइल्डकेयर में पढ़ाई की। इस रिसर्च में करीब 4 लाख बच्चों के शैक्षणिक सफर को तीसरी कक्षा से लेकर हाई स्कूल तक देखा गया और करीब 20 साल तक उनके प्रदर्शन पर नजर रखी गई।

यह अध्ययन जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में किया गया और फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफआईयू) के एसोसिएट प्रोफेसर चार्ल्स ब्लाइकर भी इस रिसर्च टीम का अहम हिस्सा रहे। शोधकर्ताओं ने मियामी-डेड काउंटी के पब्लिक स्कूल के करीब 4 लाख छात्रों के रिकॉर्ड का विश्लेषण किया।

रिसर्च में बच्चों की शुरुआती शिक्षा के तीन तरह के विकल्पों की तुलना की गई। इनमें पब्लिक स्कूल प्री-के, सेंटर-बेस्ड डेकेयर और अर्ली लर्निंग कोएलिशन से जुड़े होम-बेस्ड चाइल्डकेयर शामिल थे। इन सभी केंद्रों को न्यूनतम जरूरी मानकों को पूरा करना था, लेकिन शिक्षकों की योग्यता में बड़ा अंतर सामने आया।

पब्लिक स्कूल प्री-के कार्यक्रमों की एक खास बात यह थी कि वहां शिक्षकों के लिए कॉलेज की डिग्री होना जरूरी था। शोधकर्ताओं के मुताबिक, प्रशिक्षित और ज्यादा शिक्षित शिक्षक बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ उनके व्यवहार और विकास को समझने में भी बेहतर तरीके से मदद कर सकते हैं। रिसर्च में यह भी सामने आया कि पब्लिक स्कूल प्री-के में पढ़ने वाले बच्चों ने आगे चलकर स्टैंडर्डाइज्ड टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन किया और उन्हें हाई स्कूल तक अपेक्षाकृत बेहतर ग्रेड मिले।

एफआईयू के चार्ल्स ब्लाइकर के मुताबिक, इस रिसर्च से यह सवाल भी कमजोर पड़ता है कि छोटे बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों की ज्यादा ट्रेनिंग की जरूरत नहीं होती। उनके अनुसार, शुरुआती उम्र में बच्चों के साथ काम करना केवल उनकी देखभाल करना नहीं है, बल्कि इस दौरान उन्हें सही तरीके से सीखने, सोचने, बातचीत करने और व्यवहार विकसित करने के मौके देना भी जरूरी है।

कैनेडियन ओपनः बेन शेल्टन लगातार दूसरी बार फाइनल में, सेमीफाइनल में लर्नर टीएन को हराया

एजेंसी ■

मॉन्ट्रियल। गत चैंपियन बेन शेल्टन ने अपने साथी अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टीएन को सेमीफाइनल में 6-2, 6-3 से हराकर कैनेडियन ओपन के फाइनल में जगह बना ली। यह लगातार दूसरा मौका है, बेन शेल्टन ने इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

2026 में अपना खिताब बचाने उतरे बेन शेल्टन का प्रदर्शन शानदार रहा है। सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले, वह ड्रॉ में अकेले ऐसे खिलाड़ी थे जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया था और यह ट्रेंड बुधवार को भी जारी रहा।

995 के बाद पहली बार मॉन्ट्रियल में फाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ी अमेरिकी हैं। आंद्रे अगासी ने पुराने जैरी पार्क स्टेडियम में खेले गए फाइनल टूर्नामेंट में पीट सम्प्रास को हराकर खिताब जीता था। 31 साल बाद, दुनिया के नंबर 10 शेल्टन का मुकाबला गुरुवार रात आईजीए स्टेडियम में दुनिया के नंबर 31 खिलाड़ी ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा।

टीएन के खिलाफ पहले पांच गेम कड़े मुकाबले वाले थे, और शेल्टन को शुरुआत में एक ब्रेक पॉइंट भी बचाना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने विपक्षी की तेज शुरुआत का सामना किया। शुरुआती सेट में 4-2 से आगे रहे शेल्टन ने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शेल्टन ने दूसरे सेट की शुरुआत में फिर से सर्व तोड़ी, ऐसा लगा कि आखिरी फ्रेम में 4-1 पर टीएन के लॉब का पीछा करते हुए बैक वॉल से टकराने से ही उनकी गति धीमी हुई, जिससे उन्हें अपनी कोहनी पर लगे कट के इलाज के लिए मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। शेल्टन गुरुवार को चैंपियन के तौर पर खेलते हुए लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे। फाइनल में शेल्टन का मुकाबला ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा। नाकाशिमा ने सेमीफाइनल में राफेल जोडार को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। नाकाशिमा का यह पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल मुकाबला है।

हमारे पास किसी भी टीम को चुनौती देने के लिए स्किल, फिटनेस और सही सोच : सविता पूनिया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता पूनिया का कहना है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने के बाद भारत बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ हॉकी महिला वर्ल्ड कप 2026 में उतरेगा। अनुभवी गोलकीपर लगातार तीसरे विश्व कप में शामिल होने जा रही हैं। सविता ने भरोसा जताया है कि टीम में टूर्नामेंट में हर प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करने की काबिलियत है।

पूनिया के लिए आने वाला यह ग्लोबल इवेंट खास व्यक्तिगत महत्व रखता है। पिछले दो वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकीं अनुभवी गोलकीपर तीसरी बार इसमें शामिल होने को वर्षों की मेहनत का नतीजा और टीम में बड़ी जिम्मेदारी संभालने के मौके के तौर पर देखती हैं।

सविता ने 'जियोस्टार' से कहा, 'वर्ल्ड कप में खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह मेरा तीसरा वर्ल्ड कप है। किसी भी हॉकी खिलाड़ी के लिए वर्ल्ड कप और ओलंपिक दो सबसे बड़े मंच होते हैं। हर एथलीट का सपना होता है कि वह इन मंचों पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करे। लगातार तीसरे वर्ल्ड कप का हिस्सा बनना एक बड़ी उपलब्धि है। यहां तक पहुंचने के लिए मैंने बहुत कड़ी मेहनत की है, और हर बार मैंने टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। इस बार, मेरे पास ज्यादा अनुभव है, और इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है। एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर, मैं मिसाल बनकर नेतृत्व करना चाहती हूं, दबाव में शांत रहना चाहती हूं और टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करना चाहती हूं।'

उनका मानना ??है कि यह अनुभव उस टीम के लिए अहम होगा जो हाल के अपने सबसे अच्छे अभियानों में से एक के बाद वर्ल्ड कप में खेलने उतरेगी। भारत की नेशंस कप की सफलता न केवल गोल्ड मेडल लेकर आई, बल्कि कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ कड़े मुकाबलों के बाद खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

उन्होंने कहा, 'एफआईएच नेशंस कप जीतना एक बड़ी उपलब्धि थी क्योंकि इसमें सभी टॉप टीमें शामिल थीं। यह एक कड़ा मुकाबला वाला टूर्नामेंट था और इसमें जीत हासिल करने से हमारा हौसला काफी बढ़ा। लंबे समय बाद गोल्ड मेडल जीतने से टीम का मनोबल और आत्मविश्वास भी बढ़ा है। हाल के वर्षों में एफआईएच प्रो लीग के दौरान, हमने अर्जेंटीना, नीदरलैंड और जर्मनी जैसी टॉप टीमों के खिलाफ कड़े मुकाबले खेले हैं। उन मैचों से हमें पता चला कि हम दुनिया की बेहतरीन टीमों का मुकाबला कर सकते हैं। मैं भारतीय महिला हॉकी टीम के बारे में पूरे भरोसे के साथ कह सकती हूं कि भले ही सभी टीमें वर्ल्ड-क्लास हों, लेकिन ऐसी कोई टीम नहीं है जिसका हम मुकाबला न कर सकें। हमारे पास स्किल, फिटनेस और सही सोच है।

मिचेल स्टार्क ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले बने बाएं हाथ के गेंदबाज

विश्व केसरी ■

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मुकाबला डार्विन के मरारा क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। मिचेल स्टार्क ने टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने से पहले एक विकेट लेने के साथ ही इतिहास रच दिया है। स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए हैं।

स्टार्क ने यह उपलब्धि शादमान इस्लाम को पवेलियन भेजने के साथ ही हासिल की। उन्होंने इस मामले में श्रीलंका के पूर्व गेंदबाज रंगना हेराथ को पीछे छोड़ दिया है। स्टार्क के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में 434 विकेट हो गए हैं। वहीं, हेराथ ने अपने टेस्ट करियर के दौरान 433 विकेट निकाले थे। स्टार्क वसीम अकरम को पहले ही पीछे छोड़ चुके हैं, जिन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 414 विकेट चटकाए थे।

टेस्ट का पहला दिन पूरी तरह से बांग्लादेश के नाम रहा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला गलत साबित हुआ और पहली पारी में टीम सिर्फ 198 रन बनाकर ऑलआउट हुई। ट्रेविस हेड महज 22 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जैक वेदराल्ड 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मार्नस लाबुशेन सिर्फ एक रन ही बना सके। कैमरून ग्रीन का बल्ला भी खामोश रहा और वह 13 रन बनाकर आउट हुए।

एलेक्स कैरी (19 रन), ब्यू वेबस्टर (12 रन) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। कप्तान पैट कमिंस 9 रन बनाकर हसन महमूद का शिकार बने। गेंदबाजी में बांग्लादेश की तरफ से हसन महमूद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 55 रन देकर 6 विकेट चटकाए।

दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने पहली पारी में एक विकेट खोकर 96 रन स्कोरबोर्ड पर लगा लिए हैं।

शादमान (20 रन) के पवेलियन लौटने के बाद तंजीद हसन तमीम और मोमिनुल हक दूसरे विकेट के लिए 66 रनों की अटूट साझेदारी निभा चुके हैं। तंजीद 32 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि मोमिनुल 35 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं।

ऐश्वर्या पिस्सेः विश्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय मोटरस्पोर्ट्स एथलीट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय मोटरस्पोर्ट्स में ऐश्वर्या पिस्से का नाम काफी लोकप्रिय है। एक सर्किट और ऑफ-रोड मोटरसाइकिल रेसर ऐश्वर्या विश्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय मोटरस्पोर्ट्स एथलीट हैं।

ऐश्वर्या पिस्से का जन्म 14 अगस्त 1995 को बेंगलुरु, कर्नाटक में हुआ था। 18 साल की उम्र में उन्हें रेसिंग में अपना जुनून मिला। इस शौक को उन्होंने एक पेशे में बदल लिया। ऐश्वर्या ने 2017 से 2022 तक लगातार आईएनआरसी जीता। वह 2018 में स्पेन में आयोजित बाजा आरागॉन विश्व रैली में प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली भारतीय महिला भी बनीं।

ऐश्वर्या ने एपेक्स रेसिंग अकादमी से 2016 में स्नातक किया और होंडा वन मेक चैम्पियनशिप जीती। उन्होंने दक्षिण डेयर में 5वां और एशिया रोड रेसिंग कप में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 2016 के भारतीय राष्ट्रीय रैली चैम्पियनशिप के अंतिम दौर में भी जीत हासिल की। ??

2017 में, ऐश्वर्या ने कैलिफोर्निया सुपरबाइक स्कूल में भाग लेकर मोटरस्पोर्ट्स में एक पेशेवर करियर की ओर एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने एक ही वर्ष में भारतीय राष्ट्रीय रोड रेसिंग चैम्पियनशिप और भारतीय राष्ट्रीय रैली चैम्पियनशिप जीती, जो उनके पहले दो राष्ट्रीय खिताब थे। ऐश्वर्या ने दक्षिण डेयर ग्रुप - बी में तीसरा स्थान हासिल किया। टीवीएस रेसिंग ने उसी साल ऐश्वर्या पिस्से को फैक्ट्री रेसर के तौर पर साइन किया। टीवीएस की इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने एफआईएम बजाज विश्व कप में भाग लिया और 2019 में महिला वर्ग में पहला और जूनियर वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया और वर्ल्ड स्टेज पर मेडल जीतने वाली पहली भारतीय मोटरस्पोर्ट्स एथलीट बनीं।

वह सात एफएमएससीआई राष्ट्रीय खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं, जिसमें 2017 से दोपहिया वाहनों में लगातार 6 भारतीय राष्ट्रीय रैली चैम्पियनशिप शामिल हैं।

2018 में, उन्होंने इंडियन नेशनल रैली चैंपियनशिप जीती।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप हमारी ओलंपिक अभियान की प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैः पी. टी. उषा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) ने 17-23 अगस्त तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाली बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के लिए वैश्विक बैडमिंटन समुदाय का नई दिल्ली में स्वागत किया है। आईओए अध्यक्ष पी. टी. उषा ने कहा है कि वर्ल्ड चैंपियनशिप ओलंपिक अभियान के लिए भारत की प्रतिबद्धता और खेल के विकास को और मजबूत करती है।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 दुनिया का बड़ा और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। इसकी मेजबानी मिलना अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के मेजबान के रूप में भारत के एक भरोसेमंद देश के रूप में उभरने का संकेत है।

चैंपियनशिप की मेजबानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भारत सरकार के लगातार सहयोग को दिखाती है, जो भारत के खेल इकोसिस्टम को मजबूत करने और देश को एक शीर्ष वैश्विक खेल देश के तौर पर स्थापित करने में मदद कर रहा है। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पी. टी. उषा ने कहा, 'बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 भारत की खेल यात्रा में एक और अहम पड़ाव है। हमें दुनिया के जाने-माने बैडमिंटन खिलाड़ियों, अधिकारियों और फैंस का नई दिल्ली में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

महिला एशिया कप के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान, अयोध्या-विहंगा और विमुक्ति की हुई वापसी

विश्व केसरी ■

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट ने एशिया कप के लिए महिला टीम का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज मिताली अयोध्या, चेतना विमुक्ति और ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर डेवमी विहंगा की टीम में वापसी हुई है।

महिला एशिया कप का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर के बीच यूएई में होना है। मिताली, चेतना और विहंगा हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई टी20 इंटरनेशनल सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं थीं। श्रीलंकाई टीम इस सीरीज को 2-1 से अपने नाम करने में सफल रही थी। इन तीनों खिलाड़ियों को निमाशा मीपेज, मल्की मदारा और रश्मिका सेववंडी की जगह पर टीम में शामिल किया गया है।

इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में श्रीलंका डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर मैदान पर उतरेगी। टीम ने साल 2024 में इस खिताब को अपने नाम किया था। अनुभवी बैटिंग ऑलराउंडर चमारी अटापट्टू 15 सदस्यीय मजबूत श्रीलंकाई टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि बल्लेबाज हर्षिता समरविक्रमा को उप-कप्तान बनाया गया है। डिफेंडिंग चैंपियन श्रीलंका को ग्रुप बी में बांग्लादेश, मेजबान यूएई और पहली बार खेल रही इंडोनेशिया के साथ रखा गया है।श्रीलंकाई टीम अपने खिताब के बचाव की शुरुआत 29 अगस्त को यूएई के खिलाफ करेगी, इसके बाद 2 सितंबर को टीम का सामना इंडोनेशिया से होगा। ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में श्रीलंका की भिड़ंत 6 सितंबर को बांग्लादेश से होगी। सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस बार महिला एशिया कप के सभी मुकाबले टी20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जो 10 और 11 सितंबर को खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 13 सितंबर को होगा।

श्रीलंका ने 2024 के फाइनल में सात बार की विजेता भारतीय टीम को चौंकाते हुए दांबुला में अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपना पहला एशिया कप खिताब जीता था। टूर्नामेंट का यह 10वां संस्करण है और पहली बार यह प्रतियोगिता यूएई में खेली जा रही है।

कैनेडियन ओपनः इगा स्वियाटेक और एलेना रायबाकिना के बीच होगा महिला एकल फाइनल

विश्व केसरी ■

टोरंटो। कैनेडियन ओपन में महिला एकल का फाइनल मुकाबला इगा स्वियाटेक और एलेना रायबाकिना के बीच होगा। स्वियाटेक ने एलिना स्वितोलिना को और रायबाकिना ने कोको गॉफ को हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

इगा स्वियाटेक ने एलिना स्वितोलिना को पहले सेमीफाइनल में 6-3, 1-6, 6-3 से हराया। स्वियाटेक ने स्वितोलिना के खिलाफ तीन मुकाबलों में अपनी पहली जीत हासिल की और अपने करियर के 14वें डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में भी जगह बनाई।

बारिश के कारण अपने तय समय से एक घंटे बाद कोर्ट पर उतरीं, स्वियाटेक ने कंट्रोल हासिल करने से पहले शुरुआती गेम में कुछ ब्रेक पॉइंट बचाए। उन्होंने मैच शुरू करने के लिए पहले चार गेम जीते और स्वितोलिना के पहले तीन सर्विस गेम में ब्रेक किया।

यूक्रेनी खिलाड़ी स्वितोलिना तब तक कोई होल्ड नहीं कर पाई जब तक वह 5-2 से पीछे नहीं हो गईं और केवल एक ब्रेक ही रिकवर कर पाईं। लेकिन, दूसरे सेट में उन्होंने अपना आक्रामक खेल दिखाया जिसका उन्हें फायदा मिला। स्वितोलिना ने पोल की खिलाड़ी के साथ रैली करने से मना कर दिया, और हर बॉल पर बड़े कट लगाए। उसे 5-0 की बढ़त बनाने के लिए दो ब्रेक मिले। यूक्रेन की खिलाड़ी पौलेंड की स्वियाटेक की सर्व पर तीन सेट पॉइंट के साथ लगभग एक बैगल जीत ही गई थी, लेकिन उसे एक ब्रेडस्टिक से ही संतोष करना पड़ा। स्वितोलिना तीसरे सेट की शुरुआत में ही आगे रही और स्वियाटेक के शुरुआती सर्विस गेम में दबाव डाला। उसने शुरुआती गेम में ब्रेक करने के कुछ मौके गंवा दिए, लेकिन पांचवें गेम में उसे गोल में बदलकर 3-2 से आगे हो गई।

जब ऐसा लगा कि मैच यूक्रेन की खिलाड़ी के हाथ में है, उसी समय वह सुस्त हो गई।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415